@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 325 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'ऑपरेशन सिंदूर' वह सबक जो दुनिया को हमसे सीखना चाहिए : वायुसेना प्रमुख

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां उन्हें युद्धविराम की मांग करनी पड़ी। जब हमारे उद्देश्य पूरे हो गए तो हमने भी शांति का फैसला लिया। यह वह सबक है जो दुनिया को हमसे सीखना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमान नष्ट किए। पाकिस्तानी बेस पर खड़े 4 से 5 एफ-16 लड़ाकू विमान भी इस दौरान निशाने पर आए। इसके अलावा, वायुसेना ने कई पाकिस्तानी एयरबेस, रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को भी गंभीर क्षति पहुंचाई। एयर चीफ मार्शल ने बताया कि इस कार्रवाई में

जब हमारे उद्देश्य पूरे हो गए तो हमने भी शांति का फैसला लिया।

पाकिस्तान का एक सी-130 श्रेणी का विमान और संभवतः एक हाई-वैल्यू निगरानी विमान भी हिट हुआ। भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पाकिस्तान के भारतीय विमानों को निशाना बनाने के दावों को खारिज किया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'अगर पाकिस्तान सोचता है कि उन्होंने मेरे 15 विमान गिरा दिए, तो उन्हें सोचने दो। उनकी कहानी मनोहर कहानियां हैं, चलने दो... वो इसी में खुश रहें।' वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जहां तक पाकिस्तान की क्षति का सवाल है, हमने दो जगह बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया; तीन अलग-अलग एयरबेस पर उनके तीन हैंगर नष्ट हुए और हमारे पास सी-130 श्रेणी के विमान को नुकसान पहुंचाने के सबूत हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान इतिहास का सबसे लंबा सफल मिसाइल स्ट्राइक किया गया, जो 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर था। इससे पाकिस्तान की गतिविधियां काफी हद तक सीमित हो गईं। इतिहास में दर्ज होगा कि 300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर सबसे लंबा 'घातक वार' हमने किया। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के लिए एक सबक है, क्योंकि दुनिया में चल रहे कई युद्धों का कोई अंत नहीं दिख रहा।

'मेरी बेटी से मांगी थी अश्लील फोटो...' साइबर क्राइम पर अक्षय कुमार ने देवेंद्र फडणवीस से की खास अपील

एजेंसी
महाराष्ट्र। मुंबई में साइबर जागरूकता माह अक्टूबर 2025 का शुभारंभ हुआ, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को देखा गया। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय में हुआ, जहां अक्षय कुमार ने अपनी बेटी के साथ हुई साइबर क्राइम की घटना का जिक्र किया और देवेंद्र फडणवीस से विनती करते हुए कहा कि हर स्कूल में बच्चों को 'साइबर' को सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाया जाए। अक्षय कुमार ने कार्यक्रम में कहा, 'मैं आपको उस घटना के बारे में बताना चाहता हूं जो कुछ महीनों पहले मेरे घर में घटी थी। मेरी बेटी ऑनलाइन गेम खेल रही थी और उस गेम में कई लोग शामिल होते हैं जिन्हें हम नहीं जानते। वहां से मैसेज आता है, 'बहुत अच्छा खेला, वेरी गुड,' और फिर सवाल आता है कि 'तुम कहां रहती हो?' मेरी बेटी ने लोकेशन बता दी। फिर कुछ दिन सब कुछ नॉर्मल हो गया, और फिर मैसेज आता हैज'मेल हो या फीमेल?' मेरी बेटी उसका भी जवाब देती है। उसके बाद वो अचानक उससे अश्लील मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से रिक्वेस्ट करता हूं, जैसे स्कूलों में बच्चे हिस्ट्री सीखते हैं, मैथ्स सीखते हैं..ऐसे ही बच्चों को साइबर के बारे में पढ़ाया

फोटोज की डिमांड करता है और मेरी बेटी इस बारे में मेरी पत्नी को बताती है।' एक्टर आगे कहते हैं, 'ये अच्छा हुआ कि मेरी बेटी ने अपनी मां से ये परेशानी शेयर की..लेकिन कुछ केस में ये नहीं हो पाता है। ये भी एक तरह का साइबर क्राइम है और ऐसे ही शुरुआत होती हैज मैं महाराष्ट्र के जाए। डिजिटल वर्ल्ड की जानकारी के लिए बच्चों को ये जानना बहुत जरूरी है।'

बता दें कि अक्षय कुमार की बेटी नितारा 12 साल की हैं। एक्टर मीडिया की नजरों से अपनी बेटी को हमेशा बचाकर रखते हैं। एक्टर कभी-कभार ही सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ फोटोज पोस्ट करते हैं और ज्यादातर फोटोज में बेटी का चेहरा छिपा ही होता है।

कनाडा के एनएसए के साथ आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने पर चर्चा: भारत

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) के साथ पिछले महीने हुई मुलाकात की पुष्टि की। साथ ही कहा कि दोनों देशों के एनएसए ने इस दौरान आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इससे जुड़े प्रश्नों का उत्तर दिया। हालांकि उन्होंने अपने बयान में लॉरेंस बिश्नोई का नाम नहीं लिया। जायसवाल ने कहा कि यह सार्वजनिक है कि 18 सितंबर को नई दिल्ली में कनाडा की एनएसए नथाली ड्रोन से एनएसए अजीत डोभाल ने मुलाकात की थी। उन्होंने आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने तथा खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान जैसे द्विपक्षीय संबंधों के जुड़े उपयोगी विषयों पर चर्चा की थी। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों देशों के एनएसए सुरक्षा सहयोग और मौजूदा संपर्क तंत्र को अधिक मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्ष इन सभी मुद्दों पर संपर्क भी बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के एनएसए की मुलाकात के बाद कनाडा ने हाल ही में गैंगस्टर बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित किया। इससे अब कनाडा में इस गिरोह की कोई भी संपत्ति ज़ब्त की जा सकेगी। आरोप है कि बिश्नोई गिरोह ने आतंक, हिंसा और धमकी के जरिए लोगों को निशाना बनाया।

करूर भगदड़ : मद्रास हाईकोर्ट ने CBI जांच से किया इनकार, राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव

एजेंसी
चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव दिया। साथ ही, कोर्ट ने अभिनेता-राजनेता विजय की करूर रैली में पिछले महीने हुई भगदड़ की सीबीआई जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। एम धंदापानी और एम जोतिरमन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर कार्यवाही करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को यह छूट दी कि यदि जांच ठीक से नहीं की जाती है तो वह अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस अदालत को राजनीतिक अखाड़े की तरह न समझें। कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़ित व्यक्ति इस अदालत में आते हैं, तो हम उन्हें बचाएंगे। अदालत ने

याचिकाकर्ता से कहा कि पहले वह करूर में 27 सितंबर की घटना की जांच को उसके वर्तमान प्रारंभिक चरण से आगे बढ़ने दें। भाजपा नेता ने घटना की सीबीआई से जांच कराने के लिए हाई कोर्ट से निर्देश मांगा था और दावा किया था कि ये मौतें कथित सरकारी उदासीनता के कारण हुई हैं।

हाई कोर्ट ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कुछ याचिकाओं में पीड़ितों के लिए घोषित मुआवजे में वृद्धि की मांग की गई थी।

पीठ ने रैलियों या बैठकों के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और राज्य या राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट आयोजनों की अनुमति न देने के तमिलनाडु सरकार के सुझाव पर गौर किया। अदालत ने सुझाव दिया कि भविष्य में जब ऐसी राजनीतिक रैलियां या बैठकें निर्धारित स्थानों पर आयोजित की जाएं तो सरकार और राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां पेयजल और स्वच्छता की उचित व्यवस्था हो।

पाकिस्तान के दमनकारी रवैये का परिणाम हैं POK में प्रदर्शन : भारत

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हो रहे व्यापक प्रदर्शनों को पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और संसाधनों की संगठित लूट का ÷स्वाभाविक परिणाम÷ करार दिया है। इन प्रदर्शनों में अब तक दर्जनभर से अधिक लोगों की मौत की खबर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई हिस्सों में जारी प्रदर्शनों और पाकिस्तानी बलों द्वारा स्थानीय लोगों पर की जा रही बर्बरताओं की जानकारी है। उन्होंने कहा, ÷हमने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई क्षेत्रों में प्रदर्शनों और निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तानी बलों की बर्बरताओं की रिपोर्टें देखी हैं। यह पाकिस्तान के दमनकारी दृष्टिकोण और इन क्षेत्रों के संसाधनों की

संगठित लूट का स्वाभाविक परिणाम है, जो उसके अवैध कब्जे में हैं। पाकिस्तान को अपने भयावह मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग हैं, हमेशा थे और हमेशा रहेंगे। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी हमारा अभिन्न हिस्सा है।' यह बयान उस समय आया है जब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) की हड़ताल के दौरान हिंसक झड़पें भड़क गईं, जिनमें कई लोगों समेत पुलिसकर्मी मारे गए और दर्जनों घायल हुए। हड़ताल के चलते पीओके में व्यापारिक गतिविधियां ठप हो गई हैं और संचार व्यवस्था बाधित है। धीर कोट समेत कई इलाकों में झड़पें हुईं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इन झड़पों में 172 पुलिसकर्मी और 50 नागरिक घायल हुए हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, मुज़फ़्फ़राबाद, मीरपुर, पुंछ, नीलम, भिंबर और पलंदरी जैसे क्षेत्रों में जेएएसी के नेता शौकत नवाज़ मीर की अगुवाई में हड़ताल के बाद जनजीवन ठप हो गया। बाजार बंद हैं, सड़कों पर जाम है और मुज़फ़्फ़राबाद में इंटरनेट सेवाएं सीमित कर दी गई हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वामी चैतन्यानंद को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

आरोपी बाबा ने जेल में डॉटर की पर्ची के हिसाब से दवा और बिना लहसुन-प्याज वाले भोजन दिए जाने की इजाजत के लिए अर्जी दाखिल की।

एजेंसी
नई दिल्ली । श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में अदालत ने स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिनों के लिए स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। आरोपी बाबा ने जेल में डॉक्टर की पर्ची के हिसाब से दवा और बिना लहसुन-प्याज वाले भोजन दिए जाने की इजाजत के लिए अर्जी दाखिल की। स्वामी चैतन्यानंद की याचिका पर पटियाला हाउस कोर्ट 4 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे फैसला सुनाएगा। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने छात्राओं से छेड़खानी के आरोपी स्वामी चैतन्यानंद को आगरा से गिरफ्तार किया था। चैतन्यानंद पर 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप है। पुलिस के अनुसार, चैतन्यानंद पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की छात्रवृत्ति योजना के तहत पोस्ट-

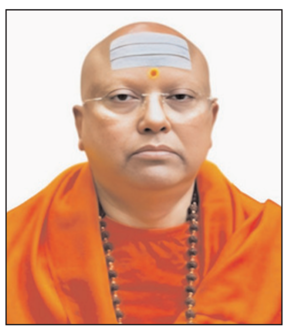

ग्रेजुएट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स में पढ़ने वाली छात्राओं को निशाना बनाने का आरोप है। 4 अगस्त को भारतीय वायु सेना मुख्यालय से शिकायत मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया था। जांच में खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद रात के समय छात्राओं को अपने कमरे में बुलाता था और उनकी ग्रेड कम करने या फेल करने की धमकी देकर उनके साथ जबरदस्ती करता था। पुलिस ने संस्थान की तीन वार्डनों के बयान दर्ज किए हैं, जिन पर चैतन्यानंद की मदद करने और आपत्तिजनक संदेशों को डिलीट करने का आरोप है। लगभग 50 छात्राओं के फोन से बरामद वॉट्सऐप चैट से 16 सालों तक चले यौन शोषण के सबूत मिले हैं, जिनमें अश्लील संदेश और जबरन शारीरिक संपर्क की घटनाएं शामिल हैं। इससे पहले, अगस्त की शुरुआत में 17 छात्राओं ने दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें चैतन्यानंद पर ईडब्ल्यूएस श्रेणी की छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चैतन्यानंद पिछले दो दशकों से महिलाओं का शोषण कर रहा था, और 2009 व 2016 में भी छेड़खानी के मामलों में वह बच निकला था। इस बार मामला तब सामने आया, जब 17 छात्राओं ने अगस्त में शिकायत दर्ज कराई। उस समय चैतन्यानंद लंदन में था, लेकिन उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली। उसने दिल्ली हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद की लाल रंग की लग्जरी वॉल्वो कार से कई फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गईं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का फर्जी लोगो लगा था।

गृह मंत्री अमित शाह ने कुरुक्षेत्र में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

● केंद्रीय गृह मंत्री ने देखा तीन नए कानूनों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया का लाइव डेमो

एजेंसी
चंडीगढ़। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र, जिसने गीता का अमर संदेश पूरी दुनिया को दिया, आज न्याय प्रणाली में विश्वास के स्वर्णिम युग का गवाह बना। अवसर था–संसद द्वारा मई 2023 में पारित तीन नए आपराधिक कानूनों–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023–पर आधारित प्रदर्शनी के उद्घाटन का। देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कुरुक्षेत्र में लगाई गई इस प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ किया और इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया का लाइव डेमो भी देखा।

कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि सैनी न केवल मृदुभाषी और हंसमुख व्यक्तित्व के स्वामी हैं बल्कि मेहनती और दूरदर्शी नेता भी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन् विकसित भारत, 2047 को हरियाणा की धरती पर उतारने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की प्रशंसा की।

अमित शाह ने कार्यक्रम के दौरान हरियाणा की जनता के लिए गृह, सहकारिता, शिक्षा, स्वास्थ्य और

सड़क से जुड़ी करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सैनी गरीब-केंद्रित योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक विशेष प्रदर्शन के जरिए दिखाया गया कि डायल 112 पर सूचना मिलते ही पुलिस किस तेजी से कार्रवाई करती है और किस प्रकार न्यायालय तक दोषी को सजा दिलाने की पूरी प्रक्रिया संपन्न होती है। इस डेमो को प्रदर्शनी स्थल पर एलईडी पैनलों के माध्यम से लाइव दिखाया गया, जिससे लोगों में न्याय प्रणाली के प्रति नए विश्वास की स्थापना हुई। आज का यह आयोजन न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है, जब न्याय प्रणाली में विश्वास का एक नया अध्याय कुरुक्षेत्र से शुरू हुआ।

कश्मीर घाटी पहुंचा पहला ऑटोमोबाइल रेक, मारुति बनी देश की पहली कंपनी जिसने रेलमार्ग से गाड़ियां भेजीं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कश्मीर घाटी को नई लॉजिस्टिक सुविधा से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल से रवाना हुआ पहला ऑटोमोबाइल रेक शुक्रवार को अनंतनाग गुड्स शेड पहुंचा।

यह रेक मेसर्स मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के मानेसर स्थित गति शक्ति टर्मिनल से 1 अक्टूबर को रवाना हुआ था और इसमें ब्रेज़ा, डिज़ायर, वैगन आर तथा एस-प्रेसो मॉडल की 116 से अधिक यात्री गाड़ियां शामिल थीं।

रेल मंत्रालय के अनुसार, करीब 850 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह ट्रेन शुक्रवार को अनंतनाग पहुंची। इस दौरान ट्रेन चिनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज से होकर गुज़री, जो उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का अहम हिस्सा है।

बिहार सरकार के कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी समेत कुल 129 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर

● बिहार सरकार के कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी समेत कुल 129 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर

एजेंसी
पटना। मुख्यमत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में बिहार सरकार के कर्मचारियों का कैबिनेट में डीए बढ़ाने के साथ ही कुल 129 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। डीए में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब 55 से बढ़कर डीए 58 प्रतिशत हो गया है। केंद्र सरकार 3 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला ले चुकी है। बिहार में फिल्म और नाट्य संस्थान स्थापना के लिए कैबिनेट में स्वीकृति मिली है। राज्य के शहरी क्षेत्र में टीकाकरण अभियान के लिए संविदा पर नियोजित एएनएम कर्मियों का मानदेय 11500 से बढ़ाकर

15000 करने और 5 प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि दिए जाने की स्वीकृति दी गई । स्कूली छात्र-छात्राओं की स्कॉलरशिप दोगुनी हुई है। कैबिनेट में इसकी स्वीकृति दी गई है। क्लास 1 से 4 तक 600 से बढ़ाकर 1200 किया गया, क्लास 5 से 6 1200 से बढ़ाकर 2400 किया गया। क्लास 7-8 का 1800 से बढ़ाकर 3600 और क्लास 9-10 का बढ़ाकर 1800 से बनाकर 3600 किया गया। स्कॉलरशिप के लिए तीन अरब रुपये की स्वीकृति दी गई है। बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान मुंगेर में विभिन्न कोटि के 26 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। पूर्व से 204 पदों के सृजन की स्वीकृति दी जा चुकी है। राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र पटना में विभिन्न कोटि के 45 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। संजय गांधी जैविक उद्यान पटना में वन्य जीवन के प्रबंधन और पर्यटकों के प्रबंधन के साथ-साथ सुचारू संचालन के लिए विभिन्न कोटि के 172 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। वन प्रमंडल के पुनर्गठन के साथ-साथ 9 नए वन प्रमंडलों के सृजन और उसके लिए विभिन्न कोटि के 927 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में विभिन्न कोटि के 78 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। बेगूसराय जिला अंतर्गत सिमरिया धाम का फेज वन के तहत वृहत एवं समग्र विकास के लिए 64 करोड़ 77 लाख 4000 की स्वीकृति दी गई है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर वाराणसी की तर्ज पर विष्णु पद मंदिर गयाजी मंदिर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मुख्य परामर्श के रूप में एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद का मनोनयन के आधार पर चयन हुआ है।

रेल मंत्री और जापान के मंत्री ने सूरत हाई-स्पीड रेल परियोजना स्थल का दौरा किया

एजेंसी
सूरत/मुंबई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थल का दौरा किया। रेल मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे। दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की। हाल ही में रेल मंत्री ने सूरत स्टेशन के पास पहला ट्रैक टर्नआउट इंस्टॉलेशन भी देखा था। इसके बाद दोनों नेता वंदे भारत एक्सप्रेस से सूरत से मुंबई पहुंचे और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में बन रहे भूमिगत बुलेट ट्रेन स्टेशन का जायजा लिया। जापानी मंत्री और उनके दल ने वंदे भारत की गुणवत्ता की सराहना की। बीकेसी स्टेशन की खुदाई 30 मीटर गहराई तक चल रही है, जो लगभग 10 मंजिला इमारत के बराबर है। इसमें प्लेटफॉर्म, कंकॉर्स और सर्विस फ्लोर सहित तीन स्तर होंगे। 84 प्रतिशत खुदाई कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

सितंबर 2025 तक परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। कुल 508 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में से 323 किलोमीटर वायाडक्ट और 399 किलोमीटर पियर कार्य पूरा हो चुका है।

भारत निर्वाचन आयोग का आज फाइनल बिहार दौरा... लगातार बैठकों का दौर

फिर दिल्ली पहुंचकर तीरिखों का ऐलान संभव

पटना (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग का फाइनल बिहार 4 अक्टूबर को होने वाला है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार रात को पटना पहुंचेगी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश्वर कुमार भी शनिवार को पटना आएंगे। 4 और 5 अक्टूबर को आयोग की टीम आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए लगातार बैठकें करेगी। फिर दिल्ली लौटने के बाद किसी भी समय सीईसी ज्ञानेश कुमार के द्वारा बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। नियम के अनुसार चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही बिहार में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होगी।

चुनाव आयोग की बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ 4 अक्टूबर को अहम बैठक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार बैठक पटना के होटल ताज में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार करने वाले है। इसमें मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। हर पार्टी से अधिकतम 3 प्रतिनिधियों को उपस्थित रहने की अनुमति मिलेगी। पत्र में बताया गया कि बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा और आयोग राजनीतिक दलों से सुझाव भी लेगा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे अपने प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध करा दें। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अमित कुमार पांडेय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सीसिस्ट), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जैसे दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

वहीं, पूर्व में मिली जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग की उच्चस्तरीय टीम बिहार दौरे में राज्य में कानून-व्यवस्था एवं चुनाव संबंधी तैयारियों सहित तमाम पहलुओं की समीक्षा करेगी। आयोग की टीम राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सभी केंद्रीय एजेंसियों के राज्य प्रमुख, सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षकों के साथ अलग-अलग बैठक करेगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त के साथ भी अलग से बैठक होगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में प्रतिनिधियों से सलाह एवं सुझाव लिए जाएंगे। 4 और 5 अक्टूबर को अलग-अलग बैठकों में तैयारियों की समीक्षा करने के बाद सीईसी और उनकी टीम दिल्ली वापस लौट जाएगी।

पेसमेकर ट्रांसप्लांट के बाद अस्पताल से घर लौटे मल्लिकार्जुन खड़गे, पीएम मोदी ने फोन कर जाना हालचाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे बहुत जल्द अपनी राजनैतिक गतिविधियां शुरू करने वाले है। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट पर इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से दी गई है। कांग्रेस ने खड़गे की तस्वीर शेयर कर लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को गुरुवार शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वे स्वस्थ हैं और आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बुधवार को बेंगलुरु के निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हुआ। खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे ने इस बारे में बताया है। कर्नाटक सरकार में मंत्री खरगे ने कहा था कि खरगे के लिए पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। इसके पहले खड़गे को मंगलवार को निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया के लिए भर्ती कराया गया था। 2 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने खड़गे के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

देश में अधिकारों और न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया : उद्धव ठाकरे

-सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र की आलोचना

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र की आलोचना की। दशहरा मेला में ठाकरे ने कहा कि देश में अधिकारों और न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया है। ठाकरे ने कहा कि वांगचुक देशद्रोही नहीं है, लेकिन पाकिस्तान में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनपर देशद्रोह का आरोप लगा है। अगर वांगचुक को इसके लिए गिरफ्तार किया जा सकता है, तब नवाज शरीफ से मिलने मोदी जी के जाने के बारे में आप क्या कहेंगे? ठाकरे ने कहा कि वांगचुक का देश के लिए बड़ा योगदान है। उन्होंने लद्दाख में सेना के जवानों के लिए सोलर हीटेड टेंट बनाए। पानी के लिए आइस स्तूप तकनीक विकसित की। अब उन्होंने लद्दाख के लिए आंदोलन शुरू किया, तब सरकार मानने को तैयार नहीं थी। दरअसल, सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत आरोप लगाए गए और उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में 4 लोगों की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ से जुड़े मामले, कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज की

मदुरै (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में करूर भगदड़ से जुड़े मामले की सुनवाई हुई। जहां कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं को खारिज किया। वहीं, अतिरिक्त मुआवजा राशि की मांग वाली याचिका पर स्टालिन सरकार को नोटिस दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कोई पीड़ित नहीं, बल्कि एक पार्टी का नेता है। किसी एक व्यक्ति ने गलती की है, इसका मतलब यह नहीं कि पूरी जांच ही खत्म होगी। उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने अपनी जान गंवा दी। अगर कोई पीड़ित हमारे पास आता है, तब हम उसकी मदद के लिए आएंगे। दरअसल, तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में भगदड़ मची थी। जिसमें 41 लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। इस मामले से जुड़ी 7 जनहित याचिकाएं जस्टिस एम. धंदपानी और जस्टिस एम. जोतिरमन की दशहरा वेकेशन बेंच में लिस्ट की गईं थीं। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस एन सेंथिल वी कुमार ने टीवीके नमक्कल जिला सचिव एन सतीश कुमार की अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी।

इंडिगो चीन के लिए 26 से फिर शुरु करेगा विमान सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर लाइंस की दिग्गज कंपनी इंडिगो एक बार फिर चीन के लिए अपनी विमान सेवा शुरु करने जा रही है। 26 अक्टूबर से यह सेवा कोलकाता से ग्वांगझोउ के बीच डेली नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स शुरु होगी। बता दें कि केंद्र सरकार ने गुरुवार को भारत और चीन के बीच विमान सेवा शुरु करने का ऐलान किया है। रेगुलेटरी मंजूरी मिलने पर दिल्ली से ग्वांगझोउ के बीच भी डायरेक्ट फ्लाइट्स जल्द शुरू की जाएंगी। इन सर्विसेज के लिए इंडिगो अपने एयरबस ए320नेओ विमान का इस्तेमाल करेगी। कंपनी के इस फैसले के साथ 5 साल से भी ज्यादा समय के बाद दोनों देशों के बीच डायरेक्ट हवाई कनेक्टिविटी की वापसी हो रही है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा, हम भारत और चीन के बीच दैनिक, नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स की बहाली की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हम दो शहरों से चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू करने वाली पहली एयरलाइन में शामिल हैं। यह कदम लोगों, व्यापार और विचारों के सहज आदान-प्रदान के साथ-साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को भी सुदृढ़ करेगा। भविष्य में हम चीन के अन्य शहरों के लिए भी डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू करने पर विचार करेंगे।

कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर में शुक्रवार को सीजन की पहली बर्फबारी हुई। गुलमर्ग, सोनमर्ग और गुरेज में पहाड़ों की चोटियां सफेद हो गई हैं। एक तरफ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई, तो श्रीनगर सहित अन्य मैदानी इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में 5-7 अक्टूबर तक भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। हालांकि, इससे पहले ही बर्फबारी और बारिश हो गई। इससे पर्यटकों में उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों के बीच त्योहार जैसा माहौल हो गया है।

दो पोतों की 40 साल की दादी बहुओं के जेवर लेकर प्रेमी संग हुई फरार

झांसी (एजेंसी)। ये बेहद अजीब कहानी यूपी के झांसी जिले से सामने आई है। यहां मऊरानीपुर इलाके में 40 साल की महिला अचानक प्रेमी संग फरार हुई। यह महिला खुद दो बेटों की मां और दो छोटे-छोटे पोतों की दादी है। परिजनों का आरोप है कि जाते-जाते वह घर से बहुओं के जेवर और नकदी भी साथ ले गई। इस घटनाक्रम से पूरा परिवार टूट गया है। महिला का पति कामता प्रसाद ग्राम स्यावरी में रहता है। कामता ने कहा कि करीब ढाई साल पहले वह अपनी पत्नी को लेकर भिंड-मुरैना इलाके के ईंट-भट्टों पर मजदूरी करने गया था। वहीं पत्नी की मुलाकात राठ तहसील के बिहुनी गांव निवासी अमर सिंह प्रजापति से हुई। पहले मुलाकातें सामान्य रहीं, लेकिन धीरे-धीरे दोनों की नजदीकियां बढ़ती चली गईं और यह रिश्ता अवैध संबंध में बदल गया। फरियादी पति कामता का कहना है कि उसने कई बार पत्नी के मोबाइल पर अमर का नंबर देखा। घर की बहुओं को भी पत्नी के व्यवहार पर शक होने लगा। बावजूद इसके वह चोरी-छिपे प्रेमी से मिलती रही।

सीजेआई की माताश्री नहीं आई आरएसएस के झांसे में, वे आंबेडकरवादी: राउत

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर नागपुर में संघ का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समारोह में सीजेआई की मां कमलताई के शामिल नहीं होने को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। अब शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने संघ का न्योता अस्वीकार करने को लेकर सीजेआई की मां की तारीफ की है। साथ ही भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से तुलना भी कर डाली। गवई परिवार ने पहले कहा था कि न्योता स्वीकार कर लिया गया है।

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि कमलताई गवई आंबेडकरवादी हैं और वह संघ के झांसे में नहीं आईं। उन्होंने कहा, संघ के झांसे में नहीं फंसने के लिए मैं कमलताई गवई और उनके परिवार को शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ की तरह व्यवहार नहीं किया। खास बात है कि राउत ने पूर्व सीजेआई के घर पर गणेश पूजा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर सवाल उठाए थे। इस दौरान उन्होंने संघ की भी जमकर आलोचना की। राउत ने कहा, संघ के सांस्कृतिक संगठन है। उनके हिन्दुत्व विचार हैं। हमें इस बात में कोई संदेह नहीं है। एक समय में हमें उनसे हमदर्दी थी। जब भी देश में परेशानी होती है, तो वो शासकों के खिलाफ खड़े नहीं होते। आज डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा गांधी के नाम संघ से जोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन गांधी या डॉक्टर आंबेडकर ने कभी संघ का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा, आज देश की ताकत आरएसएस के हाथों में है। उन्होंने प्रधानमंत्री और कुछ राज्यपाल नियुक्त किए हैं। ऐसे में उनके आंदोलन में सत्ता की चमक है। आरएसएस की शताब्दी वर्ष समारोह में पोस्टल स्टाम्प और सिक्की जारी किया गया, लेकिन स्वतंत्रता संग्राम संघर्ष में आरएसएस का योगदान क्या है। उन्हें एक बार बताना चाहिए।

कांग्रेस की पांच गारंटी योजनाओं के कारण कर्नाटक की वित्तीय स्थिति खराब

पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने लगाए सरकार पर आरोप, पीएम से मिलकर करेंगे मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की ओर से लागू की जा रही पांच गारंटी योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने दावा किया कि कलबुर्गी समेत उत्तरी कर्नाटक के 6 जिलों में गंभीर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए भी धन नहीं है।

जेडीएस प्रमुख ने कहा कि वह एक सप्ताह के अंदर कलबुर्गी और आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जमीनी जायजा भी लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह बाढ़ प्रभावित लोगों की खातिर मुआवजे की मांग करने के लिए पीएम मोदी से मिलेंगे। देवेगौड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के साथ मेरे रिश्ते नहीं बदलेंगे। उनके बारे में कभी बुरा नहीं कहा। देवेगौड़ा ने कहा कि गारंटी योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति बिगड़ गई है। यह मैं नहीं, बल्कि कांग्रेस विधायक ही कह रहे हैं। उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों में भ्रम की स्थिति है। वे कहते हैं कि इतनी गंभीर बाढ़ से निपटने के लिए भी धन नहीं है। पांच गारंटी योजनाओं में गृह ज्योति के तहत हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए दिए जाते हैं। अन्न भाग्य योजना में बीपीएल परिवार के हरेक सदस्य को 10 किलो चावल दिया जाता है। युवा निधि योजना के जरिए बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपए और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए दो साल तक मिलेंगे। शक्ति योजना के जरिए महिलाओं के लिए सरकारी गैर-लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में 'पांच गारंटी' लागू किए जाने से प्रभावशाली बदलाव आए हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले दो सालों में कर्नाटक सरकार की ओर से लागू की गई 5 गारंटी प्रभावशाली और सार्थक बदलाव लाई हैं। चार प्रतिष्ठित शोध और शैक्षणिक संस्थानों के सम्मिलित स्वतंत्र अध्ययन से तैयार नई रिपोर्ट ने इन गारंटियों के नतीजों का मूल्यांकन किया है। शक्ति योजना के तहत 19 फीसदी महिला लाभार्थियों ने बताया कि बसों से मिली गतिशीलता की वजह से उन्हें रोज़गार या बेहतर नौकरी मिली।

वहीं गृह लक्ष्मी योजना के तहत 94 फीसदी महिलाओं ने इस राशि का एक हिस्सा आहार और पोषण को बेहतर बनाने में खर्च किया। 90 फीसदी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर उपयोग किया। करीब 50 फीसदी ने अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया।

लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगा पोस्टर..... भगवान राम की भूमिका में राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित पूरे देश में विजयदशमी का त्यौहार धूमधाम से ~ मनाया गया है। इस मौके रावण दहन भी हुआ है। रावण दहन को लेकर आम लोगों में बहुत क्रेज देखने को मिला। वहीं ऐशबाग रामलीला मैदान से लेकर तमाम जगहों पर रावण दहन किया गया है। वहीं इस मौके पर जगह-जगह पर विजयदशमी से जुड़े कई पोस्टर लगाए गए हैं। इस बीच लखनऊ स्थित कांग्रेस दफ्तर में एक अनोखा पोस्टर लगा है, जो देखते ही देखते चर्चाओं में आ गया है। 10 सिर वाले रावण पर भगवान राम रूपी राहुल गांधी तीर चलाते दिख रहे हैं। दरअसल पोस्टर लखनऊ के मॉल एवेन्यू स्थित कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगा है। इस पोस्टर को कांग्रेस की छात्र विंग एनएसयूआई के नेता आर्यन मिश्रा ने लगवाया है। पोस्टर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भगवान राम की भूमिका में दिखाया गया है। जबकि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लक्ष्मण के रूप में है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि भगवान राम की भूमिका में दिख रहे राहुल गांधी रावण पर तीर चलाते हुए नजर आ रहे हैं।

विदेश जाकर भारत को बदनाम करने की अपनी हरकतों से बाज आएं राहुल गांधी : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नसीहत देकर कहा कि वे विदेश जाकर भारत को बदनाम करने की अपनी हरकतों से बाज आएं। बीजेपी नेता हुसैन ने राहुल गांधी के विदेश में दिए गए भाषण पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। मैं उन्हें सावधान करना चाहता हूं। विपक्ष के नेता और संवैधानिक पद पर होने के नाते उन्हें देश का नाम रोशन करना चाहिए, न कि विदेश में देश की छवि खराब करना। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा, राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र को खतरे में बताते हैं, जबकि भारत का लोकतंत्र कभी खतरे में नहीं रहा। यह केवल तब खतरे में आया था, जब कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के शासनकाल में आपातकाल लगाया था। आज लोकतंत्र मजबूत है और चुनी हुई सरकार सबका साथ, सबका विकास के रास्ते पर देश को आगे लेकर जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए और विदेश में देश को बदनाम करने से बचना चाहिए।

वहीं शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देकर हुसैन ने कहा कि ठाकरे अपनी राजनीतिक हताशा के चलते बेतुके बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे बहुत परेशान हैं। उनके पास कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं बचा है, और वे महाराष्ट्र की राजनीति में हाशिए पर आ चुके हैं। इसलिए वे क्रिकेट का बहाना बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रहे हैं। वे कांग्रेस के इशारे पर हिंदुत्व की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि वे बिहार से अंधकार मिटाएंगे और एनडीए को बाहर करने के बयान, हुसैन ने तंज कसा। उन्होंने कहा, तेजस्वी भी राहुल गांधी की तरह कुछ भी बोल रहे हैं। बिहार में अंधकार मिट चुका है। बिजली 125 यूनिट मुफ्त दी जा रही है। महागठबंधन की महा हार होने वाली है। तेजस्वी की विपक्ष की सीट भी खतरे में है। अब वे चुनाव नजदीक आने पर गांवों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन उनके पोस्ट और बयानबाजी से साफ है कि इस बार बिहार में राजद का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

स्टालिन ने रामनाथपुरम जिले में 738 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया

रामनाथपुरम (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रामनाथपुरम जिले में बीते साढ़े चार वर्षों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा कर 738 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जिले में 3,250 करोड़ रुपए की लागत वाली 46,270 परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं। द्रमुक सरकार जिले के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और कई लाभकारी योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि रामनाथपुरम में 2.36 लाख महिलाओं को महिला अधिकार भत्ता, 8 लाख से अधिक किसानों को सहायता, 83,483 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, 1.85 लाख मछुआरों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, 55,000 छात्रों को नान मुथलवन योजना के तहत प्रशिक्षण, 24,722 मुफ्त आवास पट्टे, 6,000 लोगों के लिए कलाई उदयार योजना के तहत घर और 78,000 आदि द्रविड़ समुदाय के लोगों को सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ मिला है।

शुक्रवार को रामनाथपुरम रेलवे स्टेशन, थंगाचिमदम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन और परमकुडी में सामाजिक न्याय छात्रावास का उद्घाटन किया गया। स्टालिन ने कहा, मैं जितना भी कहूं, नई घोषणाओं के बिना रुक नहीं सकता। मंत्रियों और विधायकों के सुझावों पर मैं रामनाथपुरम के लिए 9 नए विकास कार्यों की घोषणा कर रहा हूं। मुख्यमंत्री के मुताबिक रामनाथपुरम नगरपालिका में राष्ट्रीय राजमार्ग को 30 करोड़ की लागत से 4-लेन से 6-लेन बनाना, 18 करोड़ रुपए से तिरुवदनई के प्रमुख तालाबों का सुधार, कीलाकराई के 6 तालाबों का 4.65 करोड़ रुपए से नवीनीकरण, परमकुडी नगरपालिका के लिए 4.50 करोड़ रुपए से नया कार्यालय भवन, रामनाथपुरम के पुराने बस स्टैंड को आधुनिक व्यावसायिक परिसर में बदलना, रामनाथपुरम राजकीय महिला महाविद्यालय में 10 करोड़ रुपए में सुविधाओं का विस्तार, कीलाकराई में 3 करोड़ रुपए में नया नगरपालिका कार्यालय और 1.5 करोड़ रुपए में आधुनिक मछली बाजार और कामुथी में किसानों के लिए 100 मीट्रिक टन क्षमता वाला 10 करोड़ रुपये का भंडारण गोदाम शामिल है।

ओवैसी भड़के बोले- आई लव मोदी कह सकते हैं, तो आई लव मोहम्मद क्यों नहीं कह सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति करने वालों के लिए कोई कारण नहीं होता। कभी भी किसी भी बहाने सियासत हो सकती है। आई लव मोहम्मद को लेकर भी कुछ इसी तरह की राजनीति हो रही है। अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ये मुद्दा फिर उठा दिया है। उन्होंने कहा है कि इस देश में आई लव मोदी कह सकते हैं तो फिर आई लव मोहम्मद क्यों नहीं कह सकते हैं?

उन्होंने कहा कि मोहम्मद के अलावा कोई और मोहम्मद नाम का नहीं था। अगर आप उनके पोस्टर लगाते हैं तो आपको उनका सम्मान करना होगा। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि वे इतने सारे कानून क्यों बना रहे हैं और यह सब क्या हो रहा है? असम में 3000 मुसलमानों को बेघर कर दिया गया, यह दावा करते हुए कि निर्माण सरकारी जमीन पर था। उन्होंने कहा, संभल मस्जिद को लेकर केस चल रहा है। हमारी मस्जिदें छीनी जा रही हैं। इस देश में कोई आई लव मोदी तो कह सकता है लेकिन आई लव मोहम्मद नहीं कह सकता।

ओवैसी ने कहा- आप इस देश को कहां ले जा रहे हैं? अगर कोई कहता है आई लव मोदी तो मीडिया भी खुश हो जाता है। अगर कोई कहता है आई लव मोहम्मद तो उसका विरोध होने लगता है। उन्होंने कहा कि अगर मैं मुसलमान हूं तो यह मोहम्मद की वजह से है। इसके ऊपर और उससे परे कुछ नहीं है, उन 17 करोड़ भारतीयों के लिए जिन्होंने देश की आजादी में हिस्सा लिया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हम हिंसा की निंदा करते हैं। कुछ वीडियो में पुलिस लाठीचार्ज करते दिख रही है और दुकानदार उन पर फूल बरसा रहे हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि पुलिस केवल सत्ता में बैठे लोगों के प्रति जवाबदेह है और किसी के प्रति नहीं। वे कल आपको मारेंगे जब सत्ता बदल जाएगी।

ओवैसी ने कहा, हमें स्थिति से परेशान नहीं होना चाहिए। हमें धैर्य के साथ इसका सामना करना होगा। हमें कानून के दायरे में रहकर सब कुछ करना चाहिए। कानून को अपने हाथ में न लें। जब आप कानून के दायरे में काम करेंगे तो आपको एहसास होगा कि कानून सिर्फ एक मकड़ी का जाला है और कुछ नहीं। एआईएमआईएम प्रमुख चीफ ने दावा किया कि उनकी जानकारी के अनुसार आरएसएस के गठन के बाद इसके किसी भी सदस्य ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति नहीं दी और न ही जेल गया। ओवैसी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका की सराहना करने के बाद आई है। ओवैसी ने आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार की जीवनी का हवाला देते हुए दावा किया कि हेडगेवार ने 1930 में दांडी मार्च में हिस्सा लिया था और जेल भी गए थे, ताकि स्वतंत्रता सेनानियों को बाद में संघ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर सकें।

दुर्गा या आदिशक्ति हिन्दुओं की प्रमुख देवी मानी जाती हैं: बाबा श्री नागरी दास जी

दुर्गा या आदिशक्ति हिन्दुओं की प्रमुख देवी मानी जाती हैं जिन्हें माता, नवदुर्गा, देवी, शक्ति, आध्या शक्ति, भगवती, माता रानी, पार्वती , जगत जननी जग्दम्बा, परमेश्वरी, परम सनातनी देवी आदि नामों से भी जाना जाता हैं। शाक्त सम्प्रदाय की वह मुख्य देवी हैं। दुर्गा को आदि शक्ति, परम भगवती परब्रह्म बताया गया है। वह अंधकार व अज्ञानता रुपी राक्षसों से रक्षा करने वाली, ममतामई, मोक्ष प्रदायनी तथा कल्याणकारी हैं। उनके बारे में मान्यता है कि वे शान्ति, समृद्धि तथा धर्म पर आघात करने वाली राक्षसी शक्तियों का विनाश करतीं हैं। दुर्गा का निरूपण सिंह पर सवार एक देवी के रूप में की जाती है। दुर्गा देवी आठ भुजाओं से युक्त हैं जिन सभी में कोई न कोई शस्त्रास्त्र होते है। उन्होने महिषासुर नामक असुर का वध किया। महिषासुर (= महिष+असुर=भैंसा जैसा असुर) करतीं हैं। जिन ज्योतिर्लिंगों में देवी दुर्गा की स्थापना रहती है उनको सिद्धपीठ कहते है। वहाँ किये गए सभी संकल्प पूर्ण होते है। माता का दुर्गा देवी नाम दुर्गम नाम के महान दैत्य का वध करने के कारण पड़ा। माता ने शताक्षी स्वरूप धारण किया और उसके बाद शाकंभरी देवी के नाम से विख्यात हुई शाकंभरी देवी ने ही दुर्गमासुर का वध किया। जिसके कारण वे समस्त ब्रह्मांड में दुर्गा देवी के नाम से भी विख्यात हो गई। माता के देश में अनेकों मंदिर हैं कहीं पर महिषासुरमर्दिनि शक्तिपीठ तो कहीं पर कामाख्या देवी। यही देवी कोलकाता में महाकाली के नाम से विख्यात और सहारनपुर के प्राचीन शक्तिपीठ मे शाकम्भरी देवी के रूप

में ये ही पूजी जाती हैं। हिन्दुओं के शक्ति साम्प्रदाय में भगवती दुर्गा को ही दुनिया की पराशक्ति और सर्वोच्च देवता माना जाता है (शाक्त साम्प्रदाय ईश्वर को देवी के रूप में मानता है)। वेदों में तो दुर्गा का व्यापाक उल्लेख है, किन्तु उपनिषद में देवी उमा हैमवती (उमा, हिमालय की पुत्री) का वर्णन है। पुराण में दुर्गा को आदिशक्ति माना गया है। दुर्गा असल में शिव की पत्नी आदिशक्ति का एक रूप हैं, शिव की उस पराशक्ति को प्रधान प्रकृति, गुणवती माया, बुद्धितत्व की जननी तथा विकाररहित बताया गया है। एकांकी (केंद्रित) होने पर भी वह माया शक्ति संयोगवश अनेक हो जाती है। उस आदि शक्ति देवी ने ही सरस्वती(ब्रह्मा जी की पहली पत्नी), लक्ष्मी, और मुख्य रूप से पार्वती(सती) के रूप में जन्म लिया और उसने ब्रह्मा, विष्णु और महेश से विवाह किया था। तीन रूप होकर भी दुर्गा (आदि शक्ति) एक ही है। देवी दुर्गा के स्वयं कई रूप हैं (सावित्री, लक्ष्मी एव पार्वती से अलग)। मुख्य रूप उनका गौरी है, अर्थात शान्तमय, सुन्दर और गोरा रूप। उनका सबसे भयानक रूप काली है, अर्थात काला रूप। विभिन्न रूपों में दुर्गा भारत और नेपाल के कई मन्दिरों और तीर्थस्थानों में पूजी जाती हैं।भगवती दुर्गा की सवारी शेर है। मार्कण्डेय पुराण में ब्रहदेव ने मनुष्य जाति की रक्षा के लिए एक परम गुप्त, परम उपयोगी और मनुष्य का कल्याणकारी देवी कवच एवं व देवी सुक्त बताया है और कहा है कि जो मनुष्य इन उपायों को करेगा, वह इस संसार में सुख भोग कर अन्त समय में बैकुण्ठ को जाएगा। ब्रहदेव ने कहा कि जो मनुष्य दुर्गा सप्तशती का पाठ करेगा उसे सुख मिलेगा। भगवत पुराण के अनुसार माँ जगदम्बा का अवतरण श्रेष्ठ पुरूषो की रक्षा के लिए हुआ है। जबकि श्रीं मद देवीभागवत के अनुसार वेदों और पुराणों कि रक्षा के और दुष्टों के दलन के लिए माँ जगदंबा का अवतरण हुआ है। इसी तरह से ऋग्वेद के अनुसार माँ दुर्गा ही आदि-शक्ति है, उन्ही से सारे विश्व का संचालन होता है और उनके अलावा और कोई अविनाशी नही है। इसीलिए नवरात्रि के दौरान नव दुर्गा के नौ रूपों का ध्यान, उपासना व आराधना की जाती है तथा नवरात्रि के प्रत्येक दिन मां दुर्गा के एक-एक शक्ति रूप का पूजन किया जाता है।

बाबा श्री नागरी दास जी
पीर बिहारी मंदिर दक्षिण काली पीठ
शेरगढ़ जिला-मथुरा (यूपी)

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्महत्या का मामला समझकर 17 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम करवाया।

बरसाती पानी में बहता हुआ युवक नाले में समाया, देर रात तक नहीं चला पता

दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के महरौली थाना इलाके में एक युवक मंगलवार को बरसाती पानी में बह गया और खुले एमसीडी के नाले में बह गया। महरौली थाना, दमकल विभाग व अग्निशमन विभाग ने युवक को तलाश करने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया था। युवक को नाले में लाडो सराय तक तलाश गया। लाडो सराय के पास नाले में आगे लोहे का जाल लगा है। मंगलवार देर रात क युवक महेंद्र उर्फ कालू (33) का पता नहीं लगा था। एजेंसियों को देर रात तक बचाव अभियान जारी था। इस दिल दहला देने वाली घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राजधानी में मंगलवार को पूरे दिन तेज बारिश होती रही। इससे राजधानी में महरौली, बदरपुर फलाईओवर व एमबी रोड पर काफी पानी जमा हो गया था। महरौली में युवक महेंद्र के बरसाती पानी में बहने की घटना दरगाह हजरत ख्वाजा कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के सामने हुई। दुकानदार ने युवक को बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की तेज बहाव की वजह से कामयाब नहीं हो सका। इस घटना का वीडियो दुकानदार सैयद नसरूदीन ने बनाया है। बताया जा रहा दरगाह के पास ऊंचाई है और पानी तेजी से नीचे आता है। महेंद्र मूलरूप से अलीगढ़, यूपी का रहने वाला है। उसके माता-पिता का देहांत हो चुका है।

जेएनयू में वन्यजीवों की देखरेख के लिए सोसाइटी गठित

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में वन्यजीवों की देखरेख के लिए एनिमल वेलफेयर सोसाइटी का गठन किया गया है। जेएनयू प्रशासन का दावा है कि किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय में यह ऐसा पहला वैधानिक निकाय होगा। इस सोसाइटी का गठन जेएनयू कुलगुरु प्रोफेसर शांतिश्री डी. पंडित ने शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुपालन के अनुरूप किया है। जेएनयू प्रशासन के अनुसार इस परिवर्तनकारी बदलाव के लिए जेएनयू कुलपति ने पहल की है। एनिमल वेलफेयर केवल पाठ्यक्रम में नहीं बल्कि कैंपस निवासियों के दैनिक जीवन में भी एकीकृत हो। एनिमल वेलफेयर सोसाइटी को लेकर 26 सितंबर को अधिसूचना जारी की गई। इस सोसाइटी की अध्यक्षता एसोसिएट डीन ऑफ स्टूडेंट प्रोफेसर पीयूष प्रताप सिंह करेंगे जो जेएयनू एनिमल बर्थ कंट्रोल कमेटी के अध्यक्ष है। इस सोसाइटी में फैकल्टी, स्टाफ, छात्र प्रतिनिधि और बाहरी सलाहकार के तौर पर वन्यजीव कल्याण कार्यकर्ता गौरी मौलेखी को भी शामिल किया गया है। प्रोफेसर पीयूष प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जेएनयू में विलुप्त होते वन्यजीवों का संरक्षण करना होगा। इसमें रेप्टाइल, पॉर्क्यूपाइन सहित कई दूसरे वन्यजीव शामिल है। नीलगाय, सियार, लोमड़ी की सुरक्षा के लिए परिसर में फेंसिंग लगाने का कार्य किया जाएगा। जिससे वह परिसर से बाहर न जाएं। सोसाइटी परिसर में फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। प्राथमिक उपचार के लिए टीम उपलब्ध रहेगी। एनिमल वेलफेयर के लिए जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित होंगी। इंटर्नशिप का अवसर दिया जाएगा।

नौ साल पहले हुई पिटाई का बदला कत्ल कर लिया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में शुक्रवार सुबह प्रॉपर्टी डीलर व कांग्रेसी नेता लखपत सिंह कटारिया उर्फ लख्खी की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में एक व्यक्ति व उसके नाबालिग बेटे को पकड़ा है। इनकी पहचान खुशीराम (47) और इसके 17 साल के नाबालिग बेटे के रूप में हुई है। दरअसल, खुशीराम ने नौ साल पहले हुई पिटाई का बदला लेने के लिए योजना बनाकर लखपत सिंह कटारिया की हत्या कर दी। 9 जनवरी 2016 को एक प्लॉट बेचने को लेकर हुए विवाद में लखपत, उनके भाई धर्मेंद्र व अन्यों ने मिलकर खुशीराम की बुरी तरह पिटाई कर दी थी। हाथ-पैर टूटने की वजह से वह 9 माह बिस्तर पर रहा था। तभी से उसने बदला लेने की ठान ली थी। अपनी पिटाई का बदला लेने की नियत से वह शुक्रवार को पिस्टल व क्रिकेट बैट के साथ अपने नाबालिग बेटे के साथ विजय मंडल पार्क पहुंचा। आरोपियों ने पहले लखपत सिंह को बुरी तरह पीटा। बाद में चार गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी। बाद में आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बगैर नंबर प्लेट की बाइक व अन्य सामान बरामद कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ कर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि वारदात वाले दिन खुशीराम के बेटे की उम्र को 18 साल होने में महज एक ही दिन बचा था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि लखपत सिंह कटारिया परिवार के साथ बेगमपुर इलाके में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी वीरमति, बेटा शिवम व एक बेटी है। लखपत कांग्रेस से जुड़े हुए थे। उनका एरिया में प्रॉपर्टी का कारोबार था। रोजाना सुबह के समय वह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से विजय मंडल पार्क में जाते थे। शुक्रवार सुबह वह पार्क में पहुंचे तो दो लोगों ने उनको घेरकर बैट से पिटाई शुरू कर दी। पार्क के गार्ड उनको बचाने आए तो आरोपियों ने उन पर पिस्टल तान दी। बाद में आरोपियों ने लखपत सिंह को चार गोली मार दी। टांग, पेट, गर्दन व सिर में गोली लगने से उनकी मौत हो गई। बाद में आरोपी बाइक पर मौके से फरार हो गए। लखपत सिंह की हत्या के बाद मालवीय नगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। थाना प्रभारी विनय यादव, एटीएस इचार्ज इंस्पेक्टर उमेश यादव और स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर अनुराग तोमर के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया। परिजनों ने रंजिश में उनकी हत्या की आशंका जाहिर की। पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि लखपत सिंह की अपने इलाके में कई लोगों से रंजिश चल रही थी। तीनों टीमों ने हर एक केस की बेहद बारिकी से जांच शुरू की। पार्क के गार्ड व सीसीटीवी फुटेज से यह बात पूरी तरह साफ थी कि वारदात को दो लोगों ने अंजाम दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी की पड़ताल शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपी बगैर नंबर की बाइक पर हेलमेट लगाकर वहां पहुंचे थे। पुलिस ने वारदात के बाद आरोपियों के फरार होने के रूट की पड़ताल की। करीब 55 किलोमीटर में लगे 650 सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल हुई। जांच करते हुए टीम बाहरी दिल्ली औचंदी गांव पहुंच गई। वहां से खुशीराम और उसके बेटे को दबोच लिया गया। खुशीराम के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई गई तो घटना वाले दिन की उसी दौरान उसका मोबाइल फोन बंद आया। आरोपियों से पूछताछ हुई तो खुशीराम ने वारदात में अपना हाथ होने की बात स्वीकार कर ली। उससे पूछताछ के बाद वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली गई। पुलिस पिस्टल बरामद करने का प्रयास कर रही है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी खुशीराम ने बताया कि लखपत सिंह कटारिया परिवार के साथ बेगमपुर इलाके में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी वीरमति, बेटा शिवम व एक बेटी है। लखपत कांग्रेस से जुड़े हुए थे। उनका एरिया में प्रॉपर्टी का कारोबार था। रोजाना सुबह के समय वह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से विजय मंडल पार्क में जाते थे। शुक्रवार सुबह वह पार्क में पहुंचे तो दो बेगमपुर में उसका अपना मकान था। लखपत खुशीराम पर मकान बेचने का दबाव बना रहे थे। मना करने पर लखपत सिंह व उसके भाई धर्मेंद्र ने अपने साथियो के साथ मिलकर खुशीराम की पिटाई कर दी। मामले में खुशीराम की शिकायत पर लखपत के खिलाफ केस दर्ज हो गया। इन लोगों ने अपनी पहुंच का फायदा उठाकर उल्टा खुशीराम व उसके परिवार पर क्रॉस केस दर्ज करा दिया। 9 माह बिस्तर पर रहने के बाद वह अब तक उस केस को लड़ रहा था। इन सब से परेशान होकर उसने खुशीराम की हत्या की साजिश रची। पढ़ाई छोड़ चुके बेटे को उसने लखपत सिंह की हत्या की योजना में शामिल किया। खुशीराम का बेटा 27 सितंबर 2025 को 18 साल का होने वाला था। खुशीराम उससे पहले ही वारदात को अंजाम देकर बेटे को नाबालिग होने का फायदा दिलाना चाहता था। उसने शुक्रवार को ही हत्या करने की योजना बनाई। एक पिस्टल का इंतजाम कर नाबालिग ने कई दिन पार्क की रेकी की। लखपत सिंह के आने-जाने का टाइम देखा गया। वारदात में इस्तेमाल होने वाली बाइक की नंबर प्लेट को हटा दिया गया। घटना वाले पिता-पुत्र हर कीमत पर लखपत सिंह कटारिया को मारने की नियत से पहुंचे थे। वारदात को अंजाम देने के बाद वह सीधे अपने घर पहुंचे। बाद में बाइक की नंबर प्लेट को लगा दिया। पुलिस ने बाइक भी बरामद कर ली है।

NAME CHANGE
I, Manoj Kumar S/o Ram Sewak R/o KUJAJHALI Kaua, Etawah,Kauwa, Uttar Pradesh 206123 have changed the name of my minor daughter SHIKHA YADAV aged 16 years and she shall hereafter be known as ANSHIKA

NAME CHANGE
I, AKSHAY KAINTH S/O OM PRAKASH KAINTH R/O J-8/61, RAJOURI GARDEN, NEW DELHI-110027, declare That in my qualification certificate my name and father's name is mentioned as AKSHAY KUMAR and father's name is OM PRAKASH.That in my all legal documents my name and father's name is mentioned as AKSHAY KAINTH and OM PRAKASH KAINTH.And AKSHAY KUMAR and AKSHAY KAINTH both are one and same person.And OM PRAKASH and OM PRAKASH KAINTH both are one and same person.

NAME CHANGE
I, SHIV RAJ S/O SHANKAR RAJ SOLANKI resident of 16/1530-E BAPA NAGAR ARYA SAMAJ ROAD, KAROL BAGH, Central Delhi, 110005,. have changed my name to SHIV RAJ SOLANKI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHANKAR PALL Father of No-15706874H, Rank-NK, Name-BABALU PALL residing at VILL-KOTWAN, PO-SARAY MOHANA SARNATH VARANASI, UTTAR PRADESH-221007, have changed my name from SHANKAR PALL to SHANKAR PAL for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह कि, **श्री महेश मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से 52 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले मकान के लिए ऋण चाहते हैं, जिसमें खेवट/खाता संख्या 4/4 मुस्तकिल संख्या 228 किला संख्या 13/2(0-16), 14(7-15), 17/4(3-18), 27(0-10) शामिल हैं जो वाका सिवाना मौजा फरुखनगर, तहसील फरुख नगर और जिला गुड़गांव, (हरियाणा) में स्थित है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा; श्री महेश** ने हमें बताया है कि पिछले मालिक **श्री आशुतोष कुमार पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह** ने निम्नलिखित दस्तावेज खो दिए हैं या गलत जगह रख दिए हैं - **बिक्री विलेख 460 दिनांक 25.06.2020 और हस्तांतरण विलेख 805 दिनांक 12.06.2018 एलआर संख्या 132270412501087** के माध्यम से, जो कहीं पता लगाने योग्य नहीं हैं या नहीं मिल सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कानूनी उत्तराधिकारियों, बंधक, उपहार, पट्टे, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या अन्य किसी माध्यम से उपरोक्त दस्तावेजों पर कोई दावा प्राप्त हुआ है या है, या उपरोक्त दस्तावेजों पर कोई आपत्ति है, तो वह प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप से अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। उपरोक्त दस्तावेज ऐसे दावों के लिए अमान्य घोषित किए जाने चाहिए और यदि कोई हो, तो उसे त्याग दिया जाएगा और ऐसा न करने पर, उपरोक्त स्वामियों के साथ बिक्री लेनदेन इस प्रकार पूरा किया जाएगा मानो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई तृतीय पक्ष दावा/आपत्ति/विवाद न हो और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्ति/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।
मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल - 9991119392

NAME CHANGE
I ANAND KUMAR S/O DAYA SINGH R/O 194 KHASRA NO. 11/1, JHANKAR ROAD QUTUB VIHAR PHASE -1 GOYLA DAIRY DELHI -110071, I have changed my name to ANAND KUMAR KATARIA Permanently

NAME CHANGE
I, MEENA W/o Krishan Kumar R/o Flat No.296, Gangotri Apartments, Pocket-1, Phase-1,Sector-12, Dwarka, Delhi-110075, have changed my name to MEENA CHATURVEDI permanently

NAME CHANGE
I Lata Kumari W/O Ram Kumar R/O WZ 154 SHADI KHAM PUR WEST PATEL NAGAR DELHI -110008, I have changed my name to LATA DEVI Permanently

NAME CHANGE
I, Natthan Singh urf Natholi father of Army No 15716848P Nk Birender Singh R/o VPO-ANDHOP Teh - Hathin Distt-Palwal State-Haryana 121106 have changed my name from Natthan Singh to Natthan Singh urf Natholi vide affidavit dated 25/09/2025.

NAME CHANGE
I, Lajja Devi mother of Army No 15716848P Nk Birender Singh R/o VPO-ANDHOP Teh - Hathin Distt-Palwal State-Haryana 121106 have changed my DOB from 12/05 /1961 to 01/01/1953 vide affidavit dated 25/09/2025.

NAME CHANGE
I hitherto known as Babli alias Rajesh Kumari D/O Balbir Singh W/O Dharmbir R/O C-120, PREM NAGAR-II, 70 FEET ROAD KIRARI SULEMAN NAGAR North West Delhi Delhi 110086 have changed my name and shall hereafter be known as BABLI.

NAME CHANGE
I hitherto known as PARAMJEET S/O Jagjit Singh R/O H. NO. 144/13, OPP DC OFFICE, KANJHAWALA, North West Delhi-110081, have changed my name and shall hereafter be known as PARAMJEET DABAS.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vijay Kumar S/O Mahavir Singh, R/O HOUSE NO 195, kamruddin nagar, NANGLOI, West Delhi, Delhi-110041,have changed my name and shall hereafter be known as VIJAY SHOKEEN.

NAME CHANGE
I, Lakhindar Mahaseth S/O Ganishi Mahaseth, R/O 167 D, B 12 sector 34, noida, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor daughter Anjana aged 10 years and she shall hereafter be known as Sanjana.

NAME CHANGE
I, JUNU SHARMA wife of SUDIP CHHETRI residing at KD-17, KOHAT ENCLAVE, PITAMPURA, SARASWATI VIHAR, DELHI-110034 have changed my name to JUNU CHHETRI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MANJU YADAV Wife of No. 14436137F Rank-HAV Name-AVDHESH KUMAR Presently residing at GRAM-BAHADURPUR, MAINPURI, UTTAR PRADESH-205001, have changed my name from MANJU YADAV to MANJU for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMUATI DEVI Mother of No. 14436137F Rank-HAV Name-AVDHESH KUMAR Presently residing at GRAM-BAHADURPUR, MAINPURI, UTTAR PRADESH-205001, have changed my name from RAMUATI DEVI to RAMVATI for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIRENDRA SINGH Father of No. 14436137F Rank-HAV Name-AVDHESH KUMAR Presently residing at GRAM-BAHADURPUR, MAINPURI, UTTAR PRADESH-205001, have changed my name from VIRENDRA SINGH to VEERENDRA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My client Geeta Devi W/O Late Ramesh Kumar R/O House No. 115, Sohti Road, Qutubgarh, Delhi-39 has evicted her son Rohit and daughter-in-law Pooja from all her movable and immovable properties due to their bad behaviour and has severed all ties with them. My client will not be responsible for the transactions, police cases etc. done on this.
Suresh Kumar Advocate.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Pankaj Kumar Verma S/O Rameshwar Dayal Verma, R/O C-54, 4th Floor, Gali No.- 1/4, Police Station Road, VTC: Garhi Mendu, PO: Bhajan Pura, District North East Delhi, Delhi,110053, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Pankaj verma and Vaibhav in my minor son namely Vaibhav Verma aged 16 years in his school record The actual name of mine and my minor son are Pankaj Kumar Verma and Vaibhav Verma which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJIV SHARMA S/O KARAM VEER SHARMA R/O HOUSE NO-X 2 X BLOCK, KRISHANA GALI NO.-5, BRAHAM PURI, NORTH EAST, DELHI-110053, declare that name of mine has been wrongly written as RAJEEV SHARMA in my minor daughter's namely SHIKHA SHARMA aged 15 years in her School Records. The actual name of mine is RAJIV SHARMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DIPALI wife of No-15734942F Rank-L/HAV Name-KOLI VINOD MADHUKAR R/o VILL-DASNUR, PO-DASNUR, TEHSIL-RAVER, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-425506, have changed my name from DIPALI to DIPALI VINOD KOLI for all future purposes vide Affidavit dated 17/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15827957W Rank-SEP Name-ANANDU S PILLAI Father of VEDIK A Permanent address ANANDU BHAVANAM, "KADAPPA" VPO-MYNAGAPPALLY, TEHSASTHAMCOTTA, DIST-KOLLAM, KERALA-690519, have changed my minor son's name from VEDIK A to NIVAN VAIBHAV A for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोनी देवी वर्तमान में प्लॉट संख्या 96, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, जो कि खसरा नंबर 15/13/1 से संबंधित है, स्थित गांव नांगली साकरवती, दिल्ली, कॉलोनी नांगली विहार एक्सटेंशन, नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित संपत्ति की पूर्ण और वास्तविक मालिक हैं। प्रारंभिक राजस्व रिकॉर्ड श्री राजेन्दर सिंह के नाम पर था। उन्होंने उक्त संपत्ति को 13.07.1999 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से श्री सुच्चा सिंह को हस्तांतरित किया। इसके पश्चात संपत्ति का स्वामित्व निम्नलिखित क्रम में स्थानांतरित हुआ- श्री सुच्चा सिंह से श्रीमती बादामी देवी को 04.01.2000 को रजिस्टर्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्रीमती बादामी देवी से श्रीमती रीता शर्मा को 01.06.2001 को रजिस्टर्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्रीमती रीता शर्मा से श्रीमती बिंदु जोसेफ को 27.10.2005 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्रीमती बिंदु जोसेफ से श्री राजेश भाटिया को 28.11.2013 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्री राजेश भाटिया से श्री संजीत कुमार साह को 08.06.2024 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्री संजीत कुमार साह से श्री सरफराज अली को 27.08.2024 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। श्री सरफराज अली से श्री सुंदर लाल को 10.12.2024 को नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल और वसीयत के माध्यम से। अंततः, श्री सुंदर लाल ने उक्त संपत्ति को 24.04.2025 को बिक्री विलेख (सेल डीड) के माध्यम से श्रीमती सोनी देवी को बेच दिया। इस प्रकार, श्रीमती सोनी देवी अब उक्त संपत्ति की पूर्ण और निर्विवाद मालिक हैं, तथा यह संपत्ति किसी भी प्रकार के मुकदमे, ऋण, दावा, या बंधक आदि से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त संपत्ति को आरबीआई बैंक लिमिटेड, शाखा- ओखला, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, SONTOSH DEVI mother of NO-13700651H, Rank-DFR, Name-SONU KUMAR residing at AMBOLI (193), SAHLAWAS, JHAJJAR, HARYANA-124146, have changed my name from SONTOSH DEVI to SANTOSH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/06/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 Vide Affidavit dated 29/08/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I,ARUN KUMAR S/O RAVINDER KUMAR R/O NEAR POST OFFICE,GARHI HARSARU (46), GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO ARUN KUMAR ROHILLA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SHALINI W/O ARUN KUMAR ROHILLA R/O NEAR POST OFFICE,GARHI HARSARU (46), GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO SHALINI ROHILLA FOR ALL FUTURE PURPOSE .

NAME CHANGE
It is for general information that I, VINOD YADAV S/o JAI SHANKAR R/o H.No. B-1/14, Gali No. 8 Suvidha Enclave, Baprola, Bapraula, West Delhi, Delhi-110043, declare that name of my father has been wrongly written as JAI SHANKAR YADAV in my OBC Caste Certificate No. 90500000060074. The actual name of my father is JAI SHANKAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JC-473929H, Rank-NB/SUB Name-RANJIT KUMAR MOHANTY residing at VPO-MANIKAGODA, TEHSIL-BOLGARH, DIST-KHORDHA, ODISHA-752066, have changed my mother's name from LILY MOHANTY to LILI MOHANTY for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 25/05/1964 instead of her correct date of birth as 20/10/1969 vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-473929H, Rank-NB/SUB Name-RANJIT KUMAR MOHANTY residing at VPO-MANIKAGODA, TEHSIL-BOLGARH, DIST-KHORDHA, ODISHA-752066, have changed my father's name from KISHORE MOHANTY to KISHOR MOHANTY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 20/07/1959 instead of his correct date of birth as 05/02/1964 vide Affidavit dated 03/10/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known that my client MRS. HAJARPATI DEVI W/O SH. SHARMA JEET MAHTO AGE ABOUT 55 YEARS, and SHARMA JEET MAHTO age about 64 years. both are R/O PLOT NO-50, ?? NO.64/10, VILLAGE BAPROLA, NANGLI VIHAR EXT. BLOCK C-3, BAPROLA, NEW DELHI -110043., have all relations with disowned/debarred and severed their all relations with their real son namely SH. ANIL age about 33 years and his wife SMT. GEETA MEHTO from all their moveable and immoveable properties/ assets and have cancelled all relations from him/her in future as they are continuously harassing, torturing, abusing and quarreling with my client and are completely out of their control. If anyone deals with them shall be doing at his/her own costs and risks and my client shall not held responsible of any kind of their acts and deeds
ASMA KHATOON ADVOCATE
Seat No.66, Central Hall, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अमित कुमार संपत्ति क्रय करने का इरादा रखते हैं, जो कि संपत्ति संख्या G-1/575 है, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 76/19 से संबंधित है, जो गांव हस्तसाल कॉलोनी, उत्तम नगर, ब्लॉक-G-1, नई दिल्ली-110059 क्षेत्र में स्थित है। यह संपत्ति श्री पंकज कुमार एवं श्रीमती मीनाक्षी से खरीदी जानी है। श्री पंकज कुमार एवं श्रीमती मीनाक्षी ने उक्त संपत्ति श्री राज कुमार से विक्रय विलेख (Sale Deed) दिनांक 04.08.2023 के माध्यम से खरीदी थी, जो दस्तावेज़ संख्या 20103 के रूप में पंजीकृत है। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति के चेन डॉक्यूमेंट्स में से एक मूल दस्तावेज़ गुम हो गया है — विशेष रूप से, रजिस्टर्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (Regd. General Power of Attorney), दस्तावेज़ संख्या 1853, बुक संख्या 4, वॉल्यूम संख्या 9505, पृष्ठ संख्या 173ङ्क174, दिनांक 15.01.2004, जो उप-पंजीयक (Sub-Registrar), दिल्ली के पास पंजीकृत है। इस दस्तावेज़ की गुमशुदगी के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (गुमशुदगी रिपोर्ट संख्या LA No. 3242409/2025) दिनांक 25.09.2025 को थाना अपराध शाखा (Crime Branch), दिल्ली में दर्ज कराई गई है। साथ ही कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान म्मान कैपिटल लिमिटेड, शाखा- जनकपुरी, नई दिल्ली के साथ बंधक की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **महेश, पुत्रः** श्री रतन पाल, **पताः** मकान नं. 967, गली नं. 7, उत्तरांचल कॉलोनी, लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद (उ. प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 552/2020, U/s 394/395/397/412/120B IPC, थानाः विकासपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **महेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **महेश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 552/2020, U/s 394/395/397/412/120B IPC, थानाः विकासपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **महेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री ऋषभ कपूर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 09, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/13001/WD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरविंद कुमार, पुत्रः ब्रह्म सिंह, पताः आरसी-57, गली नं. 4, संगम खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 373/20, U/s 33/58 Excise Act, पुलिस थाना ग्रेटर कैलाश, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अरविंद कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अरविंद कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 373/20, U/s 33/58 Excise Act, पुलिस थाना ग्रेटर कैलाश, दिल्ली** के अभियुक्त **अरविंद कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री देवांशी जनमेजा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नं. 10
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/13320/SD/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

किसानों के धान की समय पर खरीद और उठान सुनिश्चित करे सरकारः सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश की मंडियों में पड़े लाखों टन धान के उठान में देरी और मौसम विभाग की ओर से आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए गहरी चिंता व्यक्त की है। इस समय मंडियों में लगभग चार लाख टन धान खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है, जिस पर बारिश का सीधा असर पड़ सकता है। किसानों की मेहनत और लागत तो छोड़िए जमीन का खर्चा भी कर्जा बनकर किसानों को सता रहा है। कुमारी सैलजा ने मीडिया को जारी एक प्रेस बयान में कहा है कि प्रदेश की मंडियों में अब तक लगभग 5.30 लाख मीट्रिक टन धान पहुँचा है, जिसमें से केवल 3.77 लाख मीट्रिक टन की ही खरीद हुई है। चिंताजनक बात यह है कि खरीदे गए धान का भी केवल 89 हजार मीट्रिक टन ही मंडियों से उठान हो पाया है। इस समय मंडियों में लगभग चार लाख टन धान खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है, जिस पर बारिश का सीधा असर पड़ सकता है। इतना ही नहीं धान में अधिक नमी बताकर किसानों को परेशान किया जा रहा है मजबूरी में किसान ओने पोने दाम में प्राइवेट एजेंसियों को धान बेचकर जा रहे हैं। सांसद ने कहा कि किसानों की मेहनत से उपजा हुआ धान मंडियों में खुले में खराब होने का खतरा झेल रहा है।

वन्य जीव संरक्षण से ही सुरक्षित रहेगा पर्यावरणः राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वतमाला अरावली हमारी धरोहर है। यह केवल पर्वतमाला ही नहीं, बल्कि ऋषि-मुनियों की तपस्थली और जैव विविधता का आधार भी रही है। वे राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह समारोह 2025 को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि रहे।राव नरबीर सिंह ने कहा कि जब तक हमारे वन सुरक्षित रहेंगे, तब तक वन्य जीव-जंतु भी सुरक्षित रहेंगे। जीव-जंतु और पक्षी हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। यदि हम उनकी रक्षा नहीं करेंगे तो पृथ्वी का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसीलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह बेजुबान पशु-पक्षियों की देखभाल करे और वनों की सुरक्षा को अपना संकल्प बनाए। राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन-जन को जागरुक करना है ताकि समाज में यह संदेश पहुंचे कि वन्य जीवों की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर व्यक्ति को योगदान देना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ केवल लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी पांच साल तक एक बच्चे की तरह देखभाल करना भी जरूरी है। जब पेड़ बड़े होंगे तो वे पशु-पक्षियों के लिए आश्रय स्थल बनेंगे और प्रकृति का संतुलन भी ठीक रहेगा।

डा. हेडगेवार को भारत रत्न देने की मांग पर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

रेवाड़ी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ.बलिराम हेडगेवार को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग को लेकर गुरूवार को रेवाड़ी के स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को एक अनुशासित संगठन बताते हुए लिखा है कि डॉ हेडगेवार को भारत रत्न से अलंकृत करने से देश के लाखों स्वयंसेवकों का सम्मान होगा। स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री से चिट्ठी में निवेदन किया है कि स्वयंसेवक आशा करते हैं कि इस निवेदन पर आप गंभीरता से विचार करेंगे और निकट भविष्य में यह सपना साकार होगा। उन्होंने कहा है कि डॉ हेडगेवार का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सेवा और संगठन को समर्पित रहा है। उनका उद्देश्य केवल एक संगठन खड़ा करना नहीं था, बल्कि उस संगठन के माध्यम से राष्ट्र के हर नागरिक में अनुशासन, निष्ठा और त्याग की भावना जागृत करना था। आज यह सर्वविदित है कि आरएसएस के लाखों स्वयंसेवक देश के कोने-कोने में समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक आपदा राहत और सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं। यह सब डॉ हेडगेवार की सोच और संकल्प का ही परिणाम है।

सरकार जन कल्याण को समर्पितः ओम प्रकाश यादव

नारनौल। नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गतिशील नेतृत्व में हरियाणा सरकार अंत्योदय के मूल मंत्र पर काम कर रही है। सरकार हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी सहायता पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचा रही है। यह सरकार निरंतर जन कल्याण को समर्पित है। विधायक गुरूवार को सेवा पर्व के तहत पंचायत भवन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार लगातार जनकल्याण के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में हर वर्ग का सांझा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना लागू करके महिला सशक्तिकरण की दिशा में बहुत बड़ा कदम उठाया है।

स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए जन भागीदारी जरूरी : पंडित मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गांधी जयंती के अवसर पर सोनीपत में गांधी चौक पर स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ-सफाई की और झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया।

बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा पखवाड़ा' अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में मेयर राजीव जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि स्वच्छता का अभियान तभी सफल होगा जब इसमें जन भागीदारी होगी। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि सभी लोग अपने आस-पास सफाई पर ध्यान दें और स्वच्छ हरियाणा की दिशा में किये जा

रहे प्रयासों को गति देने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अब एक आदत और संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है। यही भावना आने वाले वर्षों में भारत को न केवल स्वच्छ बनाएगी, बल्कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को भी मज़बूत आधार देगी। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। स्वच्छ भारत मिशन का मकसद सड़कें या नालियां साफ करने तक नहीं, बल्कि आदतों का बदलने और सोच को नया रूप देने की दिशा में अहम कदम है। बड़ौली ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए अपना योगदान दें। संघ के 100 साल पूरे होने पर विजयी दशमी के दिन सोनीपत में पथ संचलन में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली अपने पौत्र वीर कौशिक के साथ सम्मिलत हुए। उन्होंने कहा कि आज का दिन मेरे लिए एक गर्व और संस्कार से भरा हुआ है। बड़ौली ने कहा कि यह केवल एक उपस्थिति नहीं थी, बल्कि यह उस परंपरा, उन मूल्यों और विचारों की प्रतीक है जिन्हें संघ वर्षों से संजोए हुए है और जो अब हमारे परिवारों के माध्यम से अगली पीढ़ियों में हस्तांतरित हो रही है।

गुरुग्राम के बिनौला में कपड़ों के वेयरहाउस में भीषण आग

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे-48 स्थित बिनौला गांव के पास कपड़ों के एक वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। कई किलोमीटर तक आग के बीच से धुआं निकलता नजर आया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझानी शुरू की।

समाचार लिखे जाने तक आग बुझायी जा रही थी। जानकारी के अनुसार दमकल विभाग को सुबह करीब नौ बजे बिनौला गांव के पास फैलकॉन अपैरल्स कंपनी के कपड़ों के एक वेयरहाउस में आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई और विकराल रूप धारण कर लिया। जिस वेयर हाउस में यह आग लगी, उसमें यह वेयर हाउस एक प्रमुख टेक्सटाइल कंपनी का है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या इलेक्ट्रिकल खराबी माना जा रहा है। वेयर हाउस कर्मचारियों की ओर से आग की सूचना तुरंत ही दमकल विभाग को दी गई। मानेसर से फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग का विकराल रूप देखते हुए मानेसर के अलावा गुरुग्राम, पटौदी व अन्य आसपास के फायर स्टेशनों को सूचना देकर गाड़ियां मंगवाई गई। दमकल विभाग के कर्मचारी कड़ी मशक्कत से आग बुझाने में जुटे रहे। आग की इस घटना से बिनौला में अन्य वेयरहाउस व फैक्ट्रियों को अलर्ट कर दिया गया। सभी को सुरक्षा उपाय के निर्देश दिए गए। फायर ब्रिगेड अधिकारी नरेंद्र के मुताबिक सुबह करीब 9 बजे आग लगने की कॉल फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम में मिली थी। कुछ ही देर में मानेसर से आग बुझाने के लिए गाडियां मौके पर पहुंचीं। विभाग के कर्मचारी आग बुझाने के काम में जुटे हैं।

यूनिवर्सिटी के अनुबंध शिक्षकों को भी मिले नौकरी में सुरक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा यूनिवर्सिटी कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स एसोसिएशन (हुक्टा) ने नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। उनके सामने मांग रखी गई कि सरकारी विश्वविद्यालयों में वर्षों से कार्यरत लगभग 1400 अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों की सेवा-सुरक्षा का कानून आगामी शीतकालीन सत्र में पारित किया जाए।

एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विजय मलिक और डॉ. कर्मवती यादव ने संयुक्त बयान में कहा कि सेवा-सुरक्षा कानून का मसला पिछले साल शीतकालीन सत्र से लंबित है। मुख्यमंत्री ने तब जॉब सिक्योरिटी का वायदा किया था, लेकिन अभी तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। यह मामला शिक्षा विभाग की फाइल संख्या 18/197-2023 यूएनपी (1) से संबंधित है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उच्च स्तरीय कमेटी की

रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेजी जा चुकी है। साथ ही, प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से कुलसचिवों द्वारा मांगी गई जानकारी भी विभाग को भेज दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालयों से संबंधित सभी जानकारियां शिक्षा विभाग ने प्राप्त कर ली हैं और अब जल्द ही अनुबंधित शिक्षकों को सेवा-सुरक्षा प्रदान कर रोजगार की गारंटी दी जाएगी।इस अवसर पर एमडीयू रोहतक से पुलकित, डॉ रवीश, डॉ विश्वास मलिक, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां से डॉ विजय मलिक, डॉ अमित, संदीप और आइजीयू रेवाड़ी से डॉ कर्मवती सहित कई अनुबंधित शिक्षक उपस्थित रहे।

हिसार के प्रो. मनोज कुमार ने 6387 मी. ऊंची ब्लैक पीक पर फहराया तिरंगा, रचा इतिहास

एजेंसी

हिसार। राजगढ़ रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही और सहायक प्राध्यापक प्रो. मनोज कुमार ने उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय में स्थित 6387 मीटर ऊंची ब्लैक पिक (लोकप्रिय नाम काला नाग) पर भारतीय तिरंगा फहराकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रो. मनोज के अनुसार यह उपलब्धि उन्हें विश्व के पहले भूगोल विषय के प्राध्यापक का दर्जा दिलाती है, जिन्होंने इस शिखर पर तिरंगा लहराया। इस साहसिक अभियान में प्रो. मनोज ने माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तापमान, तेज बर्फीली हवाएं, कम ऑक्सीजन और सैकड़ों खतरनाक क्रेवास जैसी परिस्थितियों को मात देते हुए शिखर पर विजय प्राप्त की। इस सीजन की ब्लैक पिक पर यह पहली सफल चढ़ाई रही और इस दौरान किसी अन्य टीम या सदस्य को इस शिखर तक पहुंचने में सफलता नहीं मिली। यह अभियान गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार तथा राजकीय महाविद्यालय, हिसार के संयुक्त

तत्वावधान में आयोजित हुआ। महाविद्यालय की ओर से प्रो. मनोज कुमार और विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. संजीव असीम तथा राजेश कुमार इस अभियान के मुख्य सदस्य रहे। इस तरह का यह विश्व का पहला संयुक्त सफल अभियान था। प्रो. मनोज कुमार एक प्रशिक्षित अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही हैं। इन्होंने जवाहर इंस्टिट्यूट ऑफ़ माउंटेनिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स से बेसिक एवं एडवांस्ड माउंटेनियरिंग कोर्स पूरे किए हैं। भविष्य के लक्ष्यों के संबंध में प्रो. मनोज ने कहा कि उनका सपना है कि वे सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर भारतीय ध्वज फहराएं। इसके लिए वे स्पॉन्सरशिप और सरकारी सहयोग की प्रतीक्षा कर रहे हैं ताकि आने वाले अभियानों को और योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया जा सके।

वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी से बनेगा विकसित भारत : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। विकसित भारत का मार्ग वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी से होकर जाता है। उन्होंने यह बात फरीदाबाद के सूरजकुंड में दिवाली मेला का शुभारंभ करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। नायब सिंह सैनी ने विजय दशमी की बधाई देते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। उन्होंने कहा कि इस बार दिवाली मेला का थीम आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला और वी यूनाइट फैमिलीज है। जिस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन को स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली, वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से शक्ति मिलेगी। इतिहास से पता चलता है कि जब भारत को सोने की चिडि़या कहा जाता

था, उस काल की समृद्धि में स्वदेशी का बड़ा योगदान था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर तक चलने वाला यह मेला उत्सव एवं मनोरंजन के साथ-साथ स्थानीय व्यापार, संस्कृति और कला को बढ़ावा देने का एक सशक्त मंच है। स्वदेशी का उत्सव दिवाली मेला देश के शिल्पकारों का मनोबल भी बढ़ाता है। उन्होंने मेला में पहले ही दिन पहुंचे लोगों से कहा कि आप यहां से सामान खरीदेंगे तो न केवल शिल्पकारों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि देश आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ेगा। स्वदेशी के संकल्प को जन आंदोलन बनाने के लिए देश भर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलाया जा रहा है जोकि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि दिवाली मेला में प्रदर्शित की गई कलाकृतियां, उत्पाद, गीत व संगीत लघु भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। साथ ही कल्चर जोन में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक देखने को मिलती है। यह मेला ग्रामीण उत्पादकों को शहरी उपभोक्ताओं की पसंद को जानने का भी अवसर प्रदान करता है। उन्होंने मेला के आयोजन के लिए पर्यटन विभाग, शिल्पकारों, गीत-संगीत के दलों की प्रशंसा भी की।सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिवाली मेला के शुभारंभ अवसर पर कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने में स्वदेशी उत्पादों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है।

पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से की मुलाकात

एजेंसी

सिरसा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने शिष्टाचार भेंट की। पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल पुत्र भाजपा नेता मनीष सिंगला ने मीडिया को जारी प्रेस बयान में बताया कि देश की राजधानी में यह मुलाकात न केवल औपचारिक थी, बल्कि दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच पुरानी यादों और अनुभवों को ताजा करने का एक गर्मजोशी भरा अवसर भी बनी। मनीष सिंगला ने बताया कि यह बैठक व्यक्तिगत सौहार्द और सम्मान पर केंद्रित रही, जहां दोनों नेताओं ने अपने-अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभवों और साझा किए गए पूर्व क्षणों को याद किया।

मुलाकात के दौरान दोनों ने देश की वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक स्थिति के विभिन्न पहलुओं पर भी अनौपचारिक चर्चा की। मनीष सिंगला ने कहा कि अर्जुन राम मेघवाल विधि एवं न्याय मंत्री के रूप में देश में कानूनी सुधारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात उनके आपसी सम्मान और भारतीय राजनीति में स्थापित स्वस्थ परंपराओं को दर्शाती है, जहाँ व्यस्त आधिकारिक दायित्वों के बीच भी व्यक्तिगत और पुरानी स्मृतियों को तवज्जो दी जाती है। इस भेंट ने पुरानी दोस्ती और सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया।

यान में हर रविवार एक घंटा योगदान दें गुरुग्रामवासीः भूपेंद्र यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह समारोह 2025 की शुरुआत हुई। वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता सुरक्षा और पर्यावरण जागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय कार्यक्रम मानेसर स्थित अरावली क्षेत्र में राम मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अध्यक्षता हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने की। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने समारोह में अपने संबोधन में गुरुग्रामवासियों से आह्वान किया कि वे हर रविवार सुबह कम से कम एक घंटे अपने समय का योगदान अरावली के ग्रीन अरावली अभियान में दें। उन्होंने कहा कि इस छोटे प्रयास से पूरे शहर में हरियाली बढ़ाने, प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक इस अभियान में नियमित रूप से

भागीदारी निभाए तो गुरुग्राम न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक हरा-भरा, स्वच्छ और विकसित शहर बनने की दिशा में अग्रसर होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, मोहल्लों और स्कूलों के आस-पास के खाली स्थानों में पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वृक्षारोपण का कार्य नहीं है, बल्कि समाज और प्रकृति के बीच एक मजबूत जुड़ाव और जिम्मेदारी का संदेश भी है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के नागरिक सामूहिक रूप से इस अभियान में भाग लेंगे, तो यह शहर भारत का मॉडल शहर बनकर उभरेगा, जहां हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा का आदर्श स्थापित होगा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि यह प्रयास केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छ जीवन सुनिश्चित करने का माध्यम बने। कार्यक्रम के दौरान मानेसर स्थित शनि मंदिर परिसर में अरावली स्पीशीज नर्सरी का शिलान्यास भी किया गया। यह नर्सरी अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थानीय प्रजातियों के पौधों और वृक्षों की पैदावार, संरक्षण और पुनर्रोपण के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगी। यहां उगाए गए पौधे ग्रीन अरावली अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। जिससे न केवल हरा-भरा वातावरण बनेगा, बल्कि वन्य जीवों के लिए आश्रय और जैव विविधता का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

औमप्रकाश धनखड़ ने एमएसपी बढ़ोतरी पर जताया पीएम नरेंद्र मोदी और कृषि मंत्री शिवराज चौहान का आभार

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रबी सीजन की बिजाई शुरू होने से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर देशभर के किसानों को दिवाली का तोहफा दिया है। बिजाई सीजन से पहले एमएसपी घोषित होने से किसान भाई अपनी सुविधा और फायदे के अनुसार रबी की फसल की बिजाई कर सकेंगे । भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने रबी की फसलों के भाव बढ़ाने पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया। धनखड़ ने कहा कि इनकम में 12 लाख रुपए तक छूट का उत्सव , फिर जीएसटी सुधार से बचत उत्सव और अब किसानों को तोहफा। पीएम मोदी के निर्णयों से देश में त्योहारी सीजन से पहले ही उत्सव का माहौल बन गया है।

सेवा पखवाड़े में आम जनता के हित में किए सराहनीय कार्य : आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से शुरू होकर गांधी जयंती तक चले सेवा पखवाड़े के दौरान पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मेहनत से जरूरतमंद जनता के लिए जो-जो सेवा कार्य किए हैं, वे सराहनीय है। इससे जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं, मेडिकल कैंप व अन्य सुविधाए दी गई है और ऐसा करना हमारा कर्तव्य भी है। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने गुरुवार को सेवा पखवाड़े के अंतिम दिन हिसार अर्बन मंडल के तहत गंगा अस्पताल में आयोजित चिकित्सा शिविर के दौरान उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान की गई सेवा सराहनीय है, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दिन रात एक करके इसे सफल बनाया और आम जनता के हित में अनेक कार्य किए। मेडिकल कैंप व सफाई अभियान ऐसा कार्य है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है। सफाई को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए क्योंकि अपने आसपास साफ सफाई होना बहुत जरूरी है। मीडिया प्रभारी

राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि गंगा अस्पताल में आयोजित चिकित्सा शिविर का शुभारंभ जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने किया जबकि संयोजन जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी ने किया। शिविर में ऑडियो (सुनने की क्षमता) की जांच, नसों की जांच, दांतों की जांच व हड्डी, जोड़ व नसों से संबंधित परामर्श मुफ्त में दिया गया।

NAME CHANGE

I hitherto known as VIJAY BAHADUR S/o VANSH BAHADUR SINGH, R/o Ward No. 26, Prem Nagar, Balaghat, PO: Balaghat, Dist: Balaghat, Madhya Pradesh-481001, have changed my name and shall hereafter be known as JANG BAHADUR SINGH, for all future purposes.

रबी फसलों के एमएसपी में हुई ऐतिहासिक बढ़ोतरी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल को रबी सीजन 2026-27 के लिए सभी अधिसूचित फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में ऐतिहासिक बढ़ोतरी के लिए बधाई दी। उन्होंने इसे ऐतिहासिक और किसान हितैषी कदम बताते हुए कहा कि यह बढ़ोतरी न केवल लाखों किसानों की आजीविका सुनिश्चित करेगी बल्कि हाल ही में अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय कृषि निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का भी सशक्त जवाब है। राणा ने कहा कि इससे किसानों को लाभकारी मूल्य, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा, घरेलू खपत में वृद्धि और वैश्विक व्यापार में भारत की मजबूती सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला 2018-19 के केंद्रीय बजट में किए गए उस वादे को पुनः पुष्ट करता है जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय उत्पादन लागत के औसत से कम से कम 1.5 गुना तय करने का लक्ष्य रखा गया था। कृषि मंत्री ने बताया कि गेहूं की नई एमएसपी 2585 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें 160 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, जौ की एमएसपी 2150 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें 170 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, चना की एमएसपी 5875 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें 225 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, मसूर की एमएसपी 7000 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें 300 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, सरसों/तोरी की एमएसपी 6200 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें 250 रुपए की बढ़ोतरी हुई है और सूरजमुखी की एमएसपी 6540 रुपए प्रति क्विंटल हुई है जिसमें सबसे अधिक 600 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इन दरों में उत्पादन लागत, श्रम, खाद-बीज और पारिवारिक श्रम सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने इसे किसानों की आमदनी बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में वित्तीय प्रोत्साहन सुनिश्चित करने वाला निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को जीएसटी कटौतियों और लॉजिस्टिक्स खर्च के बावजूद शुद्ध लाभ मिलेगा और यह कदम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

रिटर्न के मामले में शेयर बाजार से आगे निकला सोना, सोने की मदद से निवेशक हुए अमीर

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोना लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रहा है। खासकर साल 2025 में सोने की कीमत में जिस तरह तेजी का रुख बना है, उससे निवेशकों की कमाई में जमकर इजाफा हुआ है। सोने से मिलने वाले रिटर्न कि अगर स्टॉक मार्केट से मिलने वाले रिटर्न से तुलना करें, तो पिछले 5 साल की अवधि में इसने शेयर बाजार को भी पीछे छोड़ दिया हैसोने से मिलने वाले रिटर्न की बात करें तो पिछले 5 साल की अवधि में इसकी कीमत में 200 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। इस तरह इस अवधि में सोना ने निवेशकों को करीब 24 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) के हिसाब से मुनाफा कराया है। दूसरी ओर, स्टॉक मार्केट स्टॉक मार्केट से मिलने वाले रिटर्न की ओर बात करें तो इस अवधि में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने निवेशकों को 17 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) के हिसाब से मुनाफा कराया है। 5 साल पहले 2020 में सोने की कीमत 39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो अब 1,17,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर चुकी है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण अब लोगों के उस नजरिये में भी बदलाव होना शुरू हो गया है, जिसमें सोना को सेफ इन्वेस्टमेंट तो माना जाता था।

विनट्रैक इंक के आरोपों की जांच करेगा केंद्रीय राजस्व विभाग: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चेन्नई की लॉजिस्टिक कंपनी विनट्रैक इंक के सीमा-शुल्क अधिकारियों पर लगाए आरोपों की जांच के आदेश दे दिए हैं। कंपनी के आरोपों की गहन जांच करने के लिए राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि चेन्नई सीमा शुल्क के खिलाफ विट्रैक इंक के आरोपों की जांच के आदेश दिए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि विनट्रैक इंक की तरफ से लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की गहन जांच के लिए राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया गया है। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि सरकार ने मेसर्स विट्रैक इंक (चेन्नई) द्वारा उठाए गए मामले का संज्ञान लिया है। वित्?त मंत्रालय ने राजस्व विभाग (डीओआर) को वर्तमान मुद्दे की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्य पर आधारित जांच करने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने बताया कि राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को विस्तृत तथ्यात्मक जांच करने, इससे संबंधित पक्षों और अधिकारियों की सुनवाई करने और सभी प्रासंगिक दस्तावेजी साक्ष्यों की गहन जांच करने के लिए नियुक्त किया गया है। वित्?त मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने और व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करदाता चार्टर को अपनाना, फेसलेस सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की शुरुआत और विवाद समाधान के लिए अपीलीय निकायों की स्थापना जैसी करदाता-अनुकूल पहलों की एक श्रृंखला लागू की है।

गोयल ने एयरबस के साथ की विमानन क्षेत्र में निवेश पर चर्चा

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय विमानन निर्माता एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन के साथ भारत के विमानन क्षेत्र में अवसरों और वैश्विक एयरोस्पेस कंपनी के साथ सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर कहा कि अध्यक्ष रेने ओबरमैन के नेतृत्व में एयरबस बोर्ड का भारत में स्वागत किया।इस दौरान भारत में अपार अवसरों और एयरबस तथा भारत के विमानन क्षेत्र के बीच मजबूत, बढ़ती साझेदारी पर आकर्षक चर्चा हुई। गोयल ने एयरबस को भारत में सहयोग बढ़ाने और निवेश बढ़ाने की उनकी योजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आगे कहा कि यह भारत के एयरोस्पेस क्षेत्र की ताकत और क्षमता का प्रमाण है, जो वैश्विक रुचि को आकर्षित रहा है। इस चर्चा को भारत के विमानन उद्योग को और मजबूत करने तथा एयरोस्पेस नवाचार एवं विनिर्माण के केंद्र के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले साल एयर इंडिया ने 100 और एयरबस विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था, जिसमें 10 वाइडबॉडी ए350 और 90 नैरोबॉडी ए320 परिवार के विमान शामिल थे, जिनमें ए321ट्टम्ब भी शामिल था। 2023 में इंडिगो के बोर्ड ने 500 एयरबस ए320 परिवार के विमानों का भी ऑर्डर दिया, जो इसके इतिहास का सबसे बड़ा ऑर्डर था।

गांधी जयंती, दशहरा पर बंद रहा शेयर बाजार, अब होगा कारोबार

मुंबई। गांधी जयंती और दशहरा के मौके पर हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर, विदेशी मुद्रा, सर्राफा और जिंस बाजार बंद रहा। इसके साथ ही देश के निजी और सरकारी क्षेत्र के बैंक बंद रहे। हालांकि, 03 अक्टूबर से शेयर बाजार में सामान्य तौर पर कारोबार शुरू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में आज इक्विटी सेगमेंट, डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट तीनों बंद रहे। साथ ही करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं हुई। कमोडिटी मार्केट भी सुबह और शाम दोनों सेशन के लिए बंद रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार नहीं हुआ। इसके अलावा शेयर बाजार में साप्ताहिक अवकाश होने की वजह से शनिवार और रविवार को बंद रहेगा। शेयर बाजार में अगला अवकाश 21 अक्टूबर को दीपावली पर्व पर होगा। 22 अक्टूबर को प्रतिपदा और फिर 05 नवंबर को गुरुनानक जयंती पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा।

रबी फसलों की एमएसवैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन भी चुनौती: सीतारम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही है, तब भारत की बाहरी झटकों को झेलने की क्षमता मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश को केवल वैश्विक अनिश्चितताओं से नहीं, बल्कि व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन से भी निपटना है। वित्त मंत्री ने यहां आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच टैरिफ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रहे हैं, जबकि भारत 8 फीसदी सकल घरेलू उत्?पाद (जीडीपी) वृद्धि की आकांक्षा रखता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अवसर दिखने लगे हैं; पूंजीगत व्यय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता कायम है। भारत में निजी क्षेत्र के निवेश के लिए

अवसर दिखने लगे हैं, खासकर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमें 8 फीसदी जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भरता के जरिए विकसित भारत बनने का मतलब यह नहीं है कि हम एक बंद अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। हम अभूतपूर्व वैश्विक अस्थिरता के दौर में हैं। हालांकि, भारत में बाहरी झटकों को झेलने की मजबूत क्षमता है। सीतारमण ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 8 फीसदी की विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चल रही वैश्विक उथल-पुथल का भारत की जीडीपी पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। इस अवसर पर 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की विशेष सलाहकार एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार और बहुपक्षीय सहयोग मारी एल्का पंगेस्टू और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस के अध्यक्ष एवं कुलपति लैरी क्रेमर उपस्थित थे।

रुपये की मजबूती के लिए एक्टिव हुआ रिजर्व बैंक, डॉलर पर घटाई जाएगी निर्भरता

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर की तुलना में रुपये की लगातार बढ़ रही कमजोरी के सिलसिले पर रोक लगाने, रुपये की स्थिति में सुधार लाने, रिजनल ट्रेडिंग में डॉलर पर निर्भरता कम करने और वैश्विक बाजार में डॉलर की जगह रुपये की स्थिति मजबूत करने के लिए अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्टिव हो गया है। डॉलर के साथ ही दुनिया की दूसरी प्रमुख अंतराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में रुपये की पकड़ को मजबूत बनाने के लिए रिजर्व बैंक एक साथ तीन उपायों पर काम शुरू करने जा रहा है। इन उपायों का उद्देश्य रीजनल ट्रेडिंग में डॉलर की निर्भरता को न्यूनतम करना (इनडायरेक्ट डीडॉलराइजेशन) और भुगतान माध्यम के रूप में रुपये को एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करना है। रिजर्व बैंक ने एफबीआईएल (फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया लिमिटेड) की बेंचमार्क लिस्ट में दुनिया की कुछ अन्य मुद्राओं को भी शामिल करने का फैसला किया है, जिससे भारतीय बैंक विदेशी मुद्रा जोड़ी (करेंसी पेयर्स) को सीधे कोट कर सकेंगे। ऐसा होने से डॉलर पर निर्भरता कम हो सकेगी, क्योंकि डॉलर के जरिए व्यापार होने पर भुगतान के दौरान होने वाले दोहरे रूपांतरण की वजह से लागत बढ़ने की समस्या भी कम हो पाएगी। भारतीय कंपनियां कई देशों में सीधे रुपये का लेनदेन करके कारोबार कर पाएंगी, जिससे कंपनियों की लागत भी घटेगी और भुगतान प्रक्रिया भी आसान हो सकेगी। ऐसा होने से रुपये को क्षेत्रीय स्तर पर मजबूती भी मिल सकेगी। इसी तरह भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट्स (एसआरवीए) के तहत जमा राशि को कॉरपोरेट बॉन्ड्स या कॉमर्शियल पेपर्स में इन्वेस्ट करने की अनुमति भी दे दी है। इस तरह से विदेशी निवेशकों को कॉरपोरेट बॉन्ड्स और कॉमर्शियल पेपर्स में इन्वेस्टमेंट करने के लिए अधिक विकल्प मिल पाएगा।

मजबूत शुरुआत के बावजूद जिनकुशल इंडस्ट्रीज ने किया निराश, बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन मशीनरी का निर्यात करने वाली कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। हालांकि लिस्टिंग के बाद कुछ देर तक उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कंपनी के शेयर गिर कर लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 121 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 126.95 रुपये के स्तर तक पहुंचे, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर कंपनी के शेयर गिरकर 118.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.86 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जिनकुशल इंडस्ट्रीज का 116.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 65.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 146.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 86,40,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 9,59,548 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में तेजी का सिलसिला लगातार जारी है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,18,680 रुपये से लेकर 1,18,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,08,790 रुपये से लेकर 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,53,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,18,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,18,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,18,730 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना

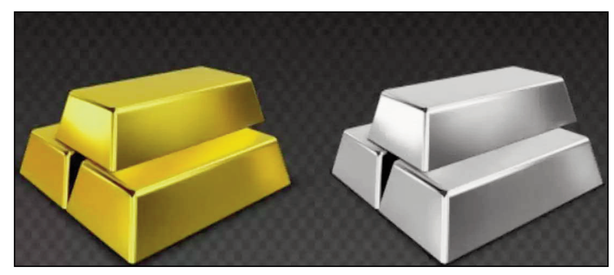

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,08,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,18,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,18,680 रुपये आज 1,18,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,18,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,08,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बायोफ्यूल बनाने वाली कंपनी ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 496 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.88 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 550 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 545.40 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी आ गई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 532.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी का 839.28 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 75.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी)

के लिए रिजर्व पोर्शन 165.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 103.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 11.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 750 करोड़ रुपये के 1,51,20,967 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 89.28 करोड़ रुपये के 18 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने एथेनॉल प्लांट में मल्टी फीड स्टॉक ऑपरेशंस सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 2023-24 की आय 1,280.19 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ कर 1,968.53 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह कंपनी का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 361 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 146.64 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 31.81 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंटरेस्ट, टैक्सेज, डिप्रिशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 309.14 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

इंडिगो 26 अक्टूबर से फिर से शुरू करेगी कोलकाता-गुआंगझोउ उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच फिर से सीधी हवाई सेवा शुरू होने वाली हैं। केंद्र सरकार ने इसकी घोषणा की है, ये उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत तक शुरू हो सकती है। वहीं, विमानन कंपनी इंडिगो ने चीन के ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। इंडिगो ने जारी एक बयान में कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता चीन के ग्वांगझू के लिए उड़ानें फिर शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा, 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता से ग्वांगझू (इइ) को जोड़ने वाली मुख्यभूमि चीन के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें फिर से शुरू होंगी। एयरलाइंस ने बताया कि नियामक अनुमोदन के अधीन, इंडिगो जल्द ही दिल्ली और ग्वांगझू के बीच अपनी सीधी उड़ानें भी शुरू करेगी। इन उड़ानों के संचालन के लिए इंडिगो अपने एयरबस ए320ट्टम्ब विमान का उपयोग करेगी, जिससे सीमा पार व्यापार और रणनीतिक व्यावसायिक साझेदारियों के अवसर फिर से स्थापित

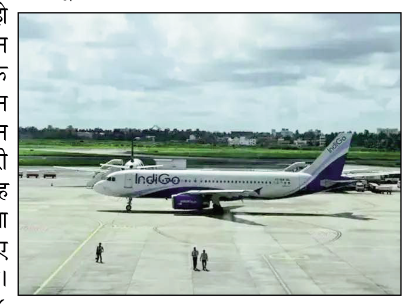

होंगे और दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण निलंबित होने से पहले 2020 की शुरुआत तक दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा चालू थीं। भारतीय और चीनी एयरलाइंस दोनों की सीधी उड़ानें थीं। पूर्वी लद्दाख और सीमा विवाद के कारण भी ये सेवाएं निलंबित रहीं।

फ्लैट लिस्टिंग के बाद ईयरकार्ट के शेयरों में तेजी, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। हियरिंग ऐड्स और रिलेटेड एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी ईयरकार्ट लिमिटेड ने आज स्टॉक मार्केट में सांकेतिक बढ़त के साथ एंट्री की हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशक फायदे में आ गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0.37 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 135.50 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 142.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.37 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ईयरकार्ट लिमिटेड का 49.26 करोड़ रुपये का

आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.35 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,30,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 3,34,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.06 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 6.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ खुलने में सफल रहा था, जबकि निफ्टी ने कमजोरी के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण शेयर बाजार में तेज गिरावट आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 3.36 प्रतिशत

से लेकर 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मैक्स हेल्थ केयर, कोल इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और ओएनजीसी के शेयर 2.08 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,626 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 892 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

विकसित भारत के लिए आर्थिक वृद्धि तेज करनी होगी, पूंजी निवेश बढ़ाना होगा:एनके सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक विशेषज्ञ एवं पूर्व आईएएस एन.के. सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए साल दर साल आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल करनी होगी और पूंजीगत व्यय में और वृद्धि करनी होगी। श्री सिंह यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे जिसका उद्घाटन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में आर्थिक वृद्धि दर मजबूत नीतिगत आर्थिक सुधारों से सुधरी है। इसके साथ ही जनसंख्या वृद्धि दर कम होने के मिले जुले लाभ से प्रतिव्यक्ति आय दो गुनी हो गयी है। श्री सिंह 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष थे। उन्होंने विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूंजीगत व्यय का स्तर बढ़ाने, मौद्रिक और राजकोषीय नीति के बीच तालमेल बिठाये रखने, व्यापार को वृद्धि के इंजन के रूप में बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान देने, सुधारों को राज्यों के स्तर पर फैलाने तथा नयी उभरती वैश्विक परिस्थितियों में चुनौतियों तथा विडंबनाओं को अवसर बनाने पर ध्यान देने की सिफारिश की। बाद में उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, 'भारत का विशाल घरेलू बाजार अभी अतृप्त है जहां प्रति व्यक्ति आय अब पांच से छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है।

स्टॉक मार्केट में तेलगे प्रोजेक्ट्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग डिजाइन सर्विसेज का कारोबार करने वाली कंपनी तेलगे प्रोजेक्ट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली तेजी के साथ एंट्री करके अपने कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 108.10 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 112 रुपये तक पहुंचे, लेकिन बाद में मुनाफा वसूली के ये ऊपरी स्तर से थोड़ा फिसल भी गया। सुबह 11:30 बजे तक कारोबार होने के बाद तेलगे प्रोजेक्ट्स के शेयर 110.85 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। तेलगे प्रोजेक्ट्स का 27.24 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.99 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.72 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,94,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 90 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.66 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 105 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 25.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 2.50 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 2.76 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 9.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 1.09 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 3.66 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 10.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की अधूरी यात्रा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की मौजूदगी ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर मिसाइल विकास तक उनकी भूमिका आज किसी से छिपी नहीं है। लेकिन यह यात्रा अभी भी अधूरी है क्योंकि तथाकथित 'लीकी पाइपलाइन' यानी शिक्षा और कॅरियर के अलग-अलग चरणों पर महिलाओं का बाहर हो जाना, उन्हें नेतृत्व की सीट तक पहुँचने से रोकता है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नवाचार और उत्कृष्टता की है। सवाल यही है कि भारत कब इस रिसाव को रोकेगा और कब महिलाएँ बराबरी से विज्ञान की बागडोर थामेंगी।

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है, या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही ह्यलीकी पाइपलाइनह्व कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग तैंतालीस प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र चौदह प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग पंद्रह प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे।

वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज़िम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह

रिसाव है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है।

इस रिसाव की कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं।

वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है।

यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है। जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

इसके साथ ही यह भारत की वैश्विक छवि का भी सवाल है। लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और नेतृत्व की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जब भारतीय महिला वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलती हैं तो वह भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन जाता है। इससे भी आगे, यह आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षा का प्रश्न है। अगर आज हम विज्ञान में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हैं, तो कल हमारी बेटियाँ आत्मविश्वास से भरी होंगी और विज्ञान को अपनी पसंद का क्षेत्र मानेंगी।

सरकार ने कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की किरण योजना, महिला वैज्ञानिक योजना, एसईआरबी पॉवर फेलोशिप जैसी पहलें युवा महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। इसरो और डीआरडीओ ने लचीले कार्य समय, विस्तारित मातृत्व अवकाश और घर से काम करने जैसे विकल्प लागू किए हैं। कई संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता समितियाँ भी गठित की गई हैं। लेकिन यह सब अभी भी अपर्याप्त है। आवश्यकता है कि इन योजनाओं की पहुँच को बढ़ाया जाए और उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए। सबसे बढ़कर, समाज की मानसिकता बदली जाए। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विज्ञान पुरुषों का नहीं, बल्कि सभी का क्षेत्र है।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की यात्रा प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे बढ़ चुकी है, लेकिन नेतृत्व तक पहुँचने में अब भी कई बाधाएँ मौजूद हैं। यह बाधाएँ केवल व्यक्तिगत हानि नहीं बल्कि राष्ट्रीय हानि भी हैं। अगर भारत को ज्ञान शक्ति बनना है, तो इस रिसाव को रोकना ही होगा। वास्तविक नवाचार और उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पुरुष और महिलाएँ बराबरी से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों। यह केवल समान अवसर का सवाल नहीं है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी प्रश्न है।

संपादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है। देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यतः बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी। गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा। इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

पीओके में बिगड़ती कानून व्यवस्था और असुविधाओ को लेकर जनता का हल्लाबोल

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में शाहबाज सरकार की बेरुखी से नाराज स्थानीय पुलिस बगावत पर उतर आई।भारत मे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अपने ही घर मे घिरने लगा है।पीओके की आवाम खौफजदा है।पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके की जनता जिल्लतभरी जिंदगी गुजर- बसर कर रही है।असुविधाओं के कारण जीना मुहाल हो गया है।बिजली ,महंगाई से त्रस्त जनता का गुस्सा भड़क उठा है।पाकिस्तान सरकार बड़ी बड़ी डींगें हांकने में माहिर है।पीओके की जनता त्रस्त है।थाने में पुलिस नहीं है और थाने खाली है।तब सवाल उठता है कि जनता की जानमाल की हिफाजत करने वाला कौन है?शहबाज सरकार के खिलाफ बगावत के सुर तेज हो गए है।भगवान के भरोसे जनता त्राहिमाम कर रही है।पाकिस्तान में विधानसभा भवन और पीएम सचिवालय पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नही है।महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए कोई सुविधा नही है।सात दशक से सड़के का निर्माण नही किया है।पुल,सड़के और जर्जर स्कूल से अव्यवस्था पैदा हो रही है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पलटू राम अमेरिका की शरणागति स्वीकार कर सौदेबाजी में मशगूल है।देश मे अराजकता व्याप्त है।पाकिस्तान में आतंकवादियों के हौसले बुलंद है।जिन आतंकवादियो को पाल पोस रहा है ,वो पाकिस्तान की निर्दोष जनता के लिए सिरदर्द बना गया है।पाकिस्तान भी आतंकवादियों से परेशान है।पालतुं कुत्ते मालिक पर ही हमला करता है।वैसी ही दशा पाकिस्तान की है।लॉकडाउन का ऐलान किया है।इस्लामाबाद से सुरक्षा के लिए जवान भी भेजे गए थे।पाकिस्तान में जंगलराज है।पीओके की जनता के साथ फौज के जवान दुर्व्यवहार करते है।उनके आवागमन पर फौज की नजर रहती है।वे गुलाम जिंदगी जी रहे है।पीओके के लोगो ने कई बार पीओके को भारत मे शामिल करने के लिए गुहार लगा रहे है।देश की सबसे अच्छी और शक्तिशाली इकाई कानून व्यवस्था है।जिस देश की कानून व्यवस्था डगमगा जाती है।वहा जंगलराज कायम हो जाता है।उसके लिए कुशल प्रशासक की आवश्यकता होती है।पुलिस की अभूतपूर्व हड़ताल की वजह का कारण, पीओके की कानून व्यवस्था का लचर होना है।थाने में पुलिस ही उपस्थित नही रहती है तो उसका अंदाजा लगाया जा सकता है।गरीबी और फटेहाल जीवन यापन करने वाली आवाम अब आजादी की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है।लॉक डाउन की कवायद शुरू हो गई है।जनता ने 11 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए मांग रखी है।पाकिस्तान हर हाल में पीओके को आजाद करना नहीं चाहता है।लेकिन भारत कहता है हम हर हाल में पीओके लेकर रहेंगे।पुलिस को वेतन और परिवार के लिए बेहतर सुविधा की मांग की है।टूटते मनोबल के दौरान सरकार को हौसला अफजाई करने की आवश्यकता है।पुलिस रात दिन काम पर रहती है।उनके परिवार के लिए कोई सुविधा या परिवार को पालने के लिए पैसे नही मिलते है।यह स्थिति पीओके की है,जहा शहबाज सरकार की प्रशंसा करते थकने नही है,वही पीओके के लिए सौतेला व्यवहार किया जाता है।पुलिस की मांग को सरकार नही मानती है,तब तक पीओके का पुलिस महकमा वापस लौटने के लिए राजी नही है।सरकार ने बजट का हवाला देकर फिर से नौकरी पर लौटने के लिए आग्रह किया गया है,लेकिन पुलिस अडिग है।पाकिस्तान खैबर में टीडीपी के 17 आतंकवादियों का खात्मा किया गया।उधर,बलूचिस्तान में संघर्ष में पाकिस्तान के 15 जवान शहीद हो गए।देश मे अराजकता व्याप्त है।ये पालतू प्रशिक्षित आतंकवादी सरकार के लिए बहुत बड़ा खतरा होगा।जिस दिन पुलिस की तरह देश मे आतंकी बगावत पर उतर आएंगे,तब पाकिस्तान सरकार और आवाम के लिए युद्ध जैसी स्थिति बनेगी।क्योकि जिन लोगो को पाकिस्तान पाल रहा है।वो सरकार के लिए खतरा खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे।पाकिस्तान में पिछले दिनों आतंकी आकाओ पर कहर बरपा और एक एक कर मोस्टवांटेड आतंकियों को मौत के घाट उतारा गया।आवाम के साथ की जा रही अवहेलना का उदाहरण स्वरूप यह आंदोलन है।सरकार को अब होंश आ जाना चाहिए।वर्षो से चल रही उपेक्षा, भ्रष्टाचार और लोगो के साथ ज्यादती का परिणाम है कि आवाम बुनियादी सुविधा के लिए मोहताज है।नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छ पानी जैसे मौलिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है।इस जंगलराज और फौज से परेशान होकर पीओके की जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है।पीओके के हिंसक प्रदर्शन में भी लोग घायल हुए है।रक्षा मंत्री राजनाथसिंह सिंह ने पिछले दिनों कहा कि जनता परेशान और त्रस्त है।पीओके की जनता खुद चल कर भारत मे शामिल होने के लिए तैयार होगी।क्योंकि उनकी जिंदगी बदतर हो गई है।45 से 46 लाख जनसंख्या 85,793 किलोमीटर के क्षेत्रफल की हिस्सेदारी से पीओके में रह रही है।उनके यहां बिजली बराबर नही आती है।बिजली के लिए जनता परेशान है।सरकार की तरफ से राशन या खानेपीने की चीज वस्तुओ का अभाव और जनता के साथ दुर्व्यवहार करने की दिनचर्या बन गई है।इन मुस्किल हालात में जनता समझौता नही करना चाहती है।पीओके भारत मे आतंकी भेजने के लिए लॉन्च पैड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।पाकिस्तान फौज लोगो को परेशान करती है।पीओके भारत मे शामिल हो जाने पर, भारत मे घुसने वाले आतंकवादी बन्द हो जाएंगे।यह भारत के लिए बड़ी ताकत के रूप में काम आ सकता है।क्योंकि भारत सरकार के अधीन पीओके से आतंकवादियो को रोकने में सफलता

मिलेगी।लोगो के गुस्से से पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है।पीओके के साथ सौतेला व्यवहार पाकिस्तान को भारी पड़ रहा है।पुलिस भी सरकार के अधीन नही है।तब सवाल उठता है कि जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी का क्या होगा?पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर में तीन बड़े शहरों मेंपाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है।क्षेत्र में बंद के दौरान प्रतिष्ठान बंद रहे।इलाको में मशाल और मोटरसाइकिल लेकरमार्च निकाला गया।सरकार के खिलाफ जनता घरों से निकल चुकी है।सेना ने उन शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कारियो पर गोलियां चलाई है।2022 और 2023 में भी जनता सड़को पर उतरी थी।जनता जानती है कि सरकार कुछ परिवर्तन करने वाली नही है।जिस तरह से पीओके के हालात बदतर हुए है,उससे तो लोगो का जीवन नरकगामी बनता जा रहा है।बगावत का सुर तेज हो गया है।पाकिस्तान सेना और सरकार मिलकर आतंकी कैम्प बना रहे है।भारतीय सेना नेऑपरेशन सिंदूर में तबाह कर दिए थे।पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आने वाला नही है।कुत्ते की दुम 12 साल के बाद भी वैसी की वैसी ही थी।यह कहावत है कि वो सुधरने वाला नही है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर, अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्र्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

विश्व पशु दिवस : पशुओं के प्रति हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी

दिलीप कुमार पाठक

'किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है' एक राष्ट्र तभी समृद्ध होगा जब वह पशुओं के जीवन को मानव जीवन के समान मूल्यवान समझेगा' पशुओं को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार सभी को जानना चाहिए' महान विचारक श्री अरविंदो भी यही कहते थे जीवन तो जीवन है - चाहे वह बिल्ली में हो, कुत्ते में हो या मनुष्य में। बिल्ली और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। अंतर का विचार मनुष्य के अपने लाभ के लिए एक मानवीय अवधारणा है। हैरियट बीचर स्टोव कहते थे - जानवरों के साथ अपने व्यवहार में हमें यह याद रखना चाहिए कि वे हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दी गई एक पवित्र धरोहर हैं। वे गूंगे हैं और अपनी बात नहीं कह सकते। अतः हमें इस धरोहर को सम्भालना चाहिए '

अभी कुछ दिनों पहले आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली में अमानवीयता देखने को मिली थी, परंतु कोर्ट ने कुत्तों के जीवन को भी उपयोगी बताते हुए लोगों की अमानवीयता पर रोक लगाई थी कि कुत्ता हो या कोई अन्य जीव सभी का जीवन महत्तवपूर्ण है ' खासकर जानवर भी हमारे आसपास रहते हैं जिससे प्रकृति संतुलित रहती है '

प्रत्येक 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व में मनाए जाने वाले प्रमुख दिनों में से एक है ' विश्व स्तर पर विश्व के बुद्धिजीवियों ने पर्यटकों के संरक्षण और संरक्षण के लिए इस दिन की शुरूआत की थी, जिसे पूरे विश्व में जानवरों के संरक्षण और जागरुकता के लिए मनाया जाता है ' यह दिवस मानव की समृद्धि में एक प्रमुख कारक है, प्राकृतिक आपदाओं से, जहां मनुष्य खुद को किसी भी तरह से बचा लेता है, लेकिन वह पशुओं को बचा नहीं पाता है । 4 अक्टूबर को हम 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मानते हैं, यह एक अन्तराष्ट्रीय दिवस है ' यह दिन एसीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि पशुओं के महान संरक्षक थे' देखा जाए तो विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरूआत 1931 ई.पू. में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गई थी' अब तक युनाइटेड नेशंस ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देश के अनेक अभियानों की शुरूआत की है, पृथ्वी की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा किया कि जानवरों के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें प्राणी के रूप में पहचानने की बात कही गई है, जिससे उनकी जान की रक्षा करना सभी का उत्तरदायित्व होना चाहिए लेकिन विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, और असंख्य लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक करना ' खासकर जिन्होंने अब तक पशुओं के जीवन को भी महत्पूर्ण माना है उन विद्वानों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट करना तो है ही साथ ही पशुओं का जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। विश्व पशु दिवस का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति लोगों के व्यवहार और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य पशुओं के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है, जिसमें उनके लिए बचाव आश्रय प्रदान करना, धन जुटाना और पशु कल्याण कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। इस दिन के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाती है, जैसे कि उन्हें मारना-पीटना, पत्थर मारना, और गलत कामों के लिए उनका इस्तेमाल करना। इसका उद्देश्य पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। हालांकि अभी भी पशुओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है '

अभी दुनिया भर में जानवरों के प्रति क्रूरता के विडिओ आते रहते हैं, हम अपने आसपास भी लोगों को देखते रहते हैं ' तब सवाल उठते हैं कि दुनिया पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है या क्रूर हो रही है ' ईश्वर ने इंसान को जुबां, के साथ सोचने, समझने, कमाने की समझ दी है, वहीं जानवरों को सोचने समझने की क्षमता नहीं दी यही कारण है कि इंसान की जिम्मेदारी पशुओं की रक्षा के प्रति ज़्यादा बढ़ जाती है '

अगर हम पशुओं के प्रति क्रूर हो जाएंगे तो प्रकृति इंसान के साथ क्रूर हो जाएगी चूंकि प्रकृति को असंतुलन स्वीकार नहीं है यही कारण है कि प्रकृति ने इंसान को समृद्ध करके भेजा है ' बेजुबान जानवरों के प्रति हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, हम सभी को सुनिश्चित करना होगा, जिससे हम अपनी शिक्षा एवं अपने मानवीयता का पालन करते हुए पशुओं की रक्षा करें ', गुरु नानक देव जी, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, जैसे महापुरुषों ने किसी भी जीव के प्रति हम सभी के नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी है '

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

-यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है। तस्वीरों में यात्री विमान से बाहर निकलते और रनवे पर खड़े दिख दहे हैं। वहीं, क्रू मेंबर्स और सुरक्षा अधिकारी हालात को काबू में करने की कोशिश कर हैं। हालांकि, अब तक ला गार्डिया एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जापान में बन सकती हैं पहली महिला पीएम

-साने ताकेइची पांच उम्मीदवारों में सबसे मजबूत

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पीएम शिगेरू इशिबा ने 7 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टी में 4 अक्टूबर को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ऐसे में यह चुनाव जो भी जीतेगा उसे संसद में वोटिंग के बाद पीएम बनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष पद बनने की रेस में पांच उम्मीदवार हैं। लेकिन मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच ही है। एक सर्वे के मुताबिक, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची 34.4 प्रतिशत वोट के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी हैं, जिन्हें 29.3 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। अगर ताकाइची यह चुनाव जीतती हैं तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। वहीं, कोइज़ुमी चुनाव जीतते हैं तो वे देश के सबसे युवा (45 साल) पीएम बनेंगे।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों पर पुलिस ने किया हमला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अत्याचारों और इंटरनेट ब्लैकआउट के खिलाफ इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों और लोगों पर पुलिस के अचानक हमले के बारे में है। पुलिस प्रदर्शन खत्म कराने पहुंची, झड़प शुरू हुई। कुछ प्रदर्शनकारी भागकर प्रेस क्लब में घुस गए, जिनका पीछा करते हुए पुलिस क्लब के अंदर चली गई और लाठीचार्ज किया। पत्रकारों ने जब मोबाइल और कैमरे से घटना को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तब पुलिस के द्वारा उन्हें भी पीटा गया। प्रेस क्लब के कम से कम दो फोटोग्राफर और तीन कर्मचारी घायल हुए। कई पत्रकारों के कैमरे और मोबाइल तोड़ दिए गए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पत्रकारों को गलती से निशाना बनाया। घटना पर पूरे पाकिस्तान में नाराजगी जाहिर की गई और वरिष्ठ पत्रकारों ने पुलिस की कार्रवाई को प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। वहीं पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश देकर कहा कि पत्रकारों पर हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी प्रेस क्लब पहुंचे और पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जांच कराएगी और जिम्मेदारों को सजा मिलेगी। उन्होंने बोलने की आजादी के समर्थन की बात भी कही। यह घटना पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता और पुलिस के बल प्रयोग को लेकर सवाल खड़े करती है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया

न्यूयार्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महात्मा गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया है ताकि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर कहा कि गांधीजी समझते थे कि अहिंसा कमजोरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। यह शक्ति बिना घृणा के अन्याय का विरोध करने, क्रूरता के बिना उत्पीड़न का सामना करने, और सम्मान के माध्यम से शांति स्थापित करने की है। गुटेरेस ने मौजूदा खतरनाक और विभाजित समय पर चिंता व्यक्त की, जहां हिंसा संवाद का स्थान ले रही है और शांति की नींव दबाव में है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी गांधी के नेतृत्व का अनुसरण करें ताकि दुखों को समाप्त किया जा सके, कूटनीति को आगे बढ़ाया जा सके, विभाजनों को दूर किया जा सके और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण, स्थायी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाई जा सके।

पीएम मोदी ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे भारत अपमानित हो: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कोई काम नहीं करते हैं जिससे भारत की जनता अपमानित महसूस करे। वे अपने देश साख बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। सोची में आयोजित वल्दाई डिस्कशन क्लब में अपने संबोधन के दौरान पुतिन ने पश्चिमी देशों के नेताओं पर युद्ध का डर फैलाने और अपनी घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में नाटो देश पहले से ही सीधे तौर पर शामिल हैं और रूसी सेना रणनीतिक पहल बनाए रखते हुए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप के शासक अपने घरेलू मुद्दों को नजरअंदाज कर जनता में दहशत पैदा कर रहे हैं।

पुतिन ने अमेरिका द्वारा भारत को रूसी ऊर्जा आपूर्ति छोड़ने की सलाह पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, अगर भारत हमारी ऊर्जा आपूर्ति से इनकार करता है, तो उसे नुकसान होगा। भारतीय जनता अपने नेतृत्व के फैसलों पर नजर रखेगी और किसी के सामने अपमान नहीं सहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी भी अपमानजनक कदम नहीं उठाएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की। ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं। पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष में मध्यस्थता के लिए ब्रिक्स देशों, बेलारूस, उत्तर कोरिया और यूएई जैसे देशों के प्रयासों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यूरोप के कुछ देशों पर संघर्ष को बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना लगभग पूरे संपर्क रेखा पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर रुसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार टकराते हैं, जो कि इतने बड़े देशों के लिए स्वाभाविक है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने वर्तमान अमेरिकी प्रशासन की सीधी और बिना पाखंड वाली नीति की तारीफ की, लेकिन जोर देकर कहा कि रूस भी अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर काम करेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ पूर्ण संबंध बहाल करने की इच्छा भी जताई।पुतिन ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने की संभावना पर चेतावनी दी और कहा कि यह अमेरिकी सैन्य कर्मियों के बिना संभव नहीं है। उन्होंने इसे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में गुणात्मक रूप से नई और खतरनाक वृद्धि करार दिया।

कागजी शेर ही है तो नाटो से लड़ रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को पेपर टाइगर यानी कागजी शेर कहने पर पुतिन ने तंज कसते हुए कहा, अगर हम एक कागजी शेर होते हुए भी नाटो के खिलाफ लड़ रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं और आत्मविश्वास से भरे हैं, तो नाटो क्या है? उन्होंने रूस की वित्तीय प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से मुद्रास्फीति को कम करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए। पुतिन ने यूरोप के नेताओं पर युद्ध की आशंका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे या तो अविश्वसनीय रूप से अक्षम हैं या फिर बेईमान। उन्होंने यूरोप की बढ़ती सैन्यीकरण पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि रूस इसका जवाब देने के लिए तैयार है। नाटो के साथ टकराव को लेकर पुतिन ने दावा किया कि सभी नाटो देश हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं और अब इसे छिपा भी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यूरोप में एक केंद्र बनाया गया है जो यूक्रेनी सेना को खुफिया जानकारी, हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पेशावर में धमाका– 9 की मौत, मरने वालों में अधिकांश अधिकारी शामिल

इस्लामाबाद। पुलिस और अधिकारियों को टारगेट करते हुए पेशावर में हुए आतंकी हमले में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। इसमें अधिकांश कानून प्रर्वतन अधिकारी शामिल हैं। ये धमाका उस वक्त हुआ जब सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सड़क पर एक उपकरण लगाया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मसूद बंगश ने बताया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल की जांच में लगे हुए हैं और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह पाकिस्तान में हाल ही में हुआ अकेला धमाका नहीं है। पुलिस अधिकारी मियां सईद ने बताया कि यह विस्फोट विशेष रूप से पुलिस और सुरक्षाबलों के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए कैपिटल सिटी में किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिस विस्फोटक उपकरण का उपयोग किया गया था वह पुलिस वैन के रास्ते में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घायल हुए अधिकारियों की हालत गंभीर बनी हुई है। बम विस्फोट के बाद तुरंत बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इससे पहले 30 सितंबर को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर के पास की एक सड़क पर भी शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। उस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने भी क्वेटा में हुए धमाकों में मृतकों की संख्या की पुष्टि की थी और बताया था कि सभी घायलों को नजदीकी सिविल अस्पताल ले जाया गया था। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बनाने वाली ये घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी।

फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4¬15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है।

टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा। मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने इस साल अपने मूल्यांकन में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई तक एक्सएआई का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर था। वहीं, स्पेस एक्स की वैल्यूएशन करीब 400 अरब डॉलर पहुंच गई है।

जर्मनी में मंडराने लगे करीब डेढ दर्जन ड्रोन, दहशत के चलते एयरपोर्ट किया बदं, 3 हजार यात्री फंसे

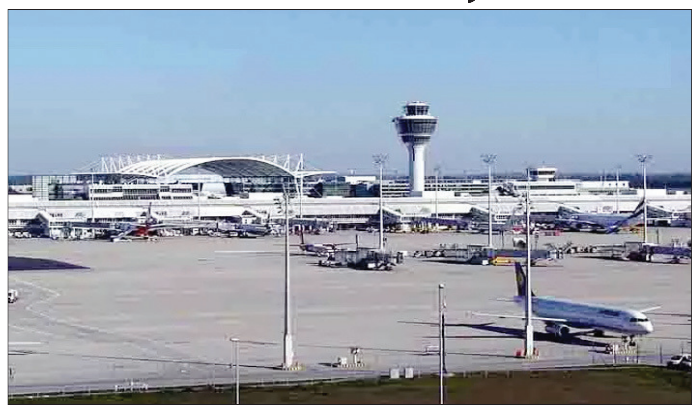

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा म्यूनिख एयरपोर्ट अचानक बंद कर दिया गया और वहां से उड़ने वाले विमानों का रास्ता बदल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि जर्मनी में अचानक करीब 17 ड्रोन उड़ते दिखाई दिए जिसके बाद दहशत फैल गई और ऐतिहात के तौर पर तत्काल प्रभाव से उपरोक्त कदम उठाए गए। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में 17 फ्लाइट्स रद्द हो गईं और करीब 3,000 यात्री फंस गए।सिर्फ इतना ही नहीं, 15 फ्लाइट्स को स्टटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट और पड़ोसी ऑस्ट्रिया के विएना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा लेकिन एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं और सुबह 5 बजे से संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

म्यूनिख एयरपोर्ट, जो जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा का हब है, ने इस साल के पहले छह महीनों में करीब 2 करोड़ यात्रियों को संभाला है। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों के बीच अचानक ड्रोन अलर्ट से न केवल एयरपोर्ट बल्कि पूरी एयरलाइंस व्यवस्था प्रभावित हुई। एक यात्री ने एयरपोर्ट हेल्पलाइन पर बताया- कुछ फ्लाइट्स उड़ान भरने का इंतजार कर रही हैं, कुछ रद्द हो गई हैं। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। म्यूनिख सिर्फ एक उदाहरण है। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क में कई एयरपोर्ट्स पर ड्रोन दिखे थे, जिससे दसियों हजार यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डेनमार्क ने सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर रोक लगा दी। बता दें कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब हाल के दिनों में यूरोप के कई नाटो देशों में ड्रोन देखे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क और पोलैंड के हवाई क्षेत्र में अज्ञात ड्रोन देखे गए थे, जिससे हवाई यातायात घंटों बाधित रहा।

ड्रोन घटनाओं को लेकर यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुई। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा कि ये घटनाएं रूस की चुनौती का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि डेनमार्क ने सीधा आरोप नहीं लगाया, लेकिन प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने इशारों में रूस की ओर उंगली उठाई। उन्होंने कहा- 'यूरोप को अब अपनी सुरक्षा खुद मजबूत करनी होगी। हमें न सिर्फ ड्रोन बनाने की क्षमता बढ़ानी है, बल्कि एंटी-ड्रोन सिस्टम भी तैयार करने होंगे।'यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 'ड्रोन वॉल' बनाने का विचार पेश किया है। इसका मतलब है कि यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर एक ऐसा सुरक्षा जाल तैयार किया जाए जिसमें सेंसर, रडार और हथियार तैनात हों, ताकि किसी भी संदिग्ध ड्रोन को तुरंत पहचानकर गिराया जा सके।

बजट कटौती के खिलाफ फ्रांस में ट्रेड यूनियनों की हड़ताल, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

पेरिस। अगले साल के बजट में भारी कटौती की योजनाओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में गुरुवार को 85 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। उन्होंने मार्च निकाला। इसमें शिक्षक और स्वास्थ्य कर्मचारी समेत अन्य लोग भी शामिल हुए। इसके कारण एफिल टावर बंद करना पड़ा। ये राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू पर दबाव बनाए हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड यूनियन नेता सार्वजनिक सेवाओं पर ज्यादा खर्च, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि को वापस लेने और अमीरों पर ज्यादा कर लगाने की मांग कर रहे हैं। इनमें फ्रांस के सबसे बड़े संघ, सीएफडीटी और कट्टरपंथी सीजीटी के नेता शामिल हैं। सीजीटी की महासचिव सोफी बिनेट ने बताया कि पिछले बजट प्रस्ताव में श्रमिकों से संबंधित सभी कटौती को हमेशा के लिए खत्म करना होगा। बजट में कटौती के चलते घटा था पद पिछले पीएम फ्रांस्वा बायरू को 44 अरब यूरो के बजट में कटौती की योजना के चलते संसद ने पद से हटा दिया था। हालांकि, गुरुवार को सड़कों पर उतरने वाले लोगों की संख्या पिछले दिनों हुए प्रदर्शनों की तुलना में कम थी। लड़ाई जारी रखनी होगी नैनटेस में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए डोमिनिक मेनियर ने कहा कि हमें लड़ाई जारी रखनी होगी, भले ही हममें से ज्यादा लोग न हों। हर बार हमें एक दिन का नुकसान होता है, लेकिन लोकतंत्र आमतौर पर इसी तरह आगे बढ़ता है।

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकी

संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी से बातचीत शुरु

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बीते एक हफ्ते से जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकती दिख रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रास्ता निकालने के लिए जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि उच्च-स्तरीय प्रयासों के बावजूद शरीफ सरकार की जेएसी और पीओके सरकार के बीच बातचीत बहुत आगे नहीं बढ़ सकी है। गुरुवार को तीनों पक्ष बातचीत के लिए बैठे लेकिन वार्ता कुछ समय बाद ही रुक गई।

जेएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार को कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हटकर मोबाइल-इंटरनेट सेवा बहाल करनी चाहिए। जेएसी कमेटी ने साफ किया है इसके बिना बातचीत जारी नहीं रखी जा सकती है। दूसरी ओर पाक सरकार के प्रतिनिधियों ने चीजें ठीक होने और शांति लौटने की उम्मीद जाहिर है। सरकार का कहना है कि जो कुछ बातचीत हुई है, वह अच्छे माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनी।

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार ने कहा है कि वह पीओके के लोगों की जायज मांगों में उनके साथ है। हम चाहते हैं कि समस्याओं का समाधान बातचीत के द्वारा होना चाहिए, सड़कों पर टकराव से ये नहीं होगा। पीएम शरीफ के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि इस्लामाबाद से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पीओके भेजा गया है। बयान में कहा गया है कि शहबाज सरकार लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए तैयार है।

शरीफ सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब जेएसी ने विभिन्न मांगों को लेकर पीओके में हड़ताल बुलाई है। इसके चलते पूरा पीओके ठप्प पड़ा है। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर हिंसा हुई है। सुरक्षाबलों ने आम लोगों पर गोली चलाई है, तब कई जगहों पर सुरक्षाकर्मियों को पीटा गया है। पीओके में हिंसा के ताजा दौर में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। पीओके में हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की रक्षा करने, प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से बचने और संचार प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने हिंसा पर चिंता जाहिर की है।

अब मोरक्को में जेन-जी का गुस्सा भडक़ा

– हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे; 3 की मौत, 1000 गिरफ्तार

रबात (एजेंसी)। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भडक़ा जेन-जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाडिय़ों में तोडफ़ोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70 प्रतिशत प्रदर्शनकारी नाबालिग थे।

मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है।

प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं

युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को त्र्ह्लठ्ठ 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8 प्रतिशत है, जिसमें युवा बेरोजग़ारी 35.8 प्रतिशत और स्नातकों में 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है।

अब हमास नहीं माना तो समझो खेल खत्म: ट्रम्प का अंतिम अल्टीमेटम कितना होगा प्रभावी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर अमेरिका ने बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विगत रात वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। इसमें नेतन्याहू ने गाजा में सीजफायर पर सहमति जताई, जबकि ट्रम्प ने 20 पॉइंट का शांति प्लान दुनिया के सामने रखा, जिसकी भारत समेत अनेक देशों ने तारीफ की है। वहीं हमास तुरंत हथियार डालने के पक्ष में नहीं है, उसे सोचने-विचारने के लिए समय चाहिए। इस बीच वैश्विक प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि यह राह इतनी आसान भी नहीं है, जितनी कि ट्रंप फार्मूला का समर्थन करने वाले बता रहे हैं।

बहरहाल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने साफ लफ्जों कह दिया, कि अगर हमास इस प्लान को नहीं मानता तो इजराइल को उसे खत्म करने का पूरा अधिकार है और अमेरिका इस कदम में उसका साथ देगा। मतलब साफ है कि अब हमास के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है, उसे इसे मानना ही पड़ेगा, वर्ना खेल खत्म है। दरअसल इजराइली प्रधानमंत्री ने इस प्लान को लेकर कहा है, कि गाजा में एक शांतिपूर्ण प्रशासन बनाया जाएगा और हमास के हथियार पूरी तरह हटाए जाएंगे। इसके बाद इजराइल धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगा। नेतन्याहू ने चेतावनी भी दी कि यह प्रक्रिया आसान या मुश्किल, किसी भी तरीके से पूरी की जाएगी।

हमास और फिलिस्तीन की प्रतिक्रिया

हमास ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए हथियार डालने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि अब तक उसे इस प्लान का औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी सरकार ने ट्रम्प की पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे शांति की नई उम्मीदें जागी हैं। यहां गाजा में शांति सेना भेजने के लिए तैयार बैठे पाकिस्तान के लिए भी रास्ता आसान नहीं है। दरअसल इस मामले को लेकर शहबाज सरकार अपने ही घर में घिरती दिखी है। ट्रंप प्लान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान के लोगों ने अपनी ही सरकार को आड़े हाथों लिया है। इससे स्पष्ट है कि यह रास्ता उतना भी आसान नहीं रहने वाला, जितना कि ट्रंप ने प्लान रखते हुए बताया है।

ट्रम्प का कहना है कि यह योजना गाजा में स्थायी शांति, विकास और बेहतर जीवन का रास्ता खोल सकती है। लेकिन, सबसे बड़ी बाधा हमास की स्वीकृति है। अगर हमास मानता है तो संघर्ष का अंत संभव है, और अगर नहीं, तो ट्रम्प के शब्दों में- 'खेल खत्म।'

वायु प्रदूषण गर्भशिय में पल रहे शिशु के फेफड़े के लिए घातक

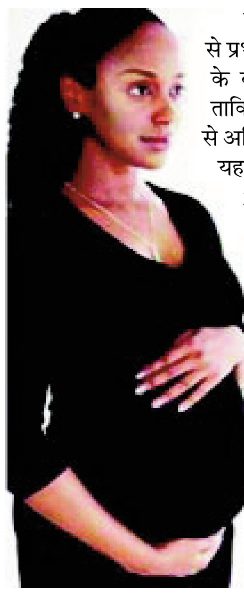

गर्भावस्था में वायु प्रदूषण से प्रभावित होने वाले बच्चे जन्म के बाद तेजी से सांस लेते हैं ताकि उनके फेफड़ों को अधिक से अधिक ऑक्सीजन मिल सके। यह घातक है। स्विटजरलैंड के 241 नवजात शिशुओं पर किए गए एक नए अध्ययन से यह पता चला कि वायुमंडलीय प्रदूषण जन्म से पहले शिशु के फेफड़े को खराब कर सकता है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि एक गर्भवती महिला जितनी ज्यादा प्रदूषित वायु को ग्रहण करेगी उसके शिशु को सांस लेने में उतनी ही कठिनाई होगी। एएपी की एक रिपोर्ट में बुधवार को यहां कहा गया है कि आस्ट्रेलिया के बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अध्ययन से मिली जानकारी ब्रिस्बेन की माताओं पर हाल में किए गए शोध का समर्थन करती है। इससे पर्यावरण अनुकूल 'शहरी योजना' बनाने की जरूरत को बल मिला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से पर्थ के बाल पर्यावरणीय स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशक पीटर स्ले ने बताया, इस बात पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है कि हम किस तरह से हमने शहर को तैयार कर रहे हैं।

बर्न विश्वविघालय के श्वसन तंत्र विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं के सांस लेने का अध्ययन किया। गर्भाशय में अधिकतम प्रदूषण हवा लेने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 48 बार जबकि कम मात्रा में प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 42 बार सांस ली। अधिकतम प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं में सांस के जरिए फेफड़े में पहुंची नाइट्रिक ऑक्साइड की भी अधिक मात्रा पायी गई।

मुख्य अनुसंधानकर्ता फिलीप लाटजिन ने बर्लिन में यूरोपीय श्वसन तंत्र सोसाइटी कांग्रेस में बताया कि मुख्य सड़कों के 150 मीटर दायरे में रहने वाले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले किए गए अध्ययन में केवल यह पता चला था कि वायु प्रदूषण से केवल स्कूली बच्चों के फेफड़े खराब होते हैं।

हेल्थ प्लस

मोटे बच्चों को होता है ज्यादा सिरदर्द

मोटापे के शिकार बच्चे और युवाओं को सिर दर्द की शिकायत संतुलित शरीर वालों की तुलना में ज्यादा होती है। हाल ही में जारी अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की भी आशंका जताई गई है कि मोटापे पर नियंत्रण न पाने की स्थिति में सिर दर्द की पीड़ा गंभीर रूप धारण कर सकती है। शोध में यह भी पाया गया कि वजन में कमी होने पर सिर दर्द में तेजी से कमी आती है।

सिरदर्द की पीड़ा से जूझ रहे 913 बच्चों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं के वजन या बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में बढ़ोतरी होने पर सिरदर्द में भी बढ़ोतरी होती है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिक ऐंड्रयू डी हेर्शे के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं में बीएमआई का सिर दर्द से सीधा संबंध है।

गंदे दांतों का हार्ट अटैक से सीधा रास्ता

दांतों का ताल्लुक सिर्फ भोजन को चबाने-काटने या फिर खूबसूरती से ही नहीं है, बल्कि इसका संबंध दिल से भी है। जी हां, ताजा शोध तो यही बता रहे हैं। वैज्ञानिक का तो यहां तक मानना है कि दांतों को साफ रखकर हार्ट अटैक से बचा जा सकता है। हाल में हुए अध्ययनों से पता चला है कि सड़े-गले और टूटे-फूटे दांतों, खून रिसते मसूढ़ों की वजह से दांत 700 तरह के बैक्टीरिया का घर बन जाते हैं। मुंह के रास्ते ये बैक्टीरिया खून में पहुंचते हैं और फिर सारे शरीर में।

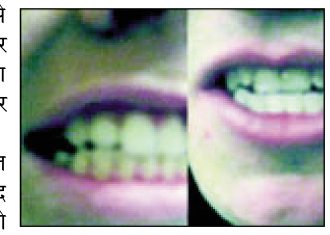

वैसे भी कहा जाता है कि दांत खराब तो पूरी सेहत खराब। मसूढ़े यदि रिस रहे हों तो मुंह में भयंकर बदबू तो पैदा करते ही हैं, दांतों को भी कमजोर और कांतिहीन बना देते हैं। इस विषय पर कई वर्षों से शोध कर रहे प्रो. हॉवर्ड जेनकिनसन का कहना है कि पश्चिमी देशों में हृदय रोग से होने वाली मौतें अन्य बीमारियों के मुकाबले ज्यादा हैं। दिल के कई तरह के रोगों के लिए दांतों की बीमारियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि आरल यानी मुख के दो बैक्टीरिया, स्ट्रिटोकोकस गार्डोनी और स्ट्रिटोकोकस सैनग्यूनिस सीधे तौर पर हार्ट अटैक के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। अब इस बात का कोई मतलब नहीं रह गया है कि आप कितने स्लिम-ट्रिम या सेहतमंद है। अगर आपके दांत खराब हैं तो कई तरह की बीमारियां आपको घेर सकती हैं, जिनमें दिल की बीमारी प्रमुख है। डब्लिन के ट्रिनिटी कॉलेज में सोसाइटी फॉर जनरल माइक्रोबायोलॉजी की आर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह से बैक्टीरिया रक्त कोशिकाओं तक पैठ बनाते हैं तथा फिर शरीर के सभी भीतरी तंत्रों को कुतरना शुरू कर देते हैं। हृदय रोगियों को तेज किस्म के एंटीबॉयोटिक्स दिए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद बैक्टीरिया दवा के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं।

गोभी परिवार कर देता है कैंसर के खतरे को कम

ज्यादा सिगरेट पीते हैं तो ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए

जबरदस्त ढंग से सिगरेट धौंकने वालों के लिए एक खुशखबरी, अगर आपके आहार में गोभी प्रजाति की सब्जियां शामिल हैं तो कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। यानी ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए और फेफड़े, श्वासनली और रक्त के कैंसर के खतरे को कम कर लीजिए। न्यूयॉर्क के बैफैलो स्थित रोजवेल पार्क कैंसर इंस्टीज्यूट की वैज्ञानिक ली तांग के मुताबिक दिनभर में बीस से ज्यादा सिगरेट पीने वाले चेन-स्मोकर्स की श्रेणी में गिने जाते हैं और ऐसे लोगों को फेफड़े और मुंह का कैंसर होने का खतरा सर्वाधिक होता है, लेकिन अगर ज्यादा सिगरेट पीने वाले अपनी गिजा में गोभी, पत्ता गोभी और ब्रॉकली को शामिल कर लें तो कैंसर का खतरा कम हो जाता है। ली के अनुसार ऐसा शायद इन सब्जियों में पाए जाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स नामक एक रसायन की वजह से होता है। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की एक बैठक में सुश्री तांग ने बताया कि अपने शोधदल के साथ उन्होंने कैंसर के 948 मरीजों के साथ 1,743 ऐसे सामान्य लोगों पर रिसर्च किया, जिनके बारे में शक था कि उनको कैंसर है, लेकिन जांच में ऐसे नहीं पाया गया। तांग के मुताबिक जिन लोगों के

मेन्यू में ब्रॉकली और गोभी सरीखी सब्जियां शामिल थीं, उनको कैंसर के कम करीब पाया गया, लेकिन गोभी परिवार से दूर रहने वालों को कैंसर की चपेट के करीब पाया गया। उन्होंने बताया कि ऐसी सब्जियों का असर स्मोकिंग कर रहे और छोड़ चुके लोगों पर देखा गया। सिगरेट को हाथ नहीं लगाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स के असर से बेअसर रहे। सुश्री तांग ने कहा अभी यह नतीजे परीक्षण से गुजर रहे हैं, स्मोकर्स को गोभी परिवार की सब्जियां खाने की सलाह नहीं दी जा सकती है।

तनाव के समय बढ़ जाता है भूख जगाने वाला हार्मोन

आपको हमेशा यह सोचकर हैरानी होती होगी कि तनाव के समय आपकी भूख क्यों बढ़ जाती है। एक शोध से अब इस राज पर से पर्दा उठा लिया गया है और इसके लिए एक भूख बढ़ाने वाले हार्मोन 'गेर्लिन' को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें तनाव को कम करने के गुण भी होते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के एक दल ने अपने शोध में पाया है कि लंबे समय तक तनाव रहने के दौरान गेर्लिन बढ़ जाता है और इससे मस्तिष्क में भूख का अहसास पैदा होता है। हालांकि भूख के हार्मोन का स्तर बढ़ने पर बेचैनी से संबंधित व्यवहार का स्तर घट जाता है। प्रमुख शोधकर्ता जेफ्री जिगमैन के अनुसार, हमारा शोध बताता है कि लंबे समय से चला आ रहा तनाव गेर्लिन स्तर को बढ़ाता है और इसका स्तर बढ़ने से अवसाद एवं बेचैनी से संबंधित व्यवहार घट जाता है। इसका एक नकारात्मक प्रभाव यह होता है कि भूख बढ़ जाती है और शरीर का वजन भी बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर यह शोध किया। उन्होंने दस दिन के लिए चूहों के आहार की मात्रा सीमित कर दी और इससे इनमें गेर्लिन का स्तर कई गुना बढ़ गया।

पीठ दर्द से बचें

पीठ में दर्द आम समस्या है, इतनी आम कि हर दूसरा व्यक्ति इससे ग्रस्त है। इससे निदान पाने के लिए इलाज के रूप में दवाइयां लेने की बजाय अपने बैठने के तरीके को सुधारने की जरूरत है। दिन-रात मेहनत करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है, पूरे समय कुर्सी पर बैठे रहने वाले पीठ दर्द की शिकायत करते है, जो बाद में चलकर जबरदस्त दिक्कत के रूप में सामने आता है। कंप्यूटर के सामने घंटों आंखें गड़ाए बैठे रहने से निजात पाना मुश्किल जरूर है, लेकिन काम के दौरान सही तरीके से बैठना आपके वश में जरूर है। सही पोश्चर में बैठने से न केवल आप पीठ दर्द से बच पाएंगे बल्कि स्मार्ट भी दिखेंगे। सही पोश्चर होना यानी अपने शरीर को खड़े, बैठने और झुकने के दौरान सही दिशा में रखना है। इसकी ट्रेनिंग जरूर है ताकि आपके शरीर के सहयोगी मांसपेशियों और लिगामेंट्स पर इसका स्ट्रेन कम से कम पड़े। कुर्सी पर बैठने वालों के लिए कुछ टिप्स जो पीठ दर्द से आपको बचाएंगे-

- पीठ सीधी और कंधे पीछे की आर करके बैठिए।
- बैठने के दौरान आपकी हिप कुर्सी के पिछले हिस्से को छुए।
- बैठे रहने के दौरान जर्की मूवमेंट्स से बचिए।
- पैरों को जमीन पर रखिए।
- अपनी कुर्सी की ऊंचाई को एडजस्ट करके, अपने काम के करीब बैठिए।
- कुहनी और बांहों को कुर्सी या डेस्क पर आराम से रखिए। कंधों को रिलैक्स करने दीजिए।
- एक ही पोजीशन में आधे घंटे से ज्यादा बैठने से बचिए।
- घुटनों को सही कोण में रखिए। घुटनों को हिप के बराबर या थोड़ा ऊपर रखें। जरूरत पड़े तो फुटरेस्ट का प्रयोग कीजिए।
- पैरों को क्रॉस करने से बचें।
- एबडोमिनल पुल-इन नामक एक्सरसाइज करें, जिसमें इनहेल और एक्सहेल किया जाता है। साथ ही पेट को अंदर किया जाता है।

शोल्डर ब्लेड स्क्वीज नामक एक्सरसाइज कीजिए, जो आपके बॉडी पोश्चर को सुधारती है। इसके लिए कुर्सी पर बैठकर हाथों को जांघ पर रखें। कंधों को सीधा रखें, अब धीरे-धीरे कंधों को पीछे की आर मोड़ें और कंधों को एक साथ अपनी आर खींचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्डचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली - 2606

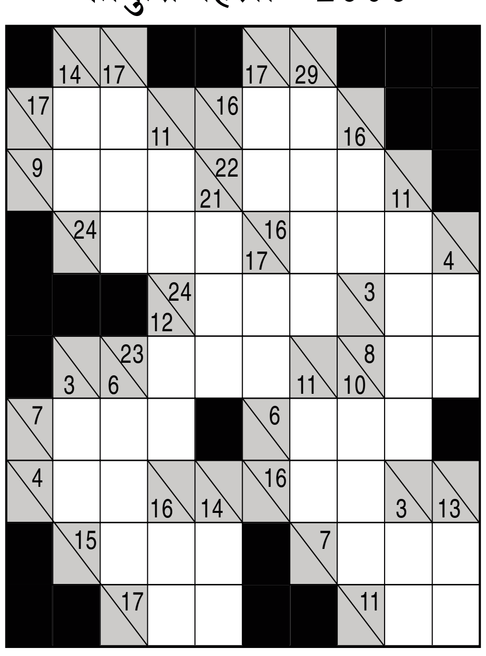

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↑ 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2605 का हल

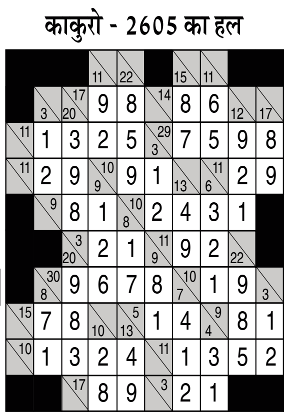

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

फिल्म वर्ग पहेली- 2606

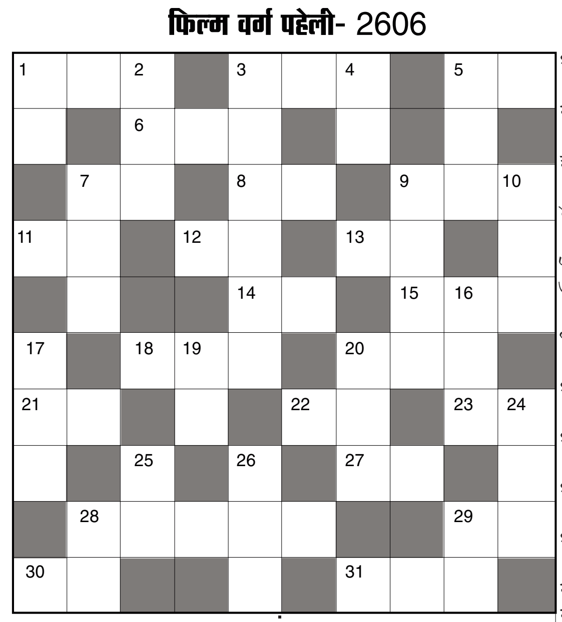

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2605

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु -2606

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2605 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 2606

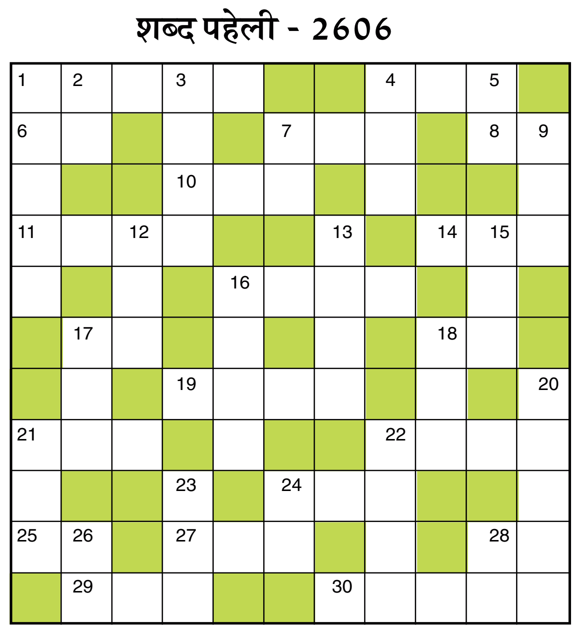

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -2605 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर सम्मेलन का उद्घाटन

एजेंसी

गांधीनगर । गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर परिसर में भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने राजस्व कार्यालयों और आवासीय भवनों का उद्घाटन किया, जिसमें 'एकीकृत भूमि प्रशासन प्रणाली (इला)', आरओ डायरी मोबाइल ऐप और 'द रेवेन्यू डायरी' का विमोचन शामिल है। इसके अलावा, स्वामित्व कार्ड, सुरक्षा किट और खानाबदोश जनजातियों के परिवारों को आवासीय भूखंडों के सनद वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) शुरू करने की घोषणा और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर

हस्ताक्षर भी हुए। मुख्यमंत्री ने अपने मुख्य भाषण में भूमि प्रशासन को नागरिक-केंद्रित बनाने और आपदा प्रबंधन में तकनीकी नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मानते थे कि 'सच्चा स्वराज' वही है, जहां शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शासन को 'स्वराज' से 'स्वराज्य' की नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'डिजिटल इंडिया, लैंड एंड एडमिनिस्ट्रेशन और डिजास्टर मैनेजमेंट पर प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से यह राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित है, जो सुशासन के लिए सतत विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय की जरूरत के अनुरूप है। लोगों को विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और 'विकसित भारत' बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार मुक्त और संपूर्ण पारदर्शी प्रशासन देश को दिया है। सम्मेलन का पहला दिन आधुनिक राजस्व कानून, भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण प्रणाली के उन्नयन, और शहरी भूमि रिकॉर्ड के निर्माण पर केंद्रित पैनल सत्रों के साथ शुरू हुआ।

अवैध सरोगेसी रैकेट मामले में ईडी का एक्शन, 9 स्थानों से जब्त किए दस्तावेज

एजेंसी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हैदराबाद यूनिट ने शुक्रवार को अवैध सरोगेसी रैकेट के मामले में की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। ईडी ने बताया कि अवैध सरोगेसी रैकेट मामले में हैदराबाद, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में 9 स्थानों पर छापेमारी की गई थी, जिसमें बड़ी मात्रा में दस्तावेज बरामद किए गए। ईडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। ईडी ने लिखा, ÷ईडी, हैदराबाद ने यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी एंड रिसर्च सेंटर के नाम से डॉ. पचीपल्ली नम्रता उर्फ अथलूरी नम्रता द्वारा चलाए जा रहे अवैध सरोगेसी रैकेट के संबंध में पीएमएलए, 2002 के तहत 25 सितंबर को हैदराबाद, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में 9 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए। जानकारी के अनुसार, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई इस कार्रवाई के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए, जिनमें धोखाधड़ी के शिकार दंपतियों का विवरण, अपराध की आय से खरीदी गई संपत्तियों के कागजात और नकली सरोगेसी समझौतों के प्रमाण शामिल हैं।

मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूबे कई युवक, तीन शव बरामद, सीएम योगी ने जताया दुख

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के खेरागढ़ थाना क्षेत्र में स्थित डूंगरवाला के पास उटंगन नदी में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। कुसियापुर गांव के 13 युवक गहरे पानी में डूब गए, जिसमें से तीन के शव बरामद हो चुके हैं। इस घटना में एक युवक को बचाने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया है, जबकि शेष नौ की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से जारी है। इस घटना से पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया है। हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। कुसियापुर गांव के चामुंडा माता मंदिर से दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए 40-50 ग्रामीण मौजूद थे। इनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी शामिल थे। वे सभी नदी किनारे पहुंचे। महिलाओं और बच्चों को किनारे रोककर युवक मूर्ति को नदी में विसर्जित करने उतरे। अचानक तेज बहाव के कारण पांच युवक गहरे पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में आठ अन्य युवक भी नदी में कूद पड़े, लेकिन वे भी बह गए। इससे अफरा-तफरी मच गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीएम योगी आदित्यनाथ ऑफिस से किए गए पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जनपद आगरा में एक दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं की शांति व घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

पंजाब में अशांति फैलाने की साजिश रच रहा शख्स गिरफ्तार, दो हथगोले जब्त

अमृतसर । अमृतसर पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में तरनतारन जिले के रविंदर सिंह उर्फ रवि को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो हथगोले बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि रविंदर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था। उसने ये हथगोले सीमा पार से प्राप्त किए थे। यह कार्रवाई अमृतसर ग्रामीण के घरिंडा पुलिस थाने की टीम ने अंजाम दी। थाने में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, रविंदर आईएसआई के इशारे पर राज्य में अशांति फैलाने कीसाजिश रच रहा था। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया। रविंदर सिंह तरनतारन के एक गांव का रहने वाला है और लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था। वह पाकिस्तानी हैंडलरों से व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए संपर्क में था। इन संपर्कों से पैसे और हथियार प्राप्त करने की बात सामने आई है। घरिंडा थाने के प्रभारी ने बताया, आरोपी से पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए टीम सक्रिय है। उसके अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है। पुलिस को शक है कि यह गिरोह पंजाब में सीमा के पास कई जगहों पर सक्रिय है। आगे की जांच में ड्रोन सर्विलांस और साइबर फॉरेंसिक का सहारा लिया जा रहा है।

द्वारका में पुलिस की मुस्तैदी: 5 साल की बच्ची परिवार से मिली, 'खोया-पाया केंद्र' की सराहना

दिल्ली । दिल्ली के सेक्टर-10 द्वारका पुलिस चौकी की टीम ने एक बार फिर अपनी तत्परता का परिचय देते हुए रामलीला मेले में बिछड़ी 5 साल की बच्ची को उसके परिवार से मिला दिया। यह घटना द्वारका जिले में चल रहे रामलीला उत्सव के दौरान हुई, जहां पुलिस ने 'खोया-पाया केंद्र' की मदद से बच्ची को सुरक्षित माता-पिता तक पहुंचाया। द्वारका के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित सिंह, आईपीएस के निर्देशन में जिले की सभी रामलीलाओं में 'खोया-पाया केंद्र' स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य मेले में खोए हुए बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों को उनके परिवारों से मिलाना है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों में लोगों की सुरक्षा और सुविधा उनकी प्राथमिकता है। इस पहल के तहत सेक्टर-10 पुलिस चौकी की टीम ने पहले भी दो बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया था। इस बार बिहार के बेगूसराय की रहने वाली 5 साल की एक बच्ची रामलीला मेले में अपने माता-पिता से बिछड़ गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-10 पुलिस चौकी प्रभारी एसआई रजत मलिक, एचसी केदार सिंह गुर्जर, एचसी कमलेश और एचसी शैतान सिंह की टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

वाहन चोरी और छिनैती में शामिल दो बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कोतवाली नगर थाना टीम ने लूट, छिनैती और चोरी के कई मामलों में शामिल दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने इनके कब्जे से दो छीने गए मोबाइल, एक चोरी की मोटरसाइकिल, देसी तमंचा, एक कारतूस और 2100 रुपये बरामद किए हैं। घटना गुरुवार देर रात की है, जब कोतवाली नगर पुलिस आर्य फार्महाउस के पास नियमित चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया। दोनों ने रुकने के बजाय बाइक को गौरंग कंपनी की ओर मोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा किया। इस दौरान बदमाशों की मोटरसाइकिल फिसल गई।

पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें सहारनपुर निवासी शिवा उर्फ शिवम के पैर में गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल भेजा गया। दूसरे बदमाश, मुकेश को भी पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वे एनसीआर क्षेत्र में भीड़भाड़ वाली जगहों पर मोटरसाइकिल चोरी करते थे और फिर उसी बाइक से लोगों के मोबाइल, पर्स और अन्य सामान छीनकर फरार हो जाते थे। बरामद मोटरसाइकिल को उन्होंने कुछ दिन पहले रामलीला ग्राउंड के पास से चोरी किया था। 30 सितंबर 2025 को उन्होंने एमएमजी अस्पताल के सामने एक लड़के से और नंदग्राम में एक ऑटो सवार से मोबाइल छीने थे। वे नई वारदात की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने बताया कि कोतवाली नगर पुलिस लगातार अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चेकिंग अभियान चला रही है। इस कार्रवाई में बरामद मोबाइल और मोटरसाइकिल को चोरी की घटनाओं से जोड़ा गया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 106.30 लाख के 49 इनामी सहित 103 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता दशहरा पर्व के दिन बीजापुर में 103 नक्सलियों ने बीजापुर एसपी कार्यालय पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित 103 नक्सलियों पर कुल एक करोड़ छह लाख रूपये का इनाम घोषित था। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी 103 नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50-50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। आत्मसमर्पित 103 नक्सलियों में डीव्हीसीएम -1, पीपीसीएम- 4, एसीएम-4, प्लाटून पार्टी सदस्य-1, डीएकेएमएस अध्यक्ष-3, सीएनएम अध्यक्ष-4, केएएमएस अध्यक्ष-2, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य-5, मिलिशिया कमाण्डर/डिप्टी कमांडर-5, जनताना सरकार अध्यक्ष-4, पीएलजीए सदस्य-1, सीएनएम सदस्य-12, जनताना सरकार उपाध्यक्ष- 4, डीएकेएमएस उपाध्यक्ष-1, जनताना सरकार सदस्य-22, मिलिशिया प्लाटून सदस्य -23, जीपीसी-2, डीएकेएमएस सदस्य -4, भूमकाल मिलिशिया सदस्य -1 सहित कुल 106.30 लाख रूपये के ईनामी 49 नक्सलियों सहित 103 नक्सली

इसमें शामिल हैं। बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने नक्सलियों से अपील की है कि वे शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और शांतिपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिये और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। उन्होंने नक्सलियों से आग्रह किया कि वे भ्रामक विचारधाराओं को त्यागें और निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें। उन्होने बताया कि अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्प की स्थापना के साथ शासन की विकासोन्मुखी कार्य सड़कों का विस्तार, परिवहन की सुविधा, पानी, बिजली एवं शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजना ग्रामीणों तक पहुंचने लगी है। सुरक्षा बलों का ग्रामीणों के साथ हो रहे सकारात्मक संवाद, सामुदायिक पुलिसिंग के तहत् दी जा रही जनकल्याकारी योजनाओं की जानकारी एवं छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के व्यापक प्रचार प्रसार से नक्सलियो का संगठन से मोहभंग हुआ है ।

दिवाली से पहले किसानों को मदद नहीं मिली तो स्थानीय चुनाव नहीं होने देंगे: मनोज जारांगे

एजेंसी

मुंबई। मराठा नेता मनोज जारांगे ने बीड में कहा कि जबत राज्य सरकार दिवाली से पहले किसानों को मदद नहीं मिली, तो वे किसी भी जिले में स्थानीय चुनाव नहीं होने देंगे। जारांगे ने राज्य में भारी बारिश से त्रस्त किसानों की मदद के लिए बारिश सूखा अकाल घोषित करने की मांग की है। मराठा नेता मनोज जारांगे बीड़ जिले के नारायणगांव में दशहरा सभा को संबोधित कर रहे थे। मनोज जारांगे ने कहा कि इस वर्ष भारी बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। उनके घर बह गए हैं। किसानों की हालत बहुत खराब है। इसलिए दिवाली से पहले राज्य सरकार को बारिश-अकाल घोषित किया जाना चाहिए। दिवाली से पहले किसानों को 70,000 रुपये प्रति हेक्टेयर दिए जाने चाहिए। जिनके खेत और फसलें बह गईं, उन्हें 01 लाख 30 हजार रुपये मुआवजा दिया जाना चाहिए। जिनके पशु, कृषि उत्पाद, घरेलू अनाज और गहने बह गए हैं, उन्हें किसानों की माँग के अनुसार पंचनामा करके 100 प्रतिशत मुआवज़ा दिया जाना चाहिए। जारांगे ने कहा कि भारी बारिश से प्रभावित गन्ना किसानों के मुआवजे में 15 रुपये प्रति टन की कटौती करने का निर्णय लिया गया है। एक भी रुपये की

कटौती नहीं होनी चाहिए। महाराष्ट्र के किसानों को कर्जमाफी दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र में पिछले बीस सालों में आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।जारांगे ने कहा कि कृषि को नौकरी का दर्जा दिया जाए। खेतों में काम करने वाले बच्चों को 10 हज़ार रुपये प्रति माह दिए जाए। जारांगे ने कहा कि हम गन्ना किसानों से 15 रुपये नहीं लेंगे। मंत्रियों, नेताओं, उद्योगपतियों से पैसे लो। कर्मचारियों के वेतन में कटौती करो। किसानों के लिए मांस खाने का समय आ गया है। जारांगे ने कहा कि अगर सभी मांगें नहीं मानी गईं, तो हम महाराष्ट्र के सभी किसानों को बुलाएंगे। हम उनके साथ बैठक करेंगे और विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। जब तक किसानों को न्याय नहीं मिल जाता, हम पीछे नहीं हटेंगे। जारांगे ने कहा कि अगर सरकार दिवाली तक किसानों की मांगें नहीं मानती, तो हम स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने देंगे। वरना, हम गांवों में वोटिंग मशीनें नहीं लगने देंगे।

मप्र के खंडवा में दुर्गा विसर्जन के दौरान तालाब में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 11 लोगों की मौत

एजेंसी

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में पंधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अर्दला में गुरुवार शाम को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में गिर गई। हादसे में आठ बच्चियों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें नौ साल के बच्चे से लेकर 25 साल तक के युवा हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर है। करीब 35 से 40 लोगों के डूबने की जानकारी मिली है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। पंधाना थाना पुलिस के मुताबिक, अर्दला गांव में करीब 4 बजे देवी विसर्जन के लिए कच्चे पुल पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलट गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग पानी में जा गिरे। उनको बचाने के लिए 10-15 लोगों ने तालाब में छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर शाम करीब 5 बजे पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर

पहुंची और जेसीबी की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। रात नौ बजे तक 11 शव निकाले जा चुके थे। सूचना मिलने पर खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता समेत प्रशानिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि ट्रैक्टर ड्राइवर को तालाब की गहराई का अंदाजा नहीं था। अति उत्साह में वे लोग ट्रॉली समेत नीचे उतर गए। ट्रॉली पलटने से सभी लोग पानी में डूब गए। उन्होंने बताया कि रात नौ बजे तक 11 लोगों के शवों को तालाब से बाहर निकाला गया है। रेस्क्यू के लिए बुरहानपुर और ओंकारेश्वर से भी एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया था। रात नौ बजे रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हुआ। आखिरी शव चंदा नाम की बच्ची का निकाला गया। उन्होंने बताया कि मृतकों को आरबीसी की धारा के तहत चार-चार लाख रुपये की राहत राशि देने के साथ ही शासन से राहत दिलवाने की के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर ने बताया कि मृतकों में आयुष (9) पुत्र भारत , रेव सिंग (13) पुत्र मुंशी सिंह, दिनेश (13) पुत्र शांतिलाल, शर्मिला (15) पुत्र प्यार सिंह, संगीता (16) पुत्री ज्ञान सिंह, किरण (16) पुत्री रेमसिंग, उर्मिला (16) पुत्री रेलसिंग, गणेश (20) पुत्र तेर सिंह, पाटली (25) पुत्री कैलाश, आरती पुत्री प्यार सिंह और आठ वर्षीय चंदा नाम की बालिका शामिल है। वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका खंडवा के जिला अस्पताल में उपचार जारी है। खंडवा जिला अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि सोनू (16) पुत्र थावर सिंह, सोनू ( )18 पुत्र रिशू और मंजुला (17) पुत्री मांगीलाल (17) की हालत गंभीर है। उनके फेफड़ों में पानी भर गया है।

बालासाहेब की शाल धारण करने से कोई बालासाहेब नहीं बन जाता: उद्धव ठाकरे

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि बालासाहेब की शाल धारण करने से कोई बालासाहेब नहीं बन जाता है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ लोग बालासाहेब की शाल पहनकर बालासाहेब ठाकरे बनने का प्रयास कर रहे हैं, जनता उन्हें कुछ समय बाद चप्पलों से पीटेगी। उद्धव ठाकरे मुंबई के दादर में स्थित शिवाजी पार्क पार्क मैदान पर दशहरा सभा को संबोधित कर रहे थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भेडिये़ द्वारा बाघ की खाल ओढने़ की कहानी तो हम जानते हैं। लेकिन आज मैंने पहली बार बालासाहेब की भगवा शॉल ओढ़े गधे की तस्वीर देखी। गधे को चाहे जितनी शॉल पहना दो, गधा गधा ही रहता है। एक दिन जनता जूतों से पिटेगी। वह दिन दूर नहीं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कई पार्टियां मेरी शिवसेना को तोडने़ पर तुली हैं। लेकिन एक बात याद रखना, जो चुराया गया वह पीतल था। मेरे पास मेरा असली सोना है। शिवसैनिकों की वफ़ादारी की तारीफ़ करते हुए उन्होंने आगे कहा, यही मेरा सोना है। जान देने वाले, वफ़ादार शिवसैनिक, मेरा सोना हैं। इसी सोने की बदौलत मैं फिर से खड़ा होऊँगा। उद्धव ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के विधायकों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने सीधा आरोप लगाया, गद्दार किसानों का पैसा लेकर गुवाहाटी भाग गए। इस मौके पर उन्होंने राज्य में बाढ़ प्रभावित किसानों के मुद्दे की ओर ध्यान दिलाया और सरकार को कड़ी चेतावनी दी। मराठवाड़ा में बाढ़ प्रभावित किसानों की दुर्दशा पर उद्धव ठाकरे ने सरकार से तत्काल मदद की माँग की।

महाराष्ट्र सरकार किसानों के साथ : एकनाथ शिंदे

एजेंसी

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोरेगांव में कहा कि राज्य में सूखे या बाढ़ की स्थिति में हमारी सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी रही है। एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया कि अब किसानों पर आई प्राकृतिक आपदा के कारण हम उनके साथ खड़े रहेंगे। मैंने खुद किसानों की आँखों में आँसू देखे हैं और उन्हें भरोसा भी दिलाया है कि मैं उनके साथ मजबूती से खड़ा रहूँगा। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि वे पक्ष प्रमुख नहीं कटप्रमुख हैं। उन्होंने सिर्फ एक कुर्सी के लिए शिवसेना को खत्म कर दिया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गोरेगांव के नेस्को सेंटर में दशहरा सभा को संबोधित कर रहे थे। शिंदे ने कहा कि हम सभी मानदंडों को ताक पर रखकर किसानों की मदद करेंगे। हमारे हाथ कभी खाली नहीं होते। मदद करने वाले लोग हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जो किसान अभी आए हैं, उनकी तुरंत मदद की जाएगी। शिंदे ने कहा कि वे जहाँ भी संकट होता है, वहाँ खड़े रहते हैं, इसलिए महाराष्ट्र में मौजूदा बारिश संकट के कारण, वह सादगी से यह सभा संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने बिना नाम लिए उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा, 'मैं घर से काम करने वाला या वैनिटी वैन लेकर दौरे पर जाने वाला कार्यकर्ता नहीं हूँ।' उन्होंने आगे कहा कि इस रैली के लिए केवल कुछ लोगों को आमंत्रित किया गया है, बाकी सभी वहाँ मदद कर रहे दिया। इससे शिवसेना कार्यकर्ताओं में रोष था। इसी वजह से शिवसेना में बगावत हुई। आज भी बची खुची शिवसेना में प्रचंड असंतोष है। एक दिन ऐसा आएगा कि उद्धव ठाकरे के साथ कोई नहीं रहेगा। शिंदे ने कहा कि उस समय भी मैं एक कार्यकर्ता के रूप में काम करता था, अब भी मैं शिवसेना का कार्यकर्ता हूँ और अब आपको

हैं। शिंदे ने शिवसैनिकों से प्रभावित किसानों की मदद करने की भी अपील की। एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर कार्यकर्ताओं को खत्म करने का आरोप लगाया। शिंदे ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने सिर्फ मुख्यमंत्री पद के लिए बालासाहेब ठाकरे के विचारों को छोड़ एकनाथ शिंदे बनकर काम करना है। हमें अपने किए गए कामों को लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की, प्रगतिशील लोगों की मदद करें, किसान संकट में हैं। शिवसेना के सदस्य का पहला कर्तव्य संकट में फंसे किसानों की मदद करना है।

बांदा में पटाखा विस्फोट से मासूम की मौत, भाई घायल

बांदा । उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में दशहरा पर्व की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गईं। सड़क किनारे एक पटाखे के फटने से 6 वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यह दिल दहला देने वाला हादसा उस समय हुआ, जब दोनों भाई देवी विसर्जन के बाद घर लौट रहे थे। घटना बांदा नगर कोतवाली क्षेत्र के बड़ोखर खुर्द गांव की है। जानकारी के मुताबिक, 9 वर्षीय सूरज और उसका 6 वर्षीय छोटा भाई आकाश देवी विसर्जन के बाद सड़क किनारे पड़े पटाखों के साथ खेल रहे थे। खेल-खेल में आकाश ने एक पटाखा उठा लिया। अचानक पटाखे में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे आकाश का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में सूरज को भी गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया। परिजनों ने तत्काल दोनों बच्चों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। चिकित्सकों ने आकाश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर रेफर किया।

कोटा का दशहरा मेला धार्मिक आस्था, संस्कृति और लोक परंपराओं का अद्वितीय संगम : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

कोटा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सत्य का मार्ग कितना भी चुनौतीपूर्ण हो, समुद्र के समान कितना भी गहरा हो लेकिन समाधान का रामसेतु बन ही जाता है। उन्होंने कहा कि कोटा का दशहरा मेला केवल एक उत्सव नहीं बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।शर्मा ने कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित 132वें राष्ट्रीय दशहरा मेला में आमजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह मेला पूरे भारत में अपनी भव्यता और ऐतिहासिक महत्व के लिए विख्यात है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के दिलों में भी यह मेला एक विशेष स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि यह मेला धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक आयोजन, मनोरंजन और लोक परंपराओं का अद्वितीय संगम है। इस बार का दशहरा मेला कई मायनों में विशेष है क्योंकि मेले का आयोजन तिरंगा थीम पर किया

गया है जो हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में राजस्थान और अन्य राज्यों के कारीगर अपने पारंपरिक हस्तशिल्प, आभूषण, वस्त्र और सजावटी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाने के लिए आते हैं। यह बाजार हमारे कुशल कारीगरों की प्रतिभा और राजस्थान की समृद्ध शिल्प परंपरा का उचित मंच है। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे शिल्पकारों और कारीगरों में भी नया उत्साह देखने को मिल रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी सुधारों के तहत विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी है। इन जीएसटी सुधारों से इस बार त्योहारी सीजन में आम आदमी की खुशियां भी दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि हम सब प्रदेश को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लें तथा वोकल फोर लोकल के मंत्र को आत्मसात करें। शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम ने रावण जैसी बुराइयों का अंत कर रामराज्य की स्थापना की। रामराज्य में समाज में सुख-समृद्धि का वास और खुशहाली का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की संकल्पना निहित होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नर को नारायण और दीन को देवता मानते हुए अपने कार्यकाल में महिला, युवा, किसान और गरीब के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। महिला सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण के लिए भी राज्य सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। साथ ही, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम किया जा रहा है।

पुनर्जागरण की धारा में संघ का स्थान महत्वपूर्ण : दलाई लामा

एजेंसी

नागपुर। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को उसकी शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शुभकामना संदेश भेजा है। इस संदेश में उन्होंने कहा कि राष्ट्र पुनर्जागरण की व्यापक धारा में संघ का स्थान विशिष्ट और महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र के नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित विजयादशमी समारोह में देश-विदेश से कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। किन्हीं कारणों से दलाई लामा स्वयं कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने संघ के बारे में बहुत ही प्रेरणादायी शुभकामना संदेश भेजा, जिसे मंच पर पढ़कर सुनाया गया।दलाई लामा का संदेश-पुनर्जागरण की इस व्यापक धारा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है। संगठन की स्थापना निःस्वार्थ भाव से हुई थी, जिसमें कर्तव्यबोध की निर्मल भावना थी और किसी प्रतिफल की अपेक्षा नहीं थी। संघ से जुड़ने वाला प्रत्येक स्वयंसेवक मन की पवित्रता और साधनों की पावनता पर आधारित जीवन जीना सीखता है। संघ की सौ वर्षीय यात्रा समर्पण और सेवा का एक दुर्लभ तथा अनुपम उदाहरण है। इसने निरंतर समाज को एकजुट करने का कार्य किया है और भारत को भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से सशक्त बनाया है। भारत के दुर्गम क्षेत्रों में भी संघ ने शैक्षिक और सामाजिक विकास में योगदान दिया है, साथ ही आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भी सहयोग प्रदान किया है। कार्यक्रम में देश-विदेश के ये गणमान्य अतिथि रहे मौजूदसंघ के विजयादशमी कार्यक्रम में देश और विदेश से कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता (सेवानिवृत्त)- वे भारतीय सेना के पूर्व कमांडर रहे हैं, जिन्होंने 1984 में कुमाऊं रेजिमेंट से सेवा आरंभ की थी। उन्होंने यूएन मिशन (सीरा लियोन) में भी प्रतिनिधित्व किया है। के. वी. कार्तिक- प्रबंध निदेशक, डेक्कन इंडस्ट्रीज (कोयंबटूर)। वे भारत में मोटर पंप निर्माण के अग्रणी उद्यमियों में से हैं और वर्तमान में इंडियन पंप मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। संजीव बजाज-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बजाज फिनसर्व।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच विकेट पर 448 रन बनाये , राहुल , जुरेल और जडेजा ने लगाये शतक

–286 रनों की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। ध्रुव जुरेल 125, रविंद्र जडेजा नाबाद 104 और के एल राहुल 100 की शतकीय पारियों की सहायता से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर शिकंजा कस दिया। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार पारी के आधार पर भारतीय टीम को 286 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। मैच के दूसरे दिन भी भारतीय बल्लेबाज हावी रहे। जडेजा और जुरेल ने पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के सयम जडेजा नाबाद 104 और वाशिंगटन सुंदर 9 क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज की ओर से केवल कप्तान रोस्टन चेज ही दो विकेट ले पाये।

राहुल ने इस मैच में अपना 11 शतक पूरा किया। घरेलू सरजमीं पर यह राहुल का दूसरा टेस्ट शतक है। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 100 गेंद में 50 रन बनाकर चेज की गेंद पर आउअ हुए।

वहीं पहले दिन वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की थी। भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम 162 रन ही बना पायी। सिराज ने 4 जबकि बुमराह 3 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर ने 2 और एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज की तरफ से जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे अधिकि 32 रन बनाये।

सिराज ने बनाया रिकार्ड

सिराज ने इस मैच में चार विकेट लेकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह इस साल 30 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप देशों के पहले गेंदबाज बन गए, उन्होंने मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 29 विकेट लिए हैं।

भारत 'ए' महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी, इन खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 'ए' महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी। इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है।

अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।'

भारत 'ए' टीम

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो

फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के ताबड़तोड़ आक्रामक बल्लेबाजों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाया।

जडेजा का रिकॉर्ड

36 वर्षीय जडेजा ने इस मैच में चार छक्के लगाए और अपने टेस्ट करियर में कुल 79 छक्कों तक पहुंच गए। यह संख्या एमएस धोनी के 78 छक्कों को पार कर गई। जडेजा ने अपनी आक्रामक पारी और निरंतर छक्कों की क्षमता से टीम के लिए दबाव बनाने का काम किया।

भारत में सबसे ज़्यादा छक्के

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में जडेजा से अधिक छक्के केवल तीन बल्लेबाजों ने लगाए हैं: वीरेंद्र सहवाग (91), ऋषभ पंत (90) और रोहित शर्मा (88)। जडेजा ने यह मुकाम अपने आक्रामक बल्लेबाज़ी अंदाज़ और बड़े शॉट खेलने की कुशल तकनीक से हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना

विश्व टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा छक्के इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम हैं, जिन्होंने 179 पारियों में 136 छक्के जड़े। इसके बाद ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) का स्थान है।

महिला विश्व कप: इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत, द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी (एजेंसी)। लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजैन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था।

इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया। गेंदबाजों की पकड़ वाली पिच पर इंग्लैंड ने, जिसने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, दूसरे ओवर में ही स्मिथ (4-2-7-3) को गेंद थमा दी और इस कदम का तुरंत फायदा हुआ। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को आउट कर दिया। स्मिथ ने चौथे ओवर में वापसी करते हुए ताजमिन ब्रिट्स को एक कोण से आती हुई गेंद पर आउट किया और छठे ओवर में उन्होंने अनुभवी कप्प को आउट कर दिया।

कप्प का आगे की ओर किया गया प्रयास गेंद तक नहीं पहुंच पाया और स्मिथ की गेंद स्टंप्स पर जा लगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस को आउट किया और दक्षिण अफ्रीका पहले छह ओवरों में ही 19 रन पर चार विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था, और वे उस स्थिति से कभी उबर नहीं पाए। दक्षिण अफ्रीका की कैप, लूक और ब्रिट के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का पूरा दबाव था। लेकिन वे इस चुनौती को पूरा नहीं कर पाए और थोड़ी सुस्त पिच और सटीक इंग्लैंड के गेंदबाज़ों के आगे घुटने टेक दिए।

इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट (2/5) ने क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लार्क को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ा दीं और इस तरह देर से वापसी की कोई भी संभावना भी खत्म हो गई। दक्षिण अफ्रीकी पारी में केवल सिनालो जाफ्टा ही दो अंकों का आंकड़ा पार कर पाए, जिससे पता चलता है कि उस दिन उनकी कितनी मुश्किलें थीं। विकेटकीपर बल्लेबाज जाफ्ता (22) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपने न्यूनतम स्कोर 51 पर सिमटने से बचा सकीं।

शुभमन ने की गावस्कर के 47 साल पहले बनाये रिकार्ड की बराबरी

अहमदाबाद। भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही शुभमन गिल छाये हुए हैं। अब शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही कप्तान के तौर पर 47 साल पुराने सुनील गावस्कर के रिकार्ड की बराबरी की है। गावस्कर ने साल 1978 में अपने पहले घरेलू टेस्ट में अर्धशतक जमाया था और अब शुभमन ने भी घरेलू धरती पर कप्तानी करते हुए अपने पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया है। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 गेंदों पर अपना अर्धशतक लगाया। इससे कप्तान के तौर पर उनका मनोबल और बढ़ा है। अर्धशतक के बाद शुभमन ने तेजी से रन बनाये पर रोस्टन चेज़ की गेंद पर रिवर्स स्वीप के प्रयास में 57 रन बनाने के बाद भी आउट हो गए। इससे पहले शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में अपने 5 मैचों में 754 रन बनाए थे।

बुमराह ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने पहली पारी में 42 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही अपनी ही धरती पर 50 विकेट पूरे किए। बुमराह ने ये विकेट केवल 13 मैचों में ही हासिल किए। भारतीय धरती पर बुमराह का औसत 17 विकेट है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 50 से अधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में ये सबसे अच्छा औसत है। पिछले 113 साल में दुनिया में कोई भी खिलाड़ी इस मामले में बुमराह से बेहतर नहीं कर पाया।

बुमराह से बेहतर औसत वाले तीन खिलाड़ियों में से दो ने 19वीं सदी में खेला था। वहीं 21वीं सदी में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी सिडनी बार्न्स थे। बुमराह का घरेलू स्ट्राइक रेट 35.1 है, ये इतिहास में तीसरा सबसे अच्छा है। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के मार्को जैनसन 33.8 और पहले नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा 35.00 हैं। इसके अलावा, बुमराह टेस्ट क्रिकेट में 200 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं जिनका औसत 20 से कम 19.74 है।

मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में रचा इतिहास, 199 किग्रा का वजन उठाकर अपने नाम किया सिल्वर मेडल

फोर्डे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने नार्वे के फोर्डे में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में 199 किग्रा का वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। अब आखिरकार इस प्रतियोगिता में उनका ये तीसरा मेडल है। वह कुंजारानी देवी और कर्णम मल्लेश्वरी के बाद दो से ज्यादा वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय वेटलिफ्टर बन गई हैं।

बता दें कि, मीराबाई पिछले कुछ सालों में मानसिक और शारीरिक तना से काफी जूझ रही थीं। पेरिस ओलंपिक और उससे पहले एशियन गेम्स 2023 में चौथे स्थान पर रहते हुए निराशा उनके हाथ लगी थी। 48 किग्रा वर्ग में मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम समेत कुल 199 किग्रा का भार उठाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा किया। वह उत्तर कोरिया कि रि सोंग गुम से पीछे रह गईं और गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं। रि सोंग ने कुल 213 किलो का भार उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। जबकि चीन की थान्याथन ने ब्रॉन्जमेडल जीता। स्नैच राउंड के बाद चीन की वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से 4 किलोग्राम आगे चल रही थीं। लेकिन क्लीन एंड जर्क में मीराबाई ने कमाल किया और 1 किलो की कुल लीड से सिल्वर मेडल भारत की झोली में डाल दिया। वहीं मीराबाई आखिरी बार टोक्यो ओलंपिक में दिखी थीं। जहां उन्होंने 115 किलोग्राम का भार क्लीन एंड जर्क में उठाया था। वहां भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। उसके बाद पिछले चार सालों में वह लगातार चोट और सर्जरी से गुजर रही हैं। हालांकि, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। वर्ल्ड चैंपियनशिप के मंच पर सिल्वर मेडल जीतने के बाद वह प्लेटफॉर्म से सीधा अपने कोच विजय शर्मा के पास गईं और उनका धन्यवाद किया।

गगनजीत भुल्लर जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंचे

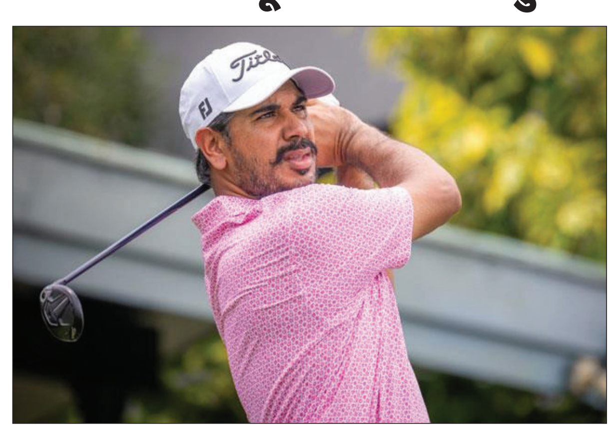

जकार्ता। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर वर्षा से बाधित जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में एक समान पांच अंडर 65 का कार्ड खेल शुक्रवार को दूसरे स्थान पर रहे। भुल्लर अब थाईलैंड के पावित टांगकमोलप्रासर्ट (64–65) से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं, हालांकि दूसरे दिन का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। 37 साल के खिलाड़ी ने पहले दौर की शुरुआत ईगल के साथ की, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहने दिन का खेल पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने शुक्रवार को सुबह अपने पहले दौर को पूरा किया और फिर दूसरे दौर के बाद अपना कुल स्कोर 10 अंडर कर लिया। भुल्लर के एशियन टूर पर कुल 11 खिताब हैं, जिनमें से पांच जीतें उन्होंने इंडोनेशिया में हासिल की हैं। अब वह इस देश में अपनी छठी जीत की तलाश में हैं। अन्य भारतीयों में एस. चिक्कारंगप्पा ने पहले राउंड में 69 और दूसरे में 67 का स्कोर किया। वह संयुक्त 26वें स्थान पर है। राहिल गंगजी, खालिन जोशी, विराज मडप्पा , करणदीप कोचर और अजीतेश संधू, एसएसपी चौरसिया और युवराज संधू का दूसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है।

यूरोपा लीग : रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, लिली ने 1–0 से हराया

रोम। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1–0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है। अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2–0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2–1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3–0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

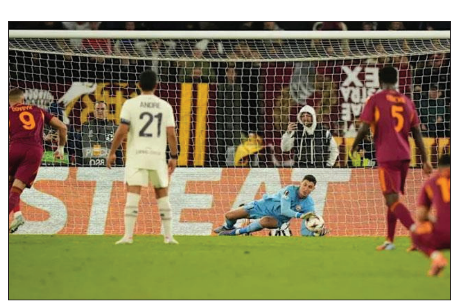

ऋषभ गोल्फ खेलते दिखे

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौर में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल गोल्फ खेलकर समय बिता रहे हैं। ऋषभ का गोल्फ खेलते हुए का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उन्हें अभी तक फिटनेस हासिल नहीं करने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभी उनकी जगह पर युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर एक तौर पर रखा गया है। ऋषभ जुलाई में इंग्लैंड दौरे के समय ही पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में एक लिखा- फ्र गेंद हर जगह गई। सिवाय इसके की जहां उसे चाहिए था। वीडियो में वह गेंद को पुट करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं अंत में होल में डालने के बाद उत्साहित नजर आये। वह चोटिल होने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाये। अब माना जा रहा है कि इस माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो' की होगी।

दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है।' दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस

अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।' उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे।'

उन्होंने कहा, 'मैं विभिन्न तरह की परिस्थितियों को मन में सोच कर अभ्यास कर रही हूं, मानसिक प्रशिक्षण ले रहा हूं। मैं हर समय इस खेल के बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।' दीपिका ने ओलंपिक खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत की पदक की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हर कोई सोच रहा था कि यह कब होगा और आखिरकार हो ही गया। कई टूर्नामेंटों में हमारे पदकों की संख्या पहले ही बढ़ चुकी है और हमारी कंपाउंड टीम बहुत मजबूत है।'

दीपिका ने भारत में आयोजित हो रही पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की भी सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे कदम की जरूरत थी और इससे देश के तीरंदाजों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम यहीं

भारत में एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि पहली बार ऐसी लीग शुरू हुई है। हम इसका लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।'

शहनाज़ का नया गाना 'खंड लगदी' कर रहा है खूब ट्रेंड

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस शहनाज़ गिल का नया गाना 'खंड लगदी' ट्रेंड कर रहा है, जिसे लेकर उन्होंने वीडियो मैसेज के जरिए खुशी जाहिर की। वीडियो में शहनाज़ कहती नजर आईं, "मैंने अभी देखा कि हमारा 'खंड लगदी' गाना वायरल हो रहा है, थैंक्यू सो मच। सिंगर जैस्मिन ने भी इस गाने को बहुत अच्छा गाया है। मेरा भी मन कर रहा है गाना गुनगुनाने का, हालांकि मैं उनकी तरह नहीं गा पाऊंगी लेकिन कोशिश कर सकती हूं।' वीडियो शेयर करते हुए शहनाज़ ने कैप्शन में लिखा, 'खंड लगदी दुनिया भर में ट्रेंड कर रहा है। आप सभी के प्यार और रील्स के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, और मेरी खराब गायकी के लिए माफ करें।' इसके बाद उन्होंने गाने की कुछ लाइनें गुनगुनाई, जिसे फैंस ने बेहद पसंद किया। उनकी प्यारी और मासूम अदाओं के साथ सिंगिंग का यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस ने शहनाज़ की इस कोशिश की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी आवाज में जादू है, हमारी क्वीन शहनाज़ गिल, गॉड ब्लेस यू।' वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, 'गाने के लिरिक्स बहुत मुश्किल हैं लेकिन आपने बहुत प्यारा गाया है।' कई फैंस ने उनकी सिंगिंग टैलेंट को सराहते हुए लिखा कि वह एक्टिंग के साथ-साथ सिंगिंग में भी शानदार हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो 'खंड लगदी' शहनाज़ गिल की अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'एक कुड़ी' का गाना है। इस फिल्म में वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं। पहले फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब यह फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करिश्मा कपूर का रॉयल लुक खूब भा रहा है फैंस को

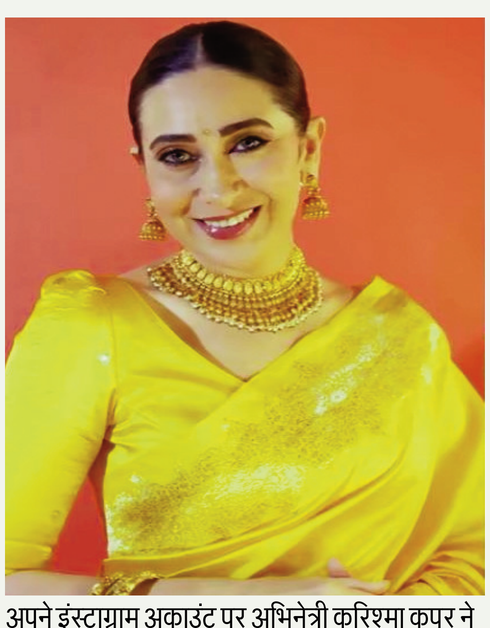

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। करिश्मा वीडियो में पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं और उनका रॉयल लुक फैंस को खूब भा रहा है। वीडियो में करिश्मा कपूर पीले रंग की खूबसूरत साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं। उनके इस आउटफिट को भारी नेकलेस, झुमके और कड़े ने पूरा किया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। उन्होंने बालों को बन में बांधा और उस पर गजरा सजाया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और निखरकर सामने आया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास से भरी अदाएं फैंस का दिल जीत रही हैं। करिश्मा का यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कमेंट बॉक्स में फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आप बढ़ती उम्र के साथ और भी खूबसूरत होती जा रही हैं।' दूसरे ने लिखा,' आपने साड़ी को बेहद शालीनता के साथ कैरी किया है, आप किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहीं।' वहीं कई लोगों ने उनकी उम्र पर हैरानी जताते हुए लिखा, 'क्या आप सच में 51 की हैं? यकीन नहीं होता, आप तो अभी भी 25 की लगती हैं।' करिश्मा कपूर 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रही हैं और अब भी उनका अंदाज नए कलाकारों को कड़ी टक्कर देता है। फैंस का कहना है कि करिश्मा का स्टाइल और ग्रेस उन्हें हमेशा युवा बनाए रखता है। उनके इस पोस्ट पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स बढ़ रहे हैं और सोशल मीडिया पर यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर चर्चा में ईशा गुप्ता

अपनी अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर एक्ट्रेस ईशा गुप्ता चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। ईशा पहली तस्वीर में कमर पर हाथ रखकर दिलकश पोज देती नजर आईं, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका अलग और स्टाइलिश लुक सामने आया।

इन तस्वीरों ने फैंस का ध्यान खींच लिया और कमेंट बॉक्स में तारीफों की बौछार शुरू हो गई। ईशा गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'जन्नत 2' से की थी, जिसमें वह इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और स्टाइल से पहचान बनाई। अब वह 'धमाल-4' में दिखाई देंगी, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है।

हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी किया, जिसके बाद से फैंस का इंतजार और भी बढ़ गया है।

यह फिल्म टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर इंद्र कुमार के हाथ में है, जबकि अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक फिल्म के निर्माता हैं। साल 2011 में डबल धमाल और फिर टोटल धमाल आई, जिन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। अब धमाल-4 एक बार फिर हंसी और मनोरंजन का डोज देने के लिए तैयार है। यह फिल्म 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन और ईशा गुप्ता के साथ संजय मिश्रा, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। फैंस का कहना है कि इस बार भी धमाल सीरीज अपनी पुरानी सफलता को दोहराएगी और उन्हें जोरदार कॉमेडी का तोहफा देगी। बता दें कि धमाल फैंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी की जोड़ी ने दर्शकों को खूब हंसाया।

स्त्री-3 फिल्म सुनाएगी स्त्री के बचपन की कहानी

बालीवुड की अपकमिंग फिल्म थामा के साथ ही श्रद्धा कपूर की स्त्री मूवी सीरीज फिर एक बार सुर्खियों में है। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना इस फिल्म में प्रमुख भूमिका में है। दिनेश विजान के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में अब जल्द ही कुछ और नए किरदार जुड़ने जा रहे हैं। एक तरफ जहां थामा का ट्रेलर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ मैडॉक फिल्म्स ने अपना एनिमेटेड मूवी भी अनाउंस कर दिया है। इसका नाम छोटी स्त्री होगा।

दिलचस्प बात यह है कि छोटी स्त्री की कहानी सीधे स्त्री-3 से कनेक्ट होगी। श्रद्धा कपूर ने आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा के ट्रेलर लॉन्च में इस फिल्म को फैंचाइसी से अपना पसंदीदा पार्ट बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि यह फिल्म ना सिर्फ एक मजेदार सफर साबित होगी, बल्कि आने वाली फिल्मों के लिए एक भूमिका भी रचेगी। इस बारे में श्रद्धा ने बताया कि इस एनिमेटेड शो को खासतौर पर बच्चों, परिवारों और मैडॉक फिल्म्स के पुराने फैंस को ध्यान में रखकर बनाया गया है। श्रद्धा कपूर ने कहा, जब दिनू (दिनेश विजान) ने मुझे इसके बारे में बताया तो मैंने कहा- सच में आपका नाम दिनेश विजन ही होना चाहिए। प्रोड्यूसर दिनेश विजान ने कन्फर्म किया कि छोटी स्त्री का क्लाइमैक्स सीधे तौर पर स्त्री-3 की कहानी से जुड़ा होगा। दिनेश विजान ने कहा, मजेदार बात यह है कि छोटी स्त्री की आखिर में एक सीन होगा जो सीधे स्त्री-3 से जुड़ा होगा। यह एनिमेशन से लाइव एक्शन में बदल जाएगा, साथ ही आपको यह भी बताएगा कि स्त्री की बैक स्टोरी क्या है। जहां एक तरफ दर्शक यह इंतजार कर रहे थे कि शायद उन्हें स्त्री की बैकस्टोरी स्त्री-3 में देखने को मिलेगी, वहीं मैडॉक फिल्म्स ने इसे एनिमेशन मूवी के जरिए दिखाने का ऐलान करके पूरा गेम ही बदल दिया है।

पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहेः रजत बेदी

सालों पहले कई हिट फिल्मों में नजर आने वाले विलेन रजत बेदी को हाल ही में आर्यन खान की डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया। इस सीरीज ने उन्हें एक नई पहचान और दोबारा ऑडियंस का प्यार दिलाया है। लेकिन रजत के लिए पिछले 20 साल दर्द से भरे रहे। इस मुश्किल वक्त में उनकी पत्नी उनके साथ खड़ी रहीं। रजत ने कहा,

'लोग सिर्फ मेरी वापसी देख रहे हैं, लेकिन पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहे। मेरी पत्नी ने मेरा साथ नहीं छोड़ा, उन्होंने मेरे संघर्ष में बहुत दुख झेला। आज जब लोग मुझे पहचान रहे हैं, मेरी फैमिली भी इस खुशी को महसूस कर रही है।' रजत बेदी ने लंबे वक्त तक फिल्मों से दूरी बना ली थी। 2000 के दशक में जब उनका करियर में ठहराव आया, तो उन्होंने एक्टिंग छोड़कर कनाडा जाना पड़ा। रजत ने वहां रियल एस्टेट का बिजनेस शुरू किया। लेकिन यह सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने बताया कि बिजनेस में भी कई बार उन्हें धोखाधड़ी और बुरे समय का सामना करना पड़ा। बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रजत बेदी ने जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। एक ऐसा असफल एक्टर, जो 15 साल तक कॉन्ट्रैक्ट में बंधा रहता है और हर संभव तरीका अपनाकर दोबारा इंडस्ट्री में वापसी करने की कोशिश करता है। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार कहीं न कहीं रजत की असली जिंदगी से मिलता हुआ लग रहा है।

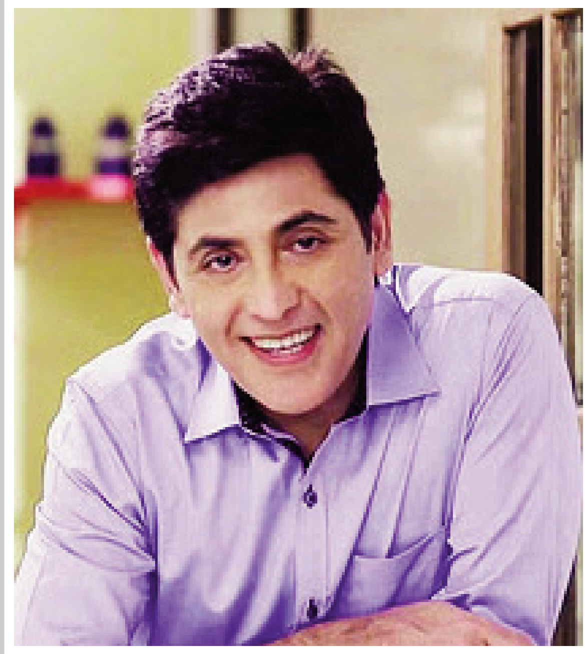

कई बार फीमेल किरदार निभा चुके हैं आसिफ शेख

छोटे परदे के मशहूर अभिनेता आसिफ शेख ने खुलासा किया कि अब तक वह 35 से ज्यादा महिला किरदार निभा चुके हैं। आसिफ ने बताया कि उन्होंने महिला किरदार 21 साल की लड़की से लेकर 86-90 साल तक की बुजुर्ग महिला तक के निभाए हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण अनुभव होता है। किरदार की तैयारी के बारे में बताते हुए आसिफ ने कहा कि उनकी अप्रोच काफी सरल रहती है। निर्देशक उन्हें ट्विस्ट बताते हैं और फिर वह सोचते हैं कि किरदार किस स्थिति में कैसा लगेगा। इसके बाद उनके असिस्टेंट उन्हें रेफरेंस भेजते हैं, जिन्हें मिलाकर किरदार का स्केच तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस स्केच के आधार पर कॉस्ट्यूम और विग चुने जाते हैं। अंत में किरदार की बोली-भाषा और एक्सेंट तय होता है।

आसिफ के मुताबिक, कभी-कभी किसी महिला किरदार को दिखाने के लिए खास तौर पर उसके बॉडी लैंग्वेज और एटिट्यूड पर काम किया जाता है। जैसे किसी मालिश वाली महिला के किरदार को निभाते समय उन्होंने उसकी चाल-ढाल और हाव-भाव को अलग अंदाज में पेश किया था। वहीं, किसी मॉडर्न और क्लासी लड़की को दर्शाने के लिए स्कर्ट और वेस्टर्न लुक अपनाया।

आसिफ शेख ने सिर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' में ही नहीं, बल्कि 'यस बॉस', 'हम आपके हैं इन लॉज', 'एफ.आई.आर.' और कई फिल्मों में भी महिला किरदार निभाए हैं।

इन सभी भूमिकाओं में उनकी अदाकारी को खूब सराहा गया है। आसिफ का मानना है कि किसी भी किरदार को पूरी ईमानदारी और बारीकी से निभाना जरूरी है, चाहे वह महिला हो या पुरुष। शायद यही वजह है कि आज भी वह टीवी की दुनिया में कॉमिक रोल्स के लिए सबसे पसंदीदा एक्टर्स में गिने जाते हैं। बता दें कि अपने सुपरहिट शो 'भाबीजी घर पर हैं' में विभूति नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में जाने जाते हैं। इस शो में उनका किरदार दर्शकों को खूब हंसाता है, लेकिन इसके पीछे की मेहनत भी कम नहीं होती। कई बार उन्हें कहानी के हिसाब से अलग-अलग लुक अपनाने पड़ते हैं।

बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म की तैयारी कर रहे सिद्धांत चतुर्वेदी

हाल ही में सिनेमाघरों में धड़क 2 रिलीज़ हुई, जिसके बाद से अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, तो एक बार फिर फैंस उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहे। सिद्धांत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसने उनके चाहने वालों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर में वह कड़ी ट्रेनिंग करते नज़र आए, लेकिन खास बात उनके हाथ में मौजूद कॉफी कप था, जिस पर देवगन फिल्म्स का लोगो साफ दिखाई दे रहा था। यही वजह है कि इंटरनेट पर अटकलें तेज़ हो गई हैं कि सिद्धांत अजय देवगन की प्रोडक्शन कंपनी की बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर से शुरू हो सकती है। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और हाल ही में आई धड़क 2 जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले सिद्धांत इस बार एक बेहद शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रहे हैं।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' रिलीज से पहले सितारों का प्रमोशन

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के रिलीज में अब सिर्फ एक दिन बाकी हैं फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी, और पूरी टीम फिल्म को सफल बनाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ लगातार प्रमोशन कर रहे हैं। इसी कड़ी में रोहित सराफ ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया है। वीडियो में वरुण, जाह्नवी, सान्या, रोहित और मनीष पॉल लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और अपनी ही फिल्म के गाने 'बिजुरिया' पर धमाकेदार अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। सभी कलाकार अपने-अपने अंदाज में एक्सप्रेशन देते दिखते हैं, लेकिन वीडियो का सबसे मजेदार हिस्सा मनीष पॉल रहे। आखिर तक उनकी कॉमिक टाइमिंग और नटखट अदाएं सारी लाइमलाइट खींच लेती हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए रोहित सराफ ने कैप्शन में लिखा 'हम अपने ही तरीके से नाचते रहेंगे क्योंकि एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है जाओ अपना टिकट बुक करो।'

बता दें कि फिल्म की एडवांस बुकिंग रविवार से शुरू हो चुकी है और दर्शकों में इसे लेकर अच्छी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि फिल्म के लिए बॉक्स ऑफिस पर चुनौती भी कम नहीं होगी, क्योंकि इसी दिन ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म 'कांतारा- चैप्टर 1' भी रिलीज होने जा रही है। 'कांतारा' जहां करीब 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी है और कई भाषाओं में रिलीज होगी, वहीं 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ रुपये है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिल सकती है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'बवाल' में नजर आए थे। सिनेमाघरों में फिल्म का प्रदर्शन भले ही औसत रहा हो, लेकिन ओटीटी पर इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब देखने वाली बात होगी कि यह नई जोड़ी बड़े परदे पर इस बार कितना धमाल मचाती है और बॉक्स ऑफिस पर कौन सी फिल्म बाजी मारती है।

मंत्र काम क्यों नहीं करते हैं

आपने अक्सर सत्संग में सुना होगा, रामायण, महाभारत या वेदों आदि में पढ़ा होगा कि प्राचीन काल में तपस्वी लोग मंत्रों की शक्ति से जो चाहे हासिल कर लेते थे। वे जिस चीज का आह्वान करते थे, उसे तुरंत पा लेते थे। आज भी आप जब शारीरिक या आर्थिक रूप से परेशान होते हैं, और किसी ज्योतिषी के पास जाते हैं, तो वह क्या करता है। जन्म पत्रिका देखने के बाद पीड़ित ग्रह की शांति के लिए कुछ उपाय बता देता है और कुछ मंत्रों का जाप करने के लिए कहता है। ऐसे में कई बार लोग सवाल करते हैं कि उन्होंने मंत्रों का जाप तो किया, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। आखिर ऐसा क्यों होता है कि जो मंत्र प्राचीन काल में सिद्ध थे, उनका प्रभाव आज कम दिखता है या नहीं दिखता है। मंत्रों की शक्ति प्रभावी क्यों नहीं होती है। आज हम आपको इसका सबसे बड़ा राज बताने जा रहे हैं कि मंत्रों की शक्ति आखिर काम कैसे करती है। दरअसल, आज लोग मंत्रों को जाप करते समय सिर्फ मुंह से बोलते रहते हैं। उसमें उनका मन और आत्मा नहीं शामिल होती है। मंत्र पढ़ते या जपते समय आधा ध्यान घर के काम में लगा होता है और कई बार तो लोग मंत्रों का जाप करते हुए घर की साफ सफाई भी कर देते हैं, गाड़ी भी चला लेते हैं। उन्हें लगता है कि पंडित ने जपने के लिए कहा था और यह किसी काम को करते हुए भी तो किया जा सकता है।

मगर, यह गलत तरीका है। मान लीजिए आपके घर में अंधेरा है और आप जीरो वॉट का बल्ब लगाते हैं, तो कितनी रोशनी मिलेगी? फिर आप कहेंगे बल्ब तो जला दिया है, लेकिन रोशनी तो आ ही नहीं रही है। यही तो आप मंत्रों को जपते हुए कर रहे हैं। जीरो वॉट के बल्ब की तरह सिर्फ मुंह से मंत्र का उच्चारण करते जा रहे हैं। खुद ही सोचिए क्या वह फलीभूत होंगे। दूसरा तरीका है, मन से जाप करने का। एक जगह ध्यान लगाकर बैठ जाएं। आपको विचलित करने वाली कोई चीज मोबाइल, किसी तरह का शोर नहीं हो। मंत्र को पूरे मनोयोग से ध्यान केंद्रित करते हुए जपें। जब मन की शक्ति शामिल होगी, तो यह 10 वाट के बल्ब की तरह रोशनी देगी। आपको इसका फायदा होता दिखेगा।

तीसरा तरीका है आत्मा से मंत्रों का जप करना। यह 100 वॉट का बल्ब है, जो पूरे कमरे को रोशनी से भर देगा। क्योंकि इसमें आपका शरीर यानी मुंह से मंत्रों का उच्चारण हो रहा होगा, मन यानी ध्यान में भी आपके मंत्र होंगे और आत्मा यानी आपके शरीर के सातों चक्र, रोम-रोम उसका उच्चारण कर रहा होगा, जैसे प्राचीन काल में लोग करते थे। अब बताइए 100 वॉट का बल्ब जलेगा, तो क्या मंत्रों की शक्ति आपके जीवन के अंधकार को दूर नहीं कर देगी।

मंत्र तो वही थे, वही रहेंगे, लेकिन उन्हें जपने और सिद्ध करने में आप कितनी ऊर्जा लगाते हैं। इससे तय होता है कि आपको उसका फायदा कितना मिल रहा है। पहले तरीके से मंत्र जपने से तो बेहतर है कि आप न ही करें क्योंकि इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह बिल्कुल टेप रिकॉर्डर की तरह है, जिसमें आपके मन ने मंत्र बोलने की फीडिंग कर ली है और जैसे आप बाइक या कार चलाते हुए ध्यान नहीं देते हैं और कार चलती रहती है, वैसे ही मंत्रों की शक्ति को बढ़ाते नहीं है। दिमाग की प्रोग्रामिक के चलते मंत्र मुंह से निकलते रहते हैं।

इस कुंड के सामने ताली बजाने पर निकलता है पानी

आपने बहुत से जल कुंड के रहस्यों के बारे में सुना होगा। किसी कुंड के जल से रोग ठीक हो जाते हैं, तो किसी कुंड का जल भविष्य में होने वाली आपदाओं का संकेत देता है। भारत में ऐसे बहुत सारे जल कुंड हैं, जिनके रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ऐसा ही एक रहस्मय कुंड झारखंड के बोकारो जिले में स्थित है। इस कुंड को दलाही कुंड के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि अगर आप इस कुंड के सामने आप ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ही निकल आएगा। इस कुंड में पानी इतनी तेजी से निकलता है कि जिसे देखकर लगता है कि जैसे पानी उबल रहा हो। इसकी एक और खासियत है यहां सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा पानी निकलता है। बोकारो से 27 किलोमीटर दूर इस अनोखे कुंड में नहाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इस कुंड पर कई वैज्ञानिकों ने शोध किया कि आखिर यहां पानी आता कहां से है, मगर उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

पूरी होती है मन्नत

लोगों का मानना है कि कुंड के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह पूरी होती है। इसमें एक बार नहा लेने से कभी भी कोई भी त्वचा से संबंधित रोग नहीं होता है। इस कुंड से निकलने वाला पानी जमुई नामक नाले से होता हुआ गर्गा नदी में जाता है। ये कुंड कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस जलाशय का पानी एकदम साफ है और ये औषधीय गुणों से भरा हुआ है।

संक्रांति में लगता है मेला

वर्ष 1984 से यहां हर साल मकर संक्रांति पर मेला लगता है। कुंड के निकट दलाही गोसाई का देव स्थान है। यहां हर रविवार को श्रद्धालु आते हैं।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का करें ये उपाय

आज के अर्थ युग में पैसा हर किसी की जरूरत है। हालांकि, इस भौतिकतावादी समाज में इंसान हर सुख और वैभव की चीज को खरीदना चाहता है, जिसके लिए वह ऋण लेता है। कई बार कुछ मजबूरियों के चलते भी लोगों को ऋण लेना पड़ता है।

यदि ऋण लेने के बाद आप उसे चुका नहीं पा रहे हैं, तो एक आसान उपाय इसमें आपकी मदद कर सकता है। इस उपाय को करने से आपके पास धन के आने के रास्ते खुल जाएंगे और आप आसानी से अपना ऋण चुका सकेंगे। शुक्रवार की रात्रि में ग्यारह बजे के बाद एकाग्रता से बैठकर, नेत्र बंद करके ऐसा ध्यान करें कि आपके सामने महालक्ष्मी कमलासन पर विराजमान हो और आप उनके ऊपर कमल पुष्प चढ़ा रहे हैं। ऐसे 108 मानसिक कमल पुष्प अर्पित करें। ऐसा करने से लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय हर शुक्रवार को करें। ऐसा करने से अवश्य ही आपका ऋण जल्दी उतर जाएगा।

चंचला हैं लक्ष्मी

यह तो सभी जानते हैं कि लक्ष्मी चंचला हैं। वह किसी भी स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं टिकती हैं। लक्ष्मीजी हमेशा विष्णु भगवान के साथ रहती हैं। इसलिए यदि इस उपाय के साथ ही विष्णु सहस्रनाम या गोपाल सहस्रनाम का पाठ करें, तो घर में विष्णु भगवान का वास और कृपा भी होती है। यदि घर में विष्णु भगवान का वास हो गया, तो लक्ष्मी जी स्वत: वहां बनी रहेंगी।

क्या है चंदन का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में चंदन की लकड़ी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इस लकड़ी को पत्थर पर पानी के साथ घिसकर इसका तिलक बना माथे पर लगाना हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि चंदन इतना पवित्र होता है कि चंदन की बट्टी और सिल्ली पूजा स्थल पर ही रहनी चाहिए। चंदन एक खास तरह की सुगंधित लकड़ी होती है, इसकी सुगंध बेमिसाल होती है। जैसे-जैसे इसका पौधा बढ़ता है, वैसे-वैसे इसके तने और जड़ों में सुगंधित तेल का अंश बढ़ने लगता है।

हिंदू धर्म में चंदन को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसलिए पूजा के हर कार्य में चंदन की लकड़ी, चंदन का लेप और चंदन के इत्र आदि का प्रयोग किया जाता है। शिवलिंग का अभिषेक भी चंदन से करने की परंपरा प्रचलित है। श्री हरि और उनके अवतारों के लिए सफेद चंदन का लेपन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि देवी की उपासना में लाल चंदन ज्यादा प्रयोग होता है। बौद्ध धर्म में चंदन के प्रयोग से ध्यान करने की परंपरा प्रचलित है।

ज्योतिष में ग्रहों की समस्या के समाधान के लिए भी चंदन का प्रयोग किया जाता है। रोज घर में पूजा के समय चंदन की सुगंध वाली धूप बत्ती जलाएं। चंदन का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर इसे नीले कपड़े में रखकर लाकेट की तरह बना लें। शनिवार की शाम को इसे लाल धागे में गले में धारण कर लें।

महाभारत युद्ध में इन देव और दानवों ने लिया था भाग

धरती पर समय-समय पर देव और दानवों ने जन्म लिया है। असूरों ने धरती के कष्टों को बढ़ाया है तो देवों ने धरती के कष्टों का हरण किया है। देवों ने अक्सर मानव जाति के उत्थान के लिए मानव रूप में धरती पर अवतरण किया तो कभी स्वर्गलोक में श्राप की वजह से उनको धरती पर आना पड़ा। महाभारत मे ऐसे अनेक योद्धा हुए जो देव और दानव थे, लेकिन धरती पर मानव रूप में आए और किसी कार्य विशेष के पूरा होने या श्राप से मुक्त होते ही धरती से प्रस्थान कर गए। हम आपको बताते हैं महाभारत के वीरों और उनके अवतरण के बारे में। पहले बात दानवों की करते हैं। दानवराज विप्रचित्ति ने जरासंध और हिरण्यकशिपु ने शिशुपाल के रूप में जन्म लिया था। शिबि दैत्य ने द्रुम राजा के रूप मे और वाष्कल ने भगदत्त के रूप में जन्म लिया था। दैत्य कालनेमी ने कंस के रूप में जन्म लिया था। देव, मुनि, ऋषि आदि अनेक महापुरूषों ने महाभारत काल में धरती पर अवतरण लिया था। इसमें भरद्वाज मुनि के यहां बृहस्पति के अंश के रूप में द्रोणाचार्य ने जन्म लिया था। वह श्रेष्ठ धनुर्धर, उत्तम शास्त्रवेत्ता और तपस्वी थे। और द्रोणाचार्य के यहां पर महादेव, यम, काल और क्रोध के सम्मिलित अंश भयानक अश्वत्थामा ने जन्म लिया था। महर्षि वशिष्ठ के श्राप से और इन्द्र की आज्ञा से आठों वसु महाराज शांन्तनु से गंगा के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। इनमें सबसे छोटे भीष्म थे, जो कौरवों के रक्षक और श्रेष्ठ वक्ता थे।

रुद्र के एक गण ने कृपाचार्य के रूप में जन्म लिया था। मरुदगम के अंश से सात्यकि, द्रुपद, कृतवर्मा और विराट का जन्म हुआ था। अरिष्टा का पुत्र हंस, जो गंधर्वराज था ने धृतराष्ट्र के रूप में जन्म लिया था और हंस के छोटे भाई पाण्डु के रूप में अवतरित हुए थे। सूर्य के अंश धर्म के रूप में विदूर का अवतरण हुआ तो कलयुग के रूप में दुर्योधन का जन्म हुआ, जो कुल के नाश की वजह बना। पुलतस्य वंश के राक्षसों ने दुर्योधन के सौ भाइयों के रूप में जन्म लिया, लेकिन धृतराष्ट्र का वह पुत्र जिसका नाम युयुत्सु था, उसका जन्म एव वेश्या के गर्भ से हुआ था इससे वह इन सभी से अलग स्वभाव का और धर्मप्रेमी था।

योगमाया है श्रीकृष्ण की मुरली

भारतीय संस्कृति के महानायक श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व बहुरंगी हैं। ज्ञानेश्वरी के लाड़ले श्रीकृष्ण, गीता के तत्ववेत्ता श्रीकृष्ण, गोकुल के नटखट कृष्ण, राधा-मीरा और आम भक्तों के भक्त वत्सल कृष्ण, राजनीतिज्ञ द्वारकाधीश कृष्ण, योगेश्वर कृष्ण ऐसे न जाने उनके कितने रूप हैं लेकिन सबसे लोकप्रिय है मुरलीधर कृष्ण। मुरली के बिना श्रीकृष्ण की कल्पना संभव नहीं। उनकी बांसुरी में हमें जीवन के अनेक अर्थ मिलते हैं। बाहरी शोरगुल से शांत अतंरात्मा की आवाज सुनने का माध्यम है 'ध्यान' और कृष्ण की मुरली के स्वर गोपियों को ध्यान में ले जाते थे अर्थात आत्मा से जोड़ते थे। गहराई से विचार करें तो गोपियां यानी हमारी कामेन्द्रियां। जो मोह-माया में उलझी रहती, ध्यान साधना से ही वे प्रभु का साक्षात्कार कर सकती हैं।

श्रीकृष्ण की यह मुरली कोई सामान्य नहीं वरन योगमाया है। मुरली में कुल नौ द्वार (छेद) होते हैं उनमें से सात द्वारों में सात सुर समाए हैं। श्रीकृष्ण अपने नाजुक होठों से सारे विश्व पर मीठी फूंक डालते हैं और इन्हीं सप्त स्वरों में सारा आयुर्वेद भी है। आयुर्वेद शरीर के कफ, वात और पित्त का इलाज करता है। इन सात स्वरों में उनकी योजना समाई है। सा, रे, ग –कफ विभाग, म, प, ध – पित्त विभाग
ध, नि, सा – वात विभाग

हर स्वर के हैं देवता

समयानुसार प्रत्येक का राग निशि्चत है। उस रोग के मुताबिक वह राग गाया जाता है। प्रत्येक स्वर के देवता भी बताए गए हैं :– षड्ज – सा – अग्नि, ऋषभ – रे – यम, गांधार – ग – चंद्र, मध्यम – म – लक्ष्मी, पंचम – प – गणनाथ सूर्य, धैवत – ध – नारद गणेश, निषाद – नि – लाल सूर्य, ऐसे ये सात स्वर और बाइस श्रुतियों का संगम श्रीकृष्ण की मुरली में सुनाई देता है।

कृष्ण की उंगलियों पर नाचते हैं ग्रह

मानव शरीर के नौ द्वार हैं – दो आंखें, दो कान, दो नथुने, एक मुंह, एक गुदा, एक जननेंद्री। नौ द्वारों में नवनाथों को बांट दिया है। इसी शरीर में नवग्रहों का वास भी है। भौहों में सूर्य, बिंदु में चन्द्र, आंखों में मंगल, हृदय में बुध और गुरु स्थान में विष्णु। पेट में शुक्र और नाभि में शनि तो गुदा में राहु और पैरों में केतू। ये सारे ग्रह श्रीकृष्ण के हाथों की उंगलियों की ताल पर नाचते हैं। सप्त सुरों में शरीर के सात चक्र खिलते हैं। इन्ही स्वरों के सामर्थ्य पर श्रीकृष्ण भक्त समाधि लगा सकते हैं। नौ द्वारों वाली मुरली के नाद शरीर की पंच ज्ञानेन्द्रियों, मन, बुद्धि अहंकार और चित्त इन नौ पलों पर इन स्वरों का असर होता है। प्रकारांतर से कृष्ण की मुरली हमें बताती है कि इंद्रियों पर पकड़ रखकर हम संसार को जीत सकते हैं।